रांची, बुधवार 06 अगस्त 2025 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 12, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 120 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

फूटा कुंभ जल जलहिं समाना अंतिम जोहार शिबू सोरेन

पंचतत्व में विलीन हुए दिशोम गुरु

राजकीय सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दी मुखाग्नि

- दिशोम गुरु को आखिरी जोहार, हर चेहरा खामोश और आंख नम
- गुरुजी को घाट पर ले जाते फूट-फूट कर रो पड़े हेमंत सोरेन
- झारखंड की आत्मा पगडंडियों से होकर विदा हुई अपने धाम
- आंसुओं की धुंध में गुरुजी को ओझल होते हुए देखते रहे हजारों हजार समर्थक
- राहुल गांधी, खरगे और तेजस्वी यादव ने गुरुजी को दी विदाई
- टूटीं दलीय दीवारें, विभिन्न दलों के राष्ट्रीय एवं स्थानीय नेता भी पहुंचे
- राज्यसभा के बाद लोकसभा में भी शिबू सोरेन को दी गई श्रद्धांजलि

शुभम संदेश टीम। रांची/ नेमरा

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और दिशोम गुरु शिबू सोरेन का मंगलवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया. उनके बेटे और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उन्हें मुखाग्नि दी. शिबू सोरेन की अंतिम यात्रा जब उनके पैतृक गांव नेमरा में निकाली गई, तो उन्हें आखिरी बार श्रद्धांजलि देने के लिए हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी. जनसैलाब ने "गुरुजी अमर रहें" के नारों के साथ उन्हें भावभीनी विदाई दी. इस मौके पर देश के कई दिग्गज नेता, आला अधिकारी और हजारों आम लोग मौजूद रहे.

दिशोम गुरु की अंतिम विदाई में हर किसी की आंखे नम थीं. घाट तक उनके पार्थिव शरीर को बेटे हेमंत सोरेन, बसंत सोरेन और अन्य परिजनों ने कंधा दिया. अंतिम दर्शन के समय गुरु जी की पत्नी रूपी सोरेन फफक-फफक कर रो पड़ीं, वहीं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन उन्हें संभालती दिखाई दीं. घाट पर जब शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर ले जाया जा रहा था, तो उनके पुत्र हेमंत सोरेन और मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं. दिशोम गुरु के बेटे और सीएम हेमंत सोरेन एक समय ऐसा भी आया, जब फूट-फूट कर रो पड़े, उनके साथ उनके दोनों बेटों की आंखें भी नम थीं.

गुरु जी के पार्थिव शरीर को चिता पर रखने से पहले परंपरानुसार उसकी परिक्रमा कराई गई. जैसे ही चिता पर शिबू सोरेन का शरीर रखा गया, उसी क्षण मूसलाधार बारिश शुरू हो गई—जैसे प्रकृति भी इस विदाई में अपनी संवेदनाएं व्यक्त कर रही थी. बारिश के बावजूद हजारों लोग अंतिम दर्शन के लिए डटे रहे. कुछ ही समय बाद गुरुजी के छोटे बेटे बसंत सोरेन ने मुखाग्नि की अंतिम रस्म निभाई. इसके बाद चिता धू-धू कर जल उठी. इस दौरान उनके पुत्र एवं झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन चुपचाप, अपने छोटे भाई बसंत सोरेन के साथ पिता की चिता के जमे रहे. अंततः गुरुजी इस नश्वर संसार संसार से स्थूल रूप से मिट्टी में मिल गए.

गुरु जी की अंतिम विदाई में आसमान भी रो पड़ा

शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर को मंगलवार को विधानसभा में अंतिम दर्शन के बाद उनके पैतृक गांव नेमरा ले जाया गया. उनके अंतिम दीदार के लिए रांची से नेमरा तक लोगों ने बेसब्री से इंतजार किया. गुरुजी के चाहने वाले सुबह से ही सड़क के किनारे मौजूद थे. नेमरा में अपने दिशोम गुरु को अंतिम विदाई देते वक्त सभी की आंखे छलक गईं. इन नम आंखों को सहसा विश्वास ही नहीं हो रहा था कि गुरुजी हमारे बीच नहीं है. अंतिम यात्रा के दौरान गांव की मिट्टी खुद भींग गई. सन्नाटे में लग रहा था हर घर, हर दीवार और हर पेड़ मानो रो रहा हो. लोकसभा में भी शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि दी गई. इस दौरान जोरदार बारिश भी हुई, लोगों ने कहा- गुरुजी के जाने पर आसमान भी रो रहा है.

अंतिम यात्रा में उमड़ा जन सैलाब

नेमरा में गुरुजी को अंतिम विदाई देने के लिए जन सैलाब उमड़ पड़ा. नेमरा पहुंचने के बाद अंतिम विदाई से पहले पारंपरिक रीति रिवाजों को पूरा किया गया. गुरुजी की अंतिम यात्रा के समय नेमरा गांव की गलियां भी पूरी कहानी बयां कर रही थीं. वहां के ग्रामीणों ने फूल बरसाकर उन्हें अंतिम विदाई दी. पूरे गांव में शिबू सोरेन अमर रहे का नारा गूंजता रहा. बारिश के बीच भी उनके चाहने वाले डटे रहे. गुरुजी के सम्मान में झुकी हुई आंखें सबकुछ बयां कर रही थीं. सभी हाथ जोड़े खड़े रहे. किसी के पास शब्द नहीं थे. सिर्फ भाव झलक रहे थे. झारखंड की आत्मा पगडंडियों से होकर विदा हुई. आंसुओं की धुंध में गुरु जी ओझल होते हुए दिख रहे थे. इस दौरान नेमरा में अंतिम संस्कार को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे.

शामिल हुए देश के दिग्गज नेता

गुरुजी के अंतिम संस्कार में देश के दिग्गज नेता शामिल हुए. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस के राश्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे रांची एयरपोर्ट से सड़क मार्ग से नेमरा पहुंचे. दोनों नेता रांची में बिना देर किए, सीधे नेमरा के लिए सड़क मार्ग से निकल पड़े. राहुल और खरगे ने पहुंचते ही सबसे पहले गुरुजी को पुष्पांजलि अर्पित की. इसके बाद गुरुजी को मुखाग्नि दी गई. इसके अलावा केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम, अन्नपूर्णा देवी, टीएमसी सांसद डेरेक ओब्रायन, आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह, राजद नेता तेजस्वी यादव और सांसद पप्पू यादव के अलावा अर्जुन मुंडा, सुदेश महतो, डीजीपी अनुराग गुप्ता सहित झारखंड के मंत्री-विधायक से लेकर कई गणमान्य लोग शामिल हुए.

रास्ते पर नहीं थी जगह, पगडंडियों से श्मशान घाट पहुंचे गुरुजी के समर्थक

शुभम संदेश। रामगढ़

दिशोम गुरु शिबू सोरेन का अंतिम संस्कार मंगलवार को संपूर्ण विधि-विधान के साथ कर दिया गया. गोला प्रखंड अंतर्गत उनके पैतृक गांव नेमरा में उनका अंतिम संस्कार हुआ. इस दौरान इनके चाहने वालों का वहा हुजूम उमड़ा. शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार की खबर जब लोगों को मिली, तो वे मंगलवार की सुबह से ही नेमरा पहुंचने लगे थे. गांव से लगभग सात किलोमीटर पहले लुकैयाटांड़ में ही जिला प्रशासन की ओर से बैरीकेडिंग कर दी गयी थी. वीआईपी लोगों के लिए हेलीपैड और गाड़ियों की व्यवस्था की गई थी. सात किलोमीटर तक का रास्ता वीआईपी जिला प्रशासन की ओर से बनाए गए रूट के हिसाब से ही तय कर पा रहे थे. लेकिन झामुमो और शिबू सोरेन के समर्थकों ने सात किलोमीटर की लंबी दूरी को पैदल ही पार करना स्वीकार किया.

आम लोग लुकैयाटांड़ से पैदल चलकर नेमरा पहुंचे. वहां भी रास्ते पर चलने की जगह नहीं थी. जिला प्रशासन की ओर से जिस रास्ते की मरम्मत श्मशान घाट तक जाने के लिए की गई थी, वह भी कीचड़ से भरा था. धान के खेत और कीचड़ में पटरी रखकर शव को ले जाने की व्यवस्था हुई थी. आम लोगों को जब वहां रास्ता नहीं मिला, तो वे खेतों की पगडंडियों पर उतर आए. श्मशान घाट के चारों तरफ अलग-अलग पगडंडियों से होकर शिबू सोरेन के समर्थक वहां पहुंचे. सबसे बड़ी बात यह थी कि जब वहां बारिश शुरू हुई, तो कुछ लोग वहां बने टेंट में छुपने लगे. लेकिन शिबू सोरेन के समर्थकों ने इस परिस्थिति में भी खुद को टिकाए रखा. लगभग आधे घंटे तक होने वाली बारिश में वे खड़े रहे और अंततः अपने नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करके ही वापस लौटे.

वार-पलटवार: अमेरिकी डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ धमकी पर भारत के समर्थन में उतरे पुतिन, कहा

रूस के ट्रेड पार्टनर पर न बनाएं दबाव, हम इसे समझेंगे थ्रेट

एजेंसियां। मॉस्को

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से रूस से तेल की खरीद के कारण भारत पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी का मॉस्को ने विरोध किया है. अमेरिका की धमकी को लेकर क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि मॉस्को के खिलाफ ऐसी धमकियां गैरकानूनी हैं. उन्होंने दो टूक कहा कि देशों को व्यापार साझेदार चुनने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है. क्रेमलिन के प्रवक्ता ने कहा, देशों को अपने ट्रेड पार्टनर चुनने का अधिकार है और ऐसी धमकियां नहीं दी जा सकतीं. किसी भी देश को रूस के साथ व्यापार बंद करने के लिए मजबूर करना अवैध है. रूस के व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ इस तरह के दबाव को धमकी के रूप में समझा जाएगा. दिमित्री पेस्कोव ने कहा, हमारा मानना है कि संप्रभु देशों को अपने व्यापारिक साझेदारों, व्यापार और आर्थिक सहयोग के लिए साझेदारों को चुनने का अधिकार होना चाहिए और वास्तव में ऐसा ही है. उन्हें अपने लिए व्यापार और आर्थिक सहयोग के ऐसे संभावनाओं को चुनने का अधिकार होना चाहिए जो किसी विशेष देश के हित में हों.

ट्रंप ने दी धमकी, 24 घंटे में लगाऊंगा भारी टैरिफ

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार को चेतावनी दी कि अगर भारत ने रूसी तेल और अन्य सैन्य उत्पादों की खरीद बंद नहीं की तो उस पर टैरिफ बढ़ा दिया जाएगा. ट्रंप ने कहा, भारत न सिर्फ भारी मात्रा में रूसी तेल खरीद रहा है, बल्कि खरीदे गए तेल का एक बड़ा हिस्सा खुले बाजार में भारी मुनाफे पर बेच भी रहा है. उन्हें इस बात की कोई परवाह नहीं कि रूसी युद्ध मशीन से यूक्रेन में कितने लोग मारे जा रहे हैं. इसी वजह से मैं भारत से अमेरिका को दिए जाने वाले शुल्क को काफी बढ़ाने जा रहा हूं.

भारत को निशाना बनाना गलत : ट्रंप की इस चेतावनी पर भारत ने दो टूक जवाब दिया. विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत को निशाना बनाना बिल्कुल अनुचित और दोहरे मापदंड का उदाहरण है. भारत एक बड़ी अर्थव्यवस्था है और अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाता रहेगा.

यूएन में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की ने ट्रंप को दी नसीहत

यूएन में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली ने ट्रंप एक्स पर पोस्ट कर ट्रंप को सलाह दी है कि वे भारत के साथ रिश्ते खराब न करें. उन्होंने कहा, भारत को रूस से तेल नहीं खरीदना चाहिए, लेकिन चीन जो हमारा विरोधी है और रूसी-ईरानी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है, उसे 90 दिनों के लिए टैरिफ में ढील दी गई है. चीन को छूट न दें और भारत जैसे मजबूत सहयोगी के साथ अपने रिश्ते खराब न करें.

कहा भारत के साथ रिश्ते खराब ना करें

सत्यपाल मलिक का निधन

- पीएम मोदी ने जताया शोक, जयंत चौधरी पहुंचे अस्पताल, सपा बोली- बेखौफ आवाज शांत हो गई

एजेंसियां। नयी दिल्ली

जम्मू-कश्मीर, गोवा, बिहार और मेघालय के राज्यपाल रहे सत्यपाल मलिक का मंगलवार को देहांत हो गया. वह कई दिनों से अस्पताल में भर्ती थे और उनका इलाज चल रहा था. सत्यपाल मलिक ने 79 वर्ष की आयु में दिल्ली स्थित राम मनोहर लोहिया अस्पताल में अंतिम सांस ली. सत्यपाल मलिक के निजी सचिव केएस राणा ने यह जानकारी दी. दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल के अनुसार पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का मंगलवार दोपहर 1.10 बजे निधन हो गया. सत्यपाल मलिक के सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर उनके निधन की जानकारी दी गई. सत्यपाल मलिक बिहार में भी राज्यपाल थे. आधिकारिक जानकारी के अनुसार सत्यपाल मलिक को किडनी की समस्या थी. उन्होंने कृषि आंदोलन, भ्रष्टाचार और कई राष्ट्रीय मुद्दों पर अपनी बेबाक राय के लिए सुर्खियां बटोरी थीं. रालोद चीफ और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी, सत्यपालक मलिक के अंतिम दर्शन करने अस्पताल पहुंचे और अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए. सत्यपाल मलिक के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव समेत देश भर के कई नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है.

अनुच्छेद 370 हटा तब राज्यपाल थे मलिक : जम्मू और कश्मीर में जब अनुच्छेद 370 और आर्टिकल 35 ए को समाप्त किया गया तब उस वक्त राज्यपाल सत्यपाल मलिक ही थे. जब जम्मू और कश्मीर को पूर्ण राज्य की जगह केंद्र शासित प्रदेश घोषित किया गया, तब सत्यपाल मलिक केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्याल हो गए थे.

सत्यपाल मलिक का सियासी सफर : 24 जुलाई 1946 को जन्मे मलिक, यूपी के बागपत के मूल निवासी थे. वह 1974 में पहली बार विधायक बने. इसके बाद 1980 से 86 और 86-89 के दौरान वह राज्यसभा गए. मलिक लोकसभा के भी सदस्य थे. सियासी करियर में वह बीजेपी के अलावा, भारतीय क्रांति दल, जनता दल, कांग्रेस, लोकदल और सपा में रहे. सत्यपाल मलिक किसानों के बड़े नेता भी रहे. उन्हें चौधरी चरण सिंह का असली वारिस माना जाता रहा है.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने की भावुक पोस्ट

बाबा अब आप आराम कीजिए, मैं आपका बेटा आपका वचन निभाऊंगा

शुभम संदेश। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने पिता शिबू सोरेन के निधन के बाद एक बड़ी भावुक पोस्ट की है, जिसमें उन्होंने अपनी भावनाएं, अपनी और अपने पिता की कहानियां लिखी है, अपने दुखों को बयां किया हैं. उन्होंने कहा कि मैंने केवल एक पिता नहीं खोया मैंने झारखंड का मजबूत स्तंभ खोया है. अपने पिता को याद करते हुए हेमंत सोरेन ने लिखाः

मैं अपने जीवन के सबसे कठिन दिनों से गुज़र रहा हूं.
मेरे सिर से सिर्फ पिता का साया नहीं गया,
झारखंड की आत्मा का स्तंभ चला गया।
मैं उन्हें सिर्फ 'बाबा' नहीं कहता था
वे मेरे पथप्रदर्शक थे, मेरे विचारों की जड़ें थे,
और उस जंगल जैसी छाया थे
जिसने हजारों-लाखों झारखंडियों को धूप और अन्याय से बचाया.
मेरे बाबा की शुरुआत बहुत साधारण थी.
नेमरा गांव के उस छोटे से घर में जन्मे,
जहां गरीबी थी, भूख थी, पर हिम्मत थी.
बचपन में ही उन्होंने अपने पिता को खो दिया
जमींदारी के शोषण ने उन्हें एक ऐसी आग दी
जिसने उन्हें पूरी जिंदगी संघर्षशील बना दिया.
मैंने उन्हें देखा है
हल चलाते हुए,
लोगों के बीच बैठते हुए,
सिर्फ भाषण नहीं देते थे,
लोगों का दुःख जीते थे.
बचपन में जब मैं उनसे पूछता थाः
"बाबा, आपको लोग दिशोम गुरु क्यों कहते हैं?"
तो वे मुस्कुराकर कहतेः
"क्योंकि बेटा, मैंने सिर्फ उनका दुख समझा
और उनकी लड़ाई अपनी बना ली."
वो उपाधि न किसी किताब में लिखी गई थी,
न संसद ने दी -
झारखंड की जनता के दिलों से निकली थी.
'दिशोम' मतलब समाज,
'गुरु' मतलब जो रास्ता दिखाए.
और सच कहूं तो
बाबा ने हमें सिर्फ रास्ता नहीं दिखाया,
हमें चलना सिखाया.
बचपन में मैंने उन्हें सिर्फ़ संघर्ष करते देखा, बड़े बड़ों से टक्कर लेते देखा
मैं डरता था
पर बाबा कभी नहीं डरे.
वे कहते थेः
"अगर अन्याय के खिलाफ खड़ा होना अपराध है,
तो मैं बार-बार दोषी बनूंगा."
बाबा का संघर्ष कोई किताब नहीं समझा सकती.
वो उनके पसीने में, उनकी आवाज़ में,
और उनकी चप्पल से ढकी फटी एड़ी में था.
जब झारखंड राज्य बना,
तो उनका सपना साकार हुआ
पर उन्होंने कभी सत्ता को उपलब्धि नहीं माना.
उन्होंने कहाः
"ये राज्य मेरे लिए कुर्सी नहीं
यह मेरे लोगों की पहचान है."
आज बाबा नहीं हैं,
पर उनकी आवाज़ मेरे भीतर गूंज रही है.
मैंने आपसे लड़ना सीखा बाबा,
झुकना नहीं.
मैंने आपसे झारखंड से प्रेम करना सीखा
बिना किसी स्वार्थ के.
अब आप हमारे बीच नहीं हो,
पर झारखंड की हर पगडंडी में आप हो.
हर मांदर की थाप में,
हर खेत की मिट्टी में,
हर गरीब की आंखों में आप झांकते हो.
आपने जो सपना देखा
अब वो मेरा वादा है.
मैं झारखंड को झुकने नहीं दूंगा,
आपके नाम को मिटने नहीं दूंगा.
आपका संघर्ष अधूरा नहीं रहेगा.
बाबा, अब आप आराम कीजिए.
आपने अपना धर्म निभा दिया.
अब हमें चलना है
आपके नक्शे-कदम पर.
झारखंड आपका कर्ज़दार रहेगा.
मैं, आपका बेटा,
आपका वचन निभाऊंगा.
वीर शिबू जिंदाबाद - ज़िन्दाबाद, जिंदाबाद
दिशोम गुरु अमर रहें.
जय झारखंड, जय जय झारखंड...

यह पोस्ट एक पिता के जाने के बाद के दुःख को बयां करती है, जिसे एक बेटा एक पिता के खोने के बाद महसूस करता है.

गुरुजी का पशु प्रेम; पालतू कुत्ता सिसक रहा... मालिक के जाने का दर्द शब्दों में नहीं कर पा रहा बयां

शुभम संदेश। रांची

दिशोम गुरु न केवल एक जननायक रहे हैं, बल्कि वह पशुओं से अपने गहरे लगाव के लिए भी जाने जाते हैं. आज जब वह हमारे बीच नहीं हैं, तब उनका पालतू कुत्ता उदास है उनकी अनुपस्थिति का गहरा शोक मना रहा है. वह न इंसान है, न बोल सकता है, लेकिन उसकी आंखों में बसे दर्द को कोई भी देख सकता है. कल से ही वह चुपचाप एक कोने में बैठा है, आंखें नम हैं, न कुछ खा रहा है, न पी रहा है. वह अपने मालिक के जाने को शायद शब्दों में बयां न कर सके, लेकिन उसकी हर हरकत इस गहरे जुड़ाव की कहानी कह रही है. गुरुजी का जीवन संघर्षों और आंदोलनों से भरा रहा, खासकर आदिवासी अधिकारों के लिए. जब वह जंगलों में पुलिस से बचते हुए छिपते थे, तब जानवरों की आवाजें ही संवाद का माध्यम बनती थीं. यह केवल एक रणनीति नहीं थी, बल्कि उनके अंदर पशु-पक्षियों के प्रति आत्मीयता और समझ का प्रतीक था. जानवरों से बात करना, उनकी भाषा समझना और उन्हें अपनाना यह उनकी जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा था. गुरुजी मानते थे कि जानवर न केवल मनुष्य के साथी होते हैं, बल्कि संकट के समय सच्चे संरक्षक और सच्चे मित्र भी बन सकते हैं. आज जब उनका मूक साथी इस तरह से दुख में डूबा है, तब यह प्रमाण है कि गुरुजी का स्नेह एकतरफा नहीं था.

गुरुजी जब कभी अपने गांव आते थे, तो पशु-पक्षियों से घिरे रहते थे। वह खुद उन्हें खाना खिलाते, सहलाते और उनका हालचाल जानते. उनके आसपास के जानवर भी जैसे उन्हें पहचानते थे, और उनके स्नेह को महसूस करते थे. यही कारण है कि आज उनका कुत्ता केवल एक पालतू जानवर नहीं, बल्कि एक ऐसा साथी बन गया है, जो गुरुजी की कमी को पूरी शिद्दत से महसूस कर रहा है. इस दृश्य को देखकर यह समझ आता है कि प्रेम, स्नेह और अपनापन केवल इंसानों तक सीमित नहीं होता. जानवर भी प्रेम के उत्तरदाता होते हैं. दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने अपने जीवन से यह सिखाया कि अगर हम प्रकृति और जीव-जंतुओं से सच्चा संबंध बनाए रखें, तो वे भी हमें कभी नहीं भूलते चाहे हम इस संसार में रहें या नहीं.

गुरुजी का पशु प्रेम बचपन से ही देखा गया था. वह गायों को चारा डालते, कुत्तों को अपने हाथों से रोटी खिलाते और पक्षियों के लिए दाना-पानी रखते थे.

गुरुजी के निधन पर जयश्री का भावुक पोस्ट

कहा- बाबा, आप चले गए यकीन नहीं होता

रांची । सीता सोरेन और स्वर्गीय दुर्गा सोरेन की बेटी जयश्री सोरेन ने दादा दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर एक भावुक पोस्ट किया है. सोरेन ने लिखा है, "बाबा, आप चले गए यकीन नहीं होता. ऐसा लग रहा है जैसे घर का एक कोना हमेशा के लिए ख़ामोश हो गया है. आपके बिना सब कुछ अधूरा सा है. आपकी बातें, आपका अंदाज़, वो छोटी-छोटी सलाहें, सब कुछ अब भी मेरे दिल में गूंजता है. कभी डांट में प्यार छुपा होता था, तो कभी ख़ामोशी में समझदारी. आपने सिखाया कैसे सीधा खड़ा रहना है, जब दुनिया उलझ जाए. अब जब कुछ अच्छा होता है, दिल करता है आपको जाकर बताऊं. लेकिन सच कहूं, आप कहीं गए नही आप तो हर उस पल में हो जब मैं थोड़ा और मजबूत बनती हूं. आपको अलविदा कहना बहुत मुश्किल है, पर आप हमेशा मेरे साथ रहोगे हर दुआ में, हर मुस्कुराहट में, हर कदम पर. हम बहुत प्यार करते हैं आपको, बाबा. और हमेशा करेंगे.

गुरुजी को श्रद्धांजलि देने में ध्वस्त हो गई दलीय राजनीति की दीवार

शुभम संदेश। रांची

मोरहाबादी स्थित आवास से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गुरुजी के पार्थिव शरीर को लेकर लगभग साढ़े 10 बजे विधानसभा परिसर पहुंचे. यहां पहले से नेता, अधिकारी, विधानसभा कर्मी व सैंकड़ों की संख्या में गुरुजी के समर्थक जमा थे. स्पीकर रबींद्र नाथ महतो के नेतृत्व में पूरी तैयारी की जा चुकी थी. यहां गुरुजी के पार्थिव शरीर पर माल्यार्पण कर, फूल माला चढ़ा कर, राज्य के लगभग हर बड़े नेताओं ने श्रद्धांजलि दी. राज्य के आलाधिकारियों ने अंतिम अभिवादन किया. उनमें राज्यपाल संतोष गंगवार, केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम, अन्नपूर्णा देवी, संजय सेठ के अलावा प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी व राज्य सरकार के लगभग सभी मंत्री, सांसद व विधायक शामिल हुए. गुरुजी, जो एक ही बार 1985 में जामा से विधायक बने, बावजूद इसके विधानसभा कर्मियों में उनके प्रति अपनत्व व संवेदना का भाव चरम पर था.

विधानसभा में दलीय बैरियर पूरी तरह ध्वस्त था. गुरुजी, मतबल सबके नेता. सबके चहेता. सबके प्रेरणा स्रोत. इसी कारण प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी थे तो उनके ही दल के केंद्रीय नेता जुएल ओराम, संजय सेठ, अन्नपूर्णा देवी भी. भाजपा के लगभग एक दर्जन विधायक, सांसद, पूर्व विधायक भी गुरुजी के दर्शन को बेताब थे. सीपी सिंह, नीरा यादव, रागिनी सिंह, प्रदीप प्रसाद, रामचंद्र चंद्रवंशी सहित भीड़ में न जाने भाजपा के कई अन्य नेता श्रद्धांजलि देने को तत्पर थे. दलीय राजनीति की दीवार यहां पूरी तरह ध्वस्त थी. गुरुजी मतलब झारखंड के एक मात्र नेता.

शीर्ष अधिकारी भी अंतिम दर्शन के लिए बेताब थे

विधानसभा परिसर में गुरुजी के अंतिम दर्शन और उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए राज्य के आलाधिकारियों की लंबी लाइन थी. मुख्य सचिव अलका तिवारी, पूर्व मुख्य सचिव डीके तिवारी, वंदना डाडेल, अजय कुमार सिंह, सुनील कुमार, राहुल पुरवार, पूजा सिंघल, अमिताभ कौशल समेत दर्जन भर आईएएस अधिकारी वहां मौजूद थे.

पूर्व सीएम चंपाई सोरेन की आंखों में आंसू छलक आए

मोरहाबादी स्थित आवास पर भी गुरुजी को कई नेताओं, अधिकारियों ने श्रद्धांजलि दी. पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरन गुरुजी को श्रद्धांजलि देते देते भावुक हो उठे. उनके आंसु छलक आए. वहां पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव, आप के राज्य सभा सदस्य संजय सिंह, तृणमूल कांग्रेस सांसद डेरेक ओब्रायन समेत दूसरे दलों के दर्जनों नेता और हजारों कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने भी श्रद्धांजलि दी.

जाम में फंसे पर अंतिम दर्शन से पीछे नहीं हटे, बाइक से 7 किमी चलकर नेमरा पहुंचे अर्जुन मुंडा व सुदेश महतो

रांची। आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो और पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा गुरुजी के अंतिम दर्शन करने बाइक से ही नेमरा पहुंच गये. दोनों 7 किलोमीटर तक बाइक चलाकर नेमरा पहुंचे। दरअसल रास्ते में भारी भीड़ और ट्रैफिक जाम की वजह से उनके वाहन रुक गए थे. वाहन आगे बढ़ ही नहीं पा रहे थे इसलिए दोनों ने यह कदम उठाया. उन्हें गुरुजी के अंतिम संस्कार में शामिल होना था. इसलिए दोनों अंतिम विदाई देने के लिए तकरीबन 7 किलोमीटर की दूरी बाइक से तय की और नेमरा पहुंचे. गुरुजी भले ही अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनके विचार, उनका संघर्ष और उनके प्रति यह सम्मान हमेशा जीवित रहेगा. दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद पूरा राज्य शोक में डूबा है. श्रद्धांजलि देने के लिए उनके पैतृक गांव नेमरा में बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं. इसी क्रम में पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा और आजसू पार्टी के सुप्रीमो सुदेश महतो भी अंतिम दर्शन करने को पहुंचे.

माटी का बेटा माटी में लौट गया

दिशोम गुरु को मिथिलेश ठाकुर की श्रद्धांजलि

शुभम संदेश। रांची

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से पूरे राज्य में शोक की लहर है. लोग सोशल मीडिया पर उनके लिए अपने-अपने विचार प्रकट कर रहे हैं. इसी बीच पूर्व मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने भी गुरुजी को लेकर अपने विचार सोशल मीडिया पर रखे हैं. उन्होंने कहा है कि माटी का बेटा माटी में लौट गया। "मिट्टी का ऋण कभी खत्म नहीं होता और शिबू सोरेन उसी मिट्टी की आवाज थे." मिथिलेश ठाकुर ने लिखा कि "दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी का निधन एक युग, एक विचार, एक आंदोलन, एक पीढ़ी के साहस, संघर्ष और चेतना का अवसान है. उनका निधन झारखंड की आत्मा का एक टुकड़ा खो जाने जैसा है. वो टुकड़ा जो सदियों से उपेक्षा, शोषण और हक की लड़ाई लड़ता आया था. शिबू सोरेन महज एक नेता नहीं थे. वे झारखंड की मिट्टी से उपजे वह बीज थे; जिसने जल, जंगल, जमीन की रक्षा में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। वे आदिवासी अस्मिता के सबसे सशक्त प्रहरी, पीड़ितों की सबसे मुखर आवाज और मजदूरों के लिए अनथक लड़ने वाले सेनानी थे."

उन्होंने आगे लिखा कि "शिबू सोरेन जी का जीवन झारखंड की ही तरह तपस्वी और संघर्षशील रहा। शिबू सोरेन ने बहुत ही कम उम्र में शोषण के खिलाफ आवाज उठानी शुरू की. उनके पिता सोबरन सोरेन की हत्या जब स्थानीय महाजन ने की, तो यह घटना उनके जीवन का अहम मोड़ बन गई. उन्होंने तय किया कि वे समाज को जागरूक करेंगे, उन्हें उनके अधिकारों के लिए लड़ना सिखाएंगे. 1970 के दशक में शिबू सोरेन जी ने आदिवासी किसानों को महाजनी शोषण से मुक्ति दिलाने के लिए धनकटनी आंदोलन शुरू किया. तभी आदिवासी समाज के लोगों को उनमें अपना नेता दिखाई दिया, जो उन्हें सूदखोरों से आजादी दिला सकते थे. इसी आदोलन के दौरान शिबू सोरेन को दिशोम गुरु की उपाधि मिली."

मिथिलश ठाकुर लिखते हैं कि "झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना एक जनांदोलन की उपज थी. शिबू सोरेन ने यह स्पष्ट कर दिया था कि यह पार्टी नहीं, एक परिवर्तन की चेतना है. उन्होंने कहा था कि झारखंड कोई भूगोल नहीं, यह हमारे जीवन का नाम है. उन्होंने हर मंच से दिल्ली की सत्ता को चुनौती दी कि जब तक झारखंड को एक अलग राज्य का दर्जा नहीं मिलेगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा. उनके नेतृत्व में बड़ी संख्या में नौजवान, आदिवासी, किसान, छात्र-छात्राएं इस आंदोलन से जुड़ते गए. साल 2000 में जब झारखंड अलग राज्य बना, तो यह दिशोम गुरु की तपस्या का फल था. उन्होंने यह साबित कर दिया कि आवाज अगर सच्ची हो, तो वह पर्वत भी हिला सकती है."

मुख्यमंत्री के रूप में जब आदरणीय बाबा ने राज्य की बागडोर संभाली; तब ग्रामीण विकास, वनाधिकार कानून का क्रियान्वयन, लोक-कल्याणकारी योजनाएं और गरीबों की सीधे भागीदारी उनकी प्राथमिकता में शामिल रहा.

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भारत रत्न देने की उठी मांग, मंत्री ने केंद्र से किया आग्रह

शुभम संदेश। रांची

झारखंड आंदोलनकारी और आदिवासी समाज की आवाज रहे दिशोम गुरु शिबू सोरेन को मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग उठने लगी है. राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर केंद्र सरकार से आग्रह किया कि गुरुजी के संघर्ष और योगदान को देखते हुए उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया जाए.

मंत्री अंसारी ने कहा कि शिबू सोरेन सिर्फ एक राजनेता नहीं थे, बल्कि एक आंदोलनकारी, जननायक और करोड़ों आदिवासियों की उम्मीद थे. उन्होंने जल, जंगल और जमीन की रक्षा को जीवन का मिशन बना लिया था. उन्होंने न सिर्फ झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना कर सामाजिक न्याय की राजनीति को दिशा दी, बल्कि झारखंड राज्य की मांग को राष्ट्रीय मुद्दा बनाकर देश को नया राज्य दिलाया. उन्होंने कहा कि भारत रत्न सिर्फ एक पदक नहीं, बल्कि यह उस ऐतिहासिक संघर्ष की मान्यता है जिसने लाखों लोगों को अधिकार, सम्मान और पहचान दिलाई. दिशोम गुरु का जीवन आदिवासी चेतना, संघर्ष और समर्पण का प्रतीक है, और उनका सम्मान पूरे झारखंड की अस्मिता का सम्मान होगा. मंत्री ने कहा कि गुरुजी को भारत रत्न से सम्मानित करना केवल झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश के आदिवासी समाज को सच्ची श्रद्धांजलि होगी.

टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीय बने सिराज, बुमराह की बराबरी

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, बुधवार 06 अगस्त 2025, श्रावण शुल्क पक्ष 12, संवत 2082

पेज 10

उत्तरकाशी में बादल फटने से तबाही

हेलीपैड बहा, हर्षिल में सेना कैंप भी चपेट में आया, कई जवान लापता, हादसे के वक्त धराली में मौजूद थे 200 लोग

- अब तक 4 की मौत, 50 लोग लापता
- मलबे के सैलाब से पूरा इलाका डूबा

एजेंसी। नई दिल्ली

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में मंगलवार दोपहर करीब 01:45 बजे, हरसिल स्थित भारतीय सेना के कैंप से करीब 4 किलोमीटर दूर, धराली गांव में बादल फटने से तबाही मच गई. बादल फटने की घटना के बाद आई भीषण बाढ़ में करीब चार लोगों की मौत हो गई और 50 से ज़्यादा लोग लापता हैं. इस बाढ़ से पवित्र गंगोत्री धाम का सभी सड़क संपर्क टूट गया है. इस आपदा के कारण पानी और मलबे का एक ऐसा सैलाब उमड़ पड़ा जिससे पूरा इलाका जलमग्न हो गया और कई एजेंसियां इमरजेंसी हेल्प के लिए भेजी

गई हैं. एक चश्मदीद ने इंडिया टुडे टीवी को बताया, ₹होटलों से लेकर बाज़ारों तक सब कुछ तबाह हो गया है मैंने पहले कभी ऐसी आपदा नहीं देखी. हरी शिला पर्वत स्थित सात ताल इलाके से खीर गंगा आती है, जहां से बादल फटा है. दाहिने तरफ़ धराली इलाका है, बाएं तरफ़ हर्षिल का तेल गाट में आर्मी कैम्प है. इस हादसे के समय धराली में स्थानीय और यात्रियों को मिलाकर 200 से ज्यादा लोग मौजूद थे. हर्षिल में नदी के किनारे बना हेलीपैड भी बह गया है. भारी बारिश की वजह से हेलीकॉप्टर से राहत और बचाव का काम नहीं हो पा रहा है. हर्षिल इलाके में खीरगढ़ नाले के उफान पर होने से तबाही और बढ़ गई, जिसके चलते उत्तरकाशी पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सेना और अन्य बचाव दल सबसे ज़्यादा प्रभावित इलाकों में राहत कार्य शुरू करने के लिए मजबूर हो गए. जिस जगह पर भूस्खलन हुआ, उसके पास तैनात भारतीय सेना सबसे पहले राहतकर्मियों में शामिल थी, जिसने करीब 15 लोगों को बचाया.

सेना के 10 जवान लापता

आर्मी कैंप भी इसकी चपेट में आया, यहां पर आर्मी मेस और कैफे है. कई जवानों के हादसे में लापता होने की आशंका है. हर्षिल में सेना की 14 राजरिफ़ यूनिट की तैनाती है. इसके अलावा उत्तरकाशी से 18 किमी दूर नेतला में भी लैंड स्लाइड आने से धराली तक नहीं पहुंचा जा सकता है. धराली हादसे में सेना के 10 जवान और एक जेसीओ लापता बताए जा रहे हैं. वहीं, एक अधिकारी घायल है. आसमानी आपदा से सेना का कैंप प्रभावित हुआ है. इसके बावजूद, सेना की 14 राजरिफ यूनिट के कमांडिंग ऑफिसर और जवान राहत और बचाव कार्य में लगे हुए हैं.

सदर अस्पताल में आज

मेडिसिन	डॉ पीपी पांडेय तथा डॉ शीला
शिशु रोग	डॉ पल्लवी
हड्डी रोग	डॉ मुकेश प्रसाद
सर्जरी	डॉ संजीव गोलाश
नेत्र रोग	डॉ गोलु पिनाज
दंत रोग	डॉ अनुपमा
फिजियोथेरेपी	डॉ दीपाली राय
स्त्री एवं प्रसूति रोग	डॉ सुमन
न्यूरो	डॉ मनोज
गायनी इमर्जेंसी	
सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक	डॉ रुमा प्रसाद
दोपहर 2 से रात 8 बजे तक	डॉ अपूर्वा दत्ता
रात 8 से सुबह 8 बजे तक	डॉ अंजना कुमारी
जेनरल इमर्जेंसी	
सुबह 9 से दोपहर 3 बजे तक	डॉ ईपिल टोपनो
दोपहर 3 से रात 9 बजे तक	डॉ मासूम आलम
रात 9 से सुबह 9 बजे तक	डॉ राकेश रंजन

सड़क दुघर्टना में हाइवा चालक की मौत, हत्या का जताया संदेह

कुमारधुबी का रहने वाला था दानिश, तेतुलमारी शमशाद हत्याकांड का था आरोपी

- बाइक से जा रहा था तेतुलमारी, ट्रैक्टर से टक्कर में गई जान, ट्रैक्टर फरार
- परिजनों ने कहा, यह घटना साजिश भी हो सकती है

शुभम संदेश। लोयाबाद

लोयाबाद के मदनाडीह के पास मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में हाइवा चालक फखरुद्दीन उर्फ दानिश अंसारी की मौत हो गई. घटना उस समय हुई जब वह बाइक से अपने एक साथी के साथ तेतुलमारी की ओर जा रहा था. विपरीत दिशा सेआ रही एक ट्रैक्टर से टक्कर हो गई, जिससे वह सड़क पर गिर पड़ा और उसके सिर में गंभीर चोट लगने से वह खून से लथपथ हो गया. हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद सिजुआ क्षेत्रीय सीआईएसएफ टीम ने तत्परता दिखाते हुए दानिश को लोयाबाद क्षेत्रीय अस्पताल पहुंचाया.वहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए एसएनएमएमसीएच धनबाद रेफर कर दिया गया. एसएनएमएमसीएच मेंचिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया. दानिश कुमारधुबी का रहने वाला था और तेतुलमारी में अपने भाई के साथ रहकर एक निजी हाइवा मालिक का वाहन चलाता था. हत्या की साजिश की आशंका : घटना के बाद एसएनएमएमसीएच पहुंचे परिजनों ने इस सड़क दुर्घटना को संदिग्ध बताया है और हत्या की आशंका जताई है. परिजनों का कहना है कि दानिश कुछ समय पूर्व तेतुलमारी में दर्ज शमशाद हत्याकांड में आरोपी बनाया गया था. फिलहाल हाईकोर्ट से जमानत पर बाहर था. जमानत के बाद से ही उस पर दबाव और डर में जी रहा था. परिजनों का आरोप है कि यह एक सामान्य सड़क हादसा नहीं बल्कि सोची-समझी साजिश हो सकती है. फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. अब पुलिस जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि यह दुर्घटना थी या हत्या.

नीरज हत्याकांड में बचाव पक्ष की बहस जारी, उठाया सवाल

अधिकांश गवाही रघुकुल के अंदर ही क्यों दर्ज की गई

- रघुकुल बन गया था सरायढेला थाना का आउटपोस्ट

शुभम संदेश। धनबाद

पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह समेत चार लोगों की हत्या के बाद नीरज सिंह का आवास रघुकुल सरायढेला थाना का आउटपोस्ट बन गया था. पुलिस का पूरा अनुसंधान रघुकुल में बैठकर ही किया गया और वही गवाहों की भी खोज हुआ करती थी. विभिन्न गवाहों के बयान का हवाला देते हुए पूर्व विधायक संजीव सिंह की ओर से बहस करते हुए सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता एम ए नियाजी, मोहम्मद जावेद, आलोक कुमार तथा अरुण कनवा ने अदालत को बताया कि अनुसंधानकर्ता द्वारा जितने लोगों का बयान लिया गया है, उनमें से अधिकतर लोगों का रघुकुल के अंदर ही बयान दर्ज किया गया है. अनुसंधानकर्ता ने अपने बयान में बताया है कि घटना के बाद 23 मार्च को अभिषेक सिंह तथा एकलव्य सिंह का रघुकुल में बयान दर्ज किया गया तथा अन्य गवाहों को खोज पर कोई नहीं मिला. 24 मार्च को फिर अनुसंधानकर्ता रघुकुल गवाहों को खोजने गया जहां उसे आदित्य राज, राजू सिंह तथा जप्ती सूची का एक गवाह मिला अन्य गवाहों को खोजने पर नहीं मिला. 15 अप्रैल को रघुकुल में ही अनिल सिंह एवं निखिलेश सिंह उर्फ गुड्डू सिंह तथा राकेश कुमार मिले जिसे पुलिस ने बयान दर्ज किया. 6 जून को सरोजनी देवी, पूर्णिमा सिंह, बच्चा सिंह का बयान रघुकुल में दर्ज किया गया. बचाव पक्ष ने कहा कि यह सारे गवाह हैं, या पैदा किए गए हैं और सभी गवाहों का रघुकुल से किसी न किसी रूप में संबंध रहा है. इसलिए इन गवाहों की विश्वसनीयता पर भरोसा नहीं किया जा सकता. आदित्य राज के अलावा तीन और गवाह अनिल सिंह, निखिलेश सिंह उर्फ गुड्डू सिंह तथा राकेश कुमार अपने आप को घटना का प्रत्यक्षदर्शी गवाह बताते हुए गवाह बन गए हैं परंतु किसी ने पुलिस में अपना बयान घटना के समय नहीं लिखवाया. हालांकि फेसबुक पर तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर न्याय की गुहार लगाई. बचाव पक्ष ने सारे गवाहों का रघुकुल से संबंध साबित करने कोशिश की है, ताकि इसका लाभ उन्हें मिल पाए.

ब्रीफ खबरें

बार चुनाव : सहाय और मंडल समेत 36 ने खरीदा पर्चा

धनबाद । धनबाद बार एसोसिएशन के सत्र 2025 - 2027 के लिए होने वाले चुनाव में पर्चा खरीदने के पहले दिन विभिन्न पदों के 36 उम्मीदवारों ने नामांकन पर्चा खरीदा. नामांकन पर्चा 7 अगस्त तक दिया जाएगा. 7 अगस्त से लेकर 8 अगस्त एवं 11 अगस्त तक नामांकन की प्रक्रिया होने वाली है. 16 पदों के लिए होने वाले चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए पहले दिन अमरेंद्र सहाय एवं कंसारी मंडल द्वारा पर्चा खरीदा गया है.

झारखंड स्टेट बैडमिंटन चैंपियनशिप सह ट्रायल का आयोजन 22 अगस्त से

जमशेदपुर। हजारीबाग के कर्जन ग्राउंड स्थित बैडमिंटन कोर्ट में झारखंड बैडमिंटन एसोसिएशन की ओर से झारखंड स्टेट बैडमिंटन चैंपियनशिप सह ट्रायल का आयोजन 22 अगस्त से होगा. 24 अगस्त तक चलने वाली इस प्रतियोगिता के प्रदर्शन के आधार पर झारखंड टीम का चयन ईस्ट जोन चैंपियनशिप के लिए किया जायेगा. स्टेट चैंपियनशिप में वही खिलाड़ी हिस्सा ले सकते हैं जिनके पास बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा जारी आइडी है और वह आइडी एक्टिव है. टूर्नामेंट में अंडर-19 बालक एकल व युगल, अंडर-19 बालिका युगल व एकल, अंडर-19 मिश्रित युगल, सीनियर पुरुष एकल व युगल, सीनियर महिला युगल व एकल, सीनियर मिश्रित युगल वर्ग में स्पर्धाएं होंगी. एकल वर्ग में भाग लेने के लिए 800 रुपये व युगल वर्ग में हिस्सा लेने के लिए 1600 रुपये की इंट्री फीस रखी गयी है. इस टूर्नामेंट हिस्सा लेने की अंतिम तिथि 18 अगस्त है.

प्रेम जाल में फंसा कर किशोरी को भगाने वाला युवक गिरफ्तार

धनबाद। साइट के माध्यम से चिरकुंडा क्षेत्र की एक 16 वर्षीया किशोरी को प्रेम जाल में फंसा कर भाग कर ले जाने के मामले में चिरकुंडा पुलिस ने किशोरी को 27 दिनों बाद बरामद कर लिया है. इस मामले में पुलिस ने आलमबाग थाना, लखनऊ (उत्तरप्रदेश) निवासी आरोपी अर्पित शर्मा को गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया. पुलिस नाबालिग लड़की को 164 का बयान दर्ज कराने व मेडिकल के लिए धनबाद भेजा है. आरोपी अर्पित शर्मा (19) आदतन इस तरह की घटना को अंजाम देता था. पुलिस की पूछताछ में उसने बताया कि अब तक वह तीन लड़कियों को भगा चुका है. इधर, नाबालिग के पिता की शिकायत चिरकुंडा थाना में आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 96 एवं 8/12 पोक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की है. इस संबंध में चिरकुंडा थानेदार रामजी राय ने बताया कि नाबालिग लड़की को बरामद कर लिया गया है. आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. पीड़िता के शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है.

बोकारो के सीबीएसई स्कूलों में लग रहे कैमरे

बोकारो। बोकारो के सीबीएसई स्कूलों में हाई-रेजोल्यूशन सीसीटीवी कैमरे लग रहे हैं. ऑडियो-वीडियो की रीयल टाइम रिकॉर्डिंग भी होगी. स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने सख्त कदम उठाया है. बोकारो सहित देशभर के सभी संबद्ध स्कूलों के लिए हाई-रेजोल्यूशन सीसीटीवी कैमरे लगाने को अनिवार्य किया गया है. बोकारो के स्कूलों में इसका काम जाकर-शोर से चल रहा है. हालांकि, बोकारो के कई स्कूलों में पहले से हीं सीसीटीवी कैमरे लगे हैं. बोर्ड के निर्देश के बाद, स्टील सिटी के स्कूल हाई-रेजोल्यूशन सीसीटीवी कैमरे लगा रहे हैं. अभिभावकों ने इस पहल का स्वागत किया है.

6 लाख के गांजे के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

हावड़ा-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस से लेकर जा रहे थे गांजा

शुभम संदेश। धनबाद

प्रयागराज में होनी थी डिलिवरी, धनबाद में ही चढ़ गए हत्थे धनबाद । सोमवार की रात्रि में रेलवे सुरक्षा बल, धनबाद, सीआईबी तथा राजकीय रेल थाना, धनबाद के संयुक्त छापेमारी दल द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर धनबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म सं. 03 पर गाड़ी संख्या 12301 अप हावड़ा नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस के कोच संख्या ए1 एवं ए2 से कुल तीन व्यक्तियों को गांजा के साथ दबोचा गया है. यह लोग एक-एक ट्रॉली बैग के साथ प्रत्येक ट्रॉली बैग में 14 पैकेट गांजा, प्रत्येक पैकेट का वजन एक किलो, कुल वजन 14 किलोग्राम अर्थात कुल 42 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ. पूछताछ के क्रम में उन्होंने स्वीकार किया कि हमलोग तीनों व्यक्ति अंगुल उड़ीसा के संजय नाम के व्यक्ति के द्वारा तीनों ट्रॉली बैग सहित गांजा हमलोगों को दिया गया था. जिसे लेकर हावड़ा गए तथा हावड़ा से गाड़ी संख्या 12301 हावड़ा न्यू दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस से टिकट लेकर प्रयागराज जा रहे थे.था वहां पहुंचकर रामकुमार नाम के व्यक्ति को दे देते. जिसके एवज में हमलोगों को पैसा मिलता लेकिन हमलोग पकड़े गए. इन तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया. बता दें कि इससे पूर्व पिछले एक महीने में रेलवे सुरक्षा बल, धनबाद तथा राजकीय रेल थाना तथा स्थानीय पुलिस थाना, धनबाद के संयुक्त टीम द्वारा गांजा के खिलाफ लगातार छापेमारी की जा रही है. दिनांक 21 जून को 28 किलोग्राम के साथ दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया. 16 जुलाई को 20 किलोग्राम के साथ दो व्यक्तियों को भी गिरफ्तार किया गया. 18 जुलाई 12.1 किलोग्राम के साथ दो व्यक्तियों को भी गिरफ्तार किया गया.

टिकट चेकिंग अभियान में पकड़े गए 187 बेटिकट यात्री

धनबाद (शुभम संदेश)। धनबाद मंडल में बड़े पैमाना पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है. इसी क्रम में मंगलवार को धनबाद स्टेशन पर धनबाद स्लीपर की एल.आर. चेकिंग स्टाफ, धनबाद के चेकिंग दस्ता सं. 01 एवं महिला चेकिंग दस्ता द्वारा किला बंदी टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया. यह चेकिंग अभियान सुनियोजित कार्यक्रम के तहत चलाया गया. चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशन के प्रत्येक प्रवेश व निकास द्वार तथा मार्गों पर टिकट चेकिंग स्टाफ की इस प्रकार तैनाती की गयी कि प्रत्येक आने-जाने वाले यात्री के टिकट की जांच की जा सके. इसके अलावा विभिन्न मेल/एक्स्प्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग किया गया. टिकट चेकिंग अभियान के दौरान स्टेशन के अनारक्षित टिकट काउंटरों पर यात्रियों की भीड़ देखी गयी.

मंगलसूत्र लूटने वाले गिरोह का भंडाफोड़, चार शातिर गिरफ्तार

उत्तराखंड व हरियाणा के हैं अपराधी, साधु के भेष में करते थे अपराध

शुभम संदेश। बराकर

उत्तराखंड और हरियाणा के चार लोग साधु का भेष धारण कर राहगीरों से लूटपाट कर रहे थे. कुल्टी थाना अंतर्गत चौरंगी फाड़ी की पुलिस ने चारों आरोपितों को वाहन समेत गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार अपराधियों में आलम नाथ और सरजु सिंह उत्तराखंड के है जबकि अर्जुन नाथ और मनोहर नाथ हरियाणा के है. पुलिस उनकी कार भी जब्त कर उनसे पूछताछ कर रही है. आरोप है कि उन्होंने एक महिला का मंगलसूत्र चुरा लिया था. प्राप्त जानकारी के अनुसार, झारखंड निवासी कृष्णा बाउरी सोमवार को अपने पति और बच्चों के

साथ राष्ट्रीय राजमार्ग 19 के किनारे स्थित पुराने कल्याणेश्वरी मंदिर में पूजा करने आई थीं. पूजा के बाद लौटते समय रेलवे पुल के पास साधु के भेष में खड़े चार लोगों ने आशीर्वाद देने के बहाने कृष्णा बाउरी के गले से मंगलसूत्र उड़ा लिया और चारपहिया वाहन से कोलकाता की ओर फरार हो गए.सूचना मिलने के बाद चौरंगी फाड़ी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए जांच शुरू की. जांच में पता चला कि संदिग्ध वाहन (उत्तराखंड नंबर प्लेट) वापस झारखंड की ओर लौट रही है. इस आधार पर पुलिस ने मेला कोला से सटे इलाके में वाहन की घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया और चारों आरोपितों को कार समेत गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार आरोपितों को मंगलवार को आसनसोल अदालत में पेश किया गया. पुलिस ने बताया कि आगे की पूछताछ के लिए आरोपितों को हिरासत में लिया जाएगा. पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इनका कोई बड़ा गिरोह तो नहीं है.

100 और 200 मूल्यवर्ग के नोटों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए भी ठोस प्रयास

500 के नोटों का डिस्ट्रीब्यूशन रहेगा जारी

- संसद में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने दी जानकारी

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने मंगलवार को एक बार फिर स्पष्ट किया कि 500 के बैंकनोट की सप्लाई को बंद करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है. संसद में यह जानकारी वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने दी. खबर के मुताबिक, उन्होंने कहा कि एटीएम से 500 के नोटों का डिस्ट्रीब्यूशन पहले की ही तरह जारी रहेगा. इसके अलावा, 100 और 200 मूल्यवर्ग के नोटों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए भी ठोस प्रयास किए जा रहे हैं. राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में मंत्री ने बताया कि भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने 28

अप्रैल, 2025 को एक सर्कुलर जारी किया है. इसमें सभी बैंकों और व्हाइट लेबल एटीएम ऑपरेटरों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने एटीएम में नियमित रूप से 100 और 200 के नोट डालना सुनिश्चित करें, जिससे आम जनता को छोटे मूल्यवर्ग की नकदी आसानी से मिल सके. खबर के मुताबिक, आरबीआई के गाइडलाइंस में कहा गया है कि 30 सितंबर, 2025 तक देश के 75% एटीएम से कम से कम एक कैसेट के ज़रिए 100 या 200 के नोट मिलने चाहिए. यह लक्ष्य 31 मार्च, 2026 तक 90% एटीएम तक बढ़ाया जाएगा. एक अन्य प्रश्न के उत्तर में चौधरी ने बताया कि भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने पिछले पांच वर्षों (अप्रैल 2020 से मार्च 2025) के दौरान 76 मामलों की जांच की है. इन मामलों से 949.43 करोड़ की डिसगोरगेमेंट राशि वसूली गई है. यहां बता दें, डिसगोरगेमेंट वह प्रक्रिया है जिसमें अवैध रूप से प्राप्त लाभ को जब्त किया जाता है. राज्य मंत्री ने कहा कि निवेश संबंधी धोखाधड़ी को रोकने के लिए कई केंद्रीय एजेंसियां और प्रवर्तन निकाय सक्रिय रूप से कार्यरत हैं.

पीएमएलए के 220 मामलों की जांच शुरू

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने भी पिछले पांच सालों में मल्टी लेवल मार्केटिंग घोटालों से जुड़े 9 मामलों की पहचान की है. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 1 जनवरी, 2020 से 30 जुलाई, 2025 के बीच धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत लगभग 220 मामलों की जांच शुरू की है, जो निवेश धोखाधड़ी से संबंधित हैं. सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि क्रिप्टो एसेट्स पर फिलहाल कोई विधिक नियंत्रण नहीं है, लेकिन आरबीआई आरबीआई-सचेत पोर्टल पर अनधिकृत निवेश योजनाओं को लेकर हजारों शिकायतें मिल रही हैं.

प्रसूता की मौत के बाद परिजनों का हंगामा

- इलाज में लापरवाही का आरोप, पहुंची पुलिस

शुभम संदेश। धनबाद

सरायढेला थाना क्षेत्र अंतर्गत भुईफोड़ के समीप एक निजी हॉस्पिटल में मंगलवार की रात महिला की मौत की बाद जमकर हंगामा हुआ. जहां अस्पताल प्रबंधन ने मामले की जानकारी सरायढेला पुलिस को दी. पुलिस मौके पर पहुँची और मामले को शांत कराया. घटना के संबंध में बताया जाता है कि भुईफोड़ नावाटांड निवासी जमशेद आलम की पत्नी हसीना बेगम की डिलीवरी मंगलवार की सुबह हुई. जिसके बाद महिला की स्थिति को गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने महिला को असर्फी

अस्पताल रेफर कर दिया. परिजनों द्वारा महिला को असर्फी अस्पताल ले जाया गया. जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. वहीं महिला के परिजन शव को लेकर निजी अस्पताल ले आए. इसके बाद चिकित्सकों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया. हंगामा होता देख अस्पताल प्रबंधन ने मामले की जानकारी सरायढेला पुलिस को दी.

गोंदूडीह परियोजना में भू-धंसान, वजन घर क्षतिग्रस्त

शुभम संदेश। तेतुलमारी

ईस्ट बसुरिया गोंदुडीह परियोजना के बगल में भू धंसान होने से नवनिर्मित वजन घर क्षतिग्रस्त हो गया. घटना के सुचना पर गोंदुडीह परियोजना पदाधिकारी दिलीप कुमार मौके पर पंहुच वजन घर से सभी सामान को निकाल कर वजन घर को ध्वस्त कर दिया. घटना के संबंध में बताया जाता है कि सोमवार के सुबह अचानक नवनिर्मित वजन घर के समीप जमीन धंस गया, जिससे करीब 10 से 15 फीट तक दरार पड़ गया था. बीसीसीएल प्रबंधन तत्काल उस रास्ते को अवरूद्ध कर आवागमन बाधित कर दरार को ओबी डालकर भराई किया गया. गोंदुडीह परियोजना पदाधिकारी दिलीप कुमार ने बताया कि लगातार हो रही बारिश के वजह से भुधंसान हो गया है,जिसकी भराई करा दी गई है.

श्री साईं इंडस्ट्रीज पर श्मशान घाट की जमीन कब्जाने का आरोप

ग्रामीणों ने भू माफिया के विरोध में जमकर की नारेबाजी

शुभम संदेश। तेतुलमारी

मंगलवार को गंडुआ ख़ेपचा टांड़ के एक मात्र श्मशान घाट की जमीन को भूमाफियाओं के द्वारा कब्जा करने को लेकर ग्रामीणों के द्वारा दुर्गा मंदिर प्रांगण में एक बैठक हुई. जिसमें भूमाफियाओं के विरोध में जमकर नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया गया. ग्रामीणों का कहना है कि गंडुआ ख़ेपचा टांड़ का एक मात्र श्मशान घाट है और ग्रामीणों यहां दाह संस्कार करते हैं. लेकिन श्री साईं इंडस्ट्रीज खेपचा टांड़ के प्रबंधक के द्वारा जबरन श्मशान घाट की जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है. जो कतई कब्जा करने नहीं दिया जाएगा. सांसद प्रतिनिधि नरेश कुमार महतो ने कहा कि मामले को लेकर थाना सहित गिरिडीह सांसद, उपायुक्त, वरीय पुलिस अधीक्षक, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी सीओ को लिखित शिकायत दिया गया है. बैठक में पूर्व मुखिया संतोष महतो, बसंत कुमार सिंह, गोविंद ठाकुर, सुभाष महतो, मंगल महतो सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे.

न्यूज अपडेट

महादेव मंदिर में खिचड़ी भोग का आयोजन

चासनाला (शुभम संदेश)। सावन माह के आखिरी सोमवारी के उपलक्ष्य में पाथरडीह लोकोबाजार स्थित रेलवे अस्पताल के निकट श्रीश्री कल्याणेश्वर महादेव मंदिर परिसर में मंगलवार को खिचड़ी महाप्रसाद का वितरण किया गया. इस दौरान सैंकड़ों की संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया. समिति के वरिष्ठ सदस्य बीके साहू ने बताया की सोमवार की शाम हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्कृति कार्यकम का आयोजन किया गया था. मंगलवार को खिचड़ी महाप्रसाद का वितरण भक्तों के बीच किया गया है.राज कुमार, बलवंत सिंह, सूरज सिंह,विशाल पासवान, रवि,रवि कुमार,राहुल कुमार,प्रदीप कुमार,मुकेश कुमार आदि तन मन से सेवा में लगे थे.

नर्मदेश्वर मंदिर में सावन उत्सव पर शिवचर्चा

गोविंदपुर (शुभम संदेश)। बैंक कॉलोनी साबलपुर रोड स्थित नर्मदेश्वर शिव मंदिर में पुत्रदा एकादशी के अवसर पर मंगलवार को महिला समूह ने सावन उत्सव मनाया एवं शिव चर्चा का आयोजन किया गया. इसमें शिव को आदि गुरु एवं सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला बताया गया. इस अवसर पर भगवान शिव का गुणगान किया गया एवं शिव महिमा की चर्चा की गई. मंदिर समिति की अध्यक्ष उषा सिंह एवं सचिव अर्चना चौधरी की देखरेख में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया. सावन महीने के अंतिम सोमवार को भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए. कार्यक्रम के अंत में आरती कर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया.

कनकनी कोलियरी : सेंधमारी में नाकाम हुए अपराधी

लोयाबाद (शुभम संदेश)। कनकनी कोलियरी स्थित गोदाम में सोमवार रात अज्ञात चोरों द्वारा सेंधमारी कर घटना को अंजाम देने का प्रयास किया गया, लेकिन प्रबंधन की सतर्कता और सुरक्षा उपायों के कारण चोर अपने मंसूबों में सफल नहीं हो सके. मंगलवार सुबह जब कर्मचारी गोदाम पहुंचे तो दीवार में सेंधमारी के निशान देख घटना की जानकारी मिली. बताया जाता है कि जिस स्थान पर सेंधमारी की गई, वहां भीतर की ओर आयरन प्लेट से दीवार को कवर किया गया था. इसी कारण चोरों को गोदाम के भीतर प्रवेश नहीं मिल सका और उनका प्रयास विफल हो गया. गौरतलब है कि कनकनी कोलियरी का यह गोदाम पूर्व में भी अपराधियों के निशाने पर रहा है. लोहा,तांबा, पीतल सहित कीमती पार्ट-पुर्जों की चोरी की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं. लगातार होती घटनाओं को देखते हुए प्रबंधन ने गोदाम में सीसीटीवी कैमरे लगवाए हैं और दीवारों को आयरन प्लेट से मजबूत किया है, जिससे चोरी की वारदातों पर अंकुश लग सके. प्रबंधन ने इस घटना को लेकर स्थानीय प्रशासन को सूचित किया है और निगरानी को और मजबूत करने की बात कही है. कनकनी कोलियरी के प्रभारी प्रबंधक अजीत कुमार ने बताया कि सेंधमारी की सूचना है. लेकिन गोदाम में घुसने में अपराधी विफल रहे. सेंधमारी स्थल पर ईट लगा दिया गया है.

ब्रीफ खबरें

किराना दुकान में चोरी

गोविंदपुर। धनबाद रोड के धनबाद पब्लिक स्कूल रोड मोड़ स्थित सतीश कुमार महतो की किराना दुकान का एस्बेस्टस तोड़कर अपराधियों ने करीब बीस हजार के सामान चुरा लिए. इस संबंध में साबलपुर गांव निवासी स्वर्गीय अर्जुन महतो के पुत्र सतीश कुमार महतो ने सरायढेला थाना को लिखित सूचना दी है. उन्होंने आवेदन में लिखा है कि वह प्रत्येक दिन की तरह रात में दुकान बंद कर अपना घर चले गए थे. मंगलवार की सुबह जब दुकान खोलने आए तो एस्बेस्टस टूटा पाया. अपराधियों ने 8 पेटी सरसों तेल, 20 पैकेट हॉर्लिक्स काजू समेत और सामान चुरा लिए.

शिक्षक के घर चोरी

बरवाअड्डा। बरवाअड्डा थाना अंतर्गत बिराजपुर पंचायत के खंडेरी गांव निवासी शिक्षक सोमनाथ चक्रवर्ती के बंद आवास में सोमवार की देर रात चोरों ने ताला तोड़कर हजारों रुपए की सम्पत्ति चोरी कर ली. इस संबंध में घर का देखभाल करने वाले छुटू महतो ने बताया कि सोमवार रात में गाय को चारा देकर अपने घर चला गया था. मंगलवार सुबह पहुंचा तो देखा कि मुख्य दरवाजा का ताला टूटा हुआ है. घर में रखे नगद पांच हजार रुपये गायब हैं. छोटू महतो ने कहा कि घर में चोरी की सूचना मकान मालिक को दी गई है.

महेशपुर के ग्रामीणों का उग्र प्रदर्शन

ग्राउंड से महेशपुर कोलियरी तक नारेबाजी के साथ पैदल मार्च

- परियोजना पदाधिकारी कार्यालय के समक्ष मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी
- दोनों पक्षों के बीच वार्ता में कई मुद्दों पर बनी सहमति

शुभम संदेश। मधुबन

प्रस्तावित आउटसोर्सिंग कंपनी के विरोध में महेशपुर ग्रामीण संघर्ष मोर्चा अपनी मांगों को लेकर महेशपुर पंचायत के दर्जनो महिलाएं पुरुष ग्रामीण एक जुट होकर महेशपुर ग्राउंड से पैदल नारेबाजी करते हुए महेशपुर कोलियरी परियोजना पदाधिकारी कार्यालय पहुंच जमकर नारेबाजी की. महेशपुर ग्रामीण संघर्ष मोर्चा के सदस्यों ने कहा कि बीसीसीएल प्रबंधक विस्थापितों को नजरअंदाज करके बिना पुनर्वास और मुआवजे दिए बगैर जबरन कोयला निकालने का काम आउटसोर्सिंग कंपनी से कराना चाहता है. ग्रामीणों ने बीसीसीएल प्रबंधन और प्रस्तावित आउटसोर्सिंग कंपनी को चेताया कि जब तक ग्रामीणों की सभी मांगों को बीसीसीएल प्रबंधन पूरा करने का लिखित आश्वासन नहीं देगा, तब तक आउटसोर्सिंग कंपनी को यहां चलने नहीं दिया जायेगा. विरोध प्रदर्शन के बाद प्रबंधन की ओर से पीओ विजय कुमार प्रबंधक नारायण हांसदा, कार्मिक प्रबंधक आदित्य कुमार वार्ता के लिए पहुंचे. ग्रामीण संघर्ष मोर्चा के सदस्यों के साथ वार्ता हुई और महेशपुर संघर्ष मोर्चा के सदस्यों ने अपनी निम्नलिखित मांगों की एक सूची बीसीसीएल प्रबंधन को दिया.

ग्रामीणों की मांगें : विस्थापित परिवारों को महेशपुर पंचायत में ही बसाया जाए. महेशपुर पंचायत में जितने भी मंदिरों को निर्माण पुनर्वास स्थान पर बीसीसीएल प्रबंधन के द्वारा कराया जाए. विस्थापित, रैयतों और ग्रामीणों को प्रस्तावित आउटसोर्सिंग कंपनी में रोजगार दिया जाए. रैयतों और विस्थापितों को जमीन और घर के बदले उचित मुआवजा दिया जाए. पुनर्वास स्थान पर मूलभूत सुविधाएं पानी बिजली सड़क की समुचित व्यवस्था की जाए. बीसीसीएल प्रबंधन से हुई वार्ता के बाद बीसीसीएल प्रबंधन के द्वारा निम्न बिंदुओं पर आश्वासन दिया गया. विस्थापितों को चिन्हित स्थान महेशपुर मैगजीन के पास बसाया जाएगा. नियमानुसार परियोजना प्रभावित ग्रामीणों को आउटसोर्सिंग में रोजगार के लिए प्राथमिकता दी जाएगी.

रैयतों को जमीन के बदले उचित मुआवजा दिया जायेगा तथा मुआवजा देने के लिए सभी को जरूरी कागजात मांगे जाएंगे जिससे संबंधित सभी कागजात रैयतों को जमा करना होगा. महेशपुर काली मंदिर शिव मंदिर और हनुमान मंदिर का निर्माण पुनर्वास स्थान पर ही कराया जाएगा. इसके लिए उच्च अधिकारियों को प्रेषित किया जाएगा. विस्थापितों के लिए पुनर्वास स्थान पर बिजली पानी सड़क आदि सुविधाओं की व्यवस्था कंपनी के नियमानुसार की जाएगी. हालांकि इस दौरान मुआवजे की राशि पर नहीं बन पाई. बीसीसीएल महेशपुर परियोजना पदाधिकारी द्वारा विस्थापितों को मुआवजे की राशि 20 हजार देने की बात कही, जिसमें ग्रामीणों ने सहमति नहीं जताई. तब परियोजना पदाधिकारी ने उच्च अधिकारियों से मिलकर बात करने की बात कही. महेशपुर ग्रामीण संघर्ष मोर्चा ने बीसीसीएल प्रबंधन से कहा कि यदि प्रबंधक दिए गए आश्वासन पर अमल नहीं करता है तो ग्रामीणों द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा. मौके पर पंचायत समिति टिंकू प्रसाद, मुखिया प्रतिनिधि हरि साव, जगदीश कर्मकार, वार्ड सदस्य विश्व नारायण, अर्जुन शर्मा, दिलीप चौहान, अजित मिंटू, संजीत रजक, सोनू अंसारी, बजरंगी,उमेश चौहान, पंकज चौहान, राजेश तुरी, सतीश कुमार, बिट्टू, मंगर चौहान,लखन तुरी, बाबूचंद तुरी, गौतम पॉल, राजेश चौहान, लक्ष्मण मिस्त्री, बनेश बागरी , सुभाष बाउरी, मुकेश शर्मा, धीरेन तुरी, लालू बाउरी, रीता देवी, मंजू देवी, चंद्रावती देवी, रूबी देवी, मनवा देवी, गुड़िया भुइया, राखी देवी, चमेली देवी, चिंता देवी,प्रतिमा देवी सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे.

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को धनबाद ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

टुंडी डाक बंगला की महिलाओं ने जताया शोक

टुंडी। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर टुंडी डाक बंगला में एक शोक सभा का आयोजन किया गया. भारी संख्या में महिलाओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी. मुख्य रूप से कांग्रेस नेत्री निशा सिंह, मुखिया रेखा देवी, कलावती देवी, लीलावती देवी, आमो देवी, मलिया देवी, चंद्रिका देवी सहित दर्जनों महिलाएं शामिल थी. सभी ने दो मिनट का मौन रखा. पुष्प अर्पित कर नम आंखों से नमन किया.

माले कार्यालय में दिशोम गुरू शिबू सोरेन को दी गई भावपूर्ण श्रद्धांजलि

चिरकुंडा। चिरकुंडा के तालडांगा स्थित माले कार्यालय में झारखंड के युगपुरुष, आदिवासी चेतना के अग्रदूत और अलग राज्य आंदोलन के पुरोधा दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर मंगलवार को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई . इस अवसर पर मौजूद लोगों ने गुरुजी के योगदान को याद करते हुए 2 मिनट का मौन रखा और उन्हें अंतिम नमन किया . कार्यक्रम की अध्यक्षता माले के चिरकुंडा नगर संयोजक श्रीकांत सिंह ने की . उन्होंने कहा, कि आज पूरा झारखंड ही नहीं बल्कि देशभर में शोक की लहर है . न जाने कितने घरों में आज दुख के कारण चूल्हा तक नहीं जला होगा . गुरुजी का जाना सिर्फ एक नेता का जाना नहीं, बल्कि झारखंड की आत्मा के एक बड़े हिस्से का खो जाना है .माले जिला सचिव नागेन्द्र कुमार ने कहा कि झारखंड को अलग राज्य का दर्जा दिलाने में दिशोम गुरु का योगदान ऐतिहासिक है . उनकी राजनीतिक विरासत हमेशा हमें प्रेरणा देती रहेगी . आज हम सभी माले कार्यालय में एकजुट होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और उनके सपनों के झारखंड को साकार करने का संकल्प लेते हैं . मौके पर संतु चटर्जी,मो इश्तियाक अंसारी,अमरेश चक्रवर्ती, लक्ष्मण प्रसाद,मानिक लाल गोराई,बरूण दे,मोईज खान आदि थे .

रॉयल रूट्स प्ले स्कूल में शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि

महुदा। अखण्ड झारखण्ड अलग राज्य निर्माण आन्दोलन के प्रेणता झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक क्रान्तिदूत दिशम गुरू शिबु सोरेन के आक्समिक निधन होने पर मंगलवार को रॉयल रूट्स प्ले स्कुल महुदा में शौक सभा का आयोजन कर उनके आत्मा की शान्ति के लिए दो मिनट मौन रखा गया . उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गयी . इस अवसर पर निर्मल रवानी ने कहा की दिशम गुरू शिबु सोरेन को अखण्ड झारखण्ड के मसीहा थे . उनके आदर्श का अनुपालन ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी . मौके पर प्राचार्य अमित कुमार पाठक, अधिवक्ता निर्मल कुमार रवानी, मो खालीद शैख, अनिल रजक, मो मजीद अन्सारी, प्रिया कुमारी, सुजाता तिवारी, प्रीति कुमारी, माही सिंह, लक्ष्मी सिन्हा, तेजस्वी कुमारी, आँखी चटर्जी, पुर्णिमा कुमारी, निरंजन सिंह, रंजना सिंह, कुन्दन कुमार पाठक, बिनोद किस्कु, पुनम कुमारी, अंश कुमार रवानी, कुणाल कुमार पाण्डे, हर्ष कुमार पाण्डे, सहित अन्य मौजुद थे .

दिशोम गुरु को बार एसोसिएशन ने दी श्रद्धांजलि

धनबाद । धनबाद बार एसोसिएशन ने मंगलवार को राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा के सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की. बार लाइब्रेरी भवन में अधिवक्ताओं ने शोक सभा का आयोजन किया एवं फूलमाला अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी. श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में चुनाव कमेटी के सदस्य अयोध्या प्रसाद, कामदेव शर्मा,सत्य प्रकाश सिंह, बबलू पांडे ,कंसारी मंडल, अरुण कुमार महतो,पीके भट्टाचार्य ,विनय मोहन अमबषटा ,राजन पाल, विभाग, नरेंद्र त्रिवेदी समेत सैकड़ो अधिवक्ता शामिल थे.

मार्क्स के विचारों को लागू करने वाले थे दिशोम गुरू : हलधर महतो

कतरास (शुभम संदेश)। भाकपा-माले कतरास कार्यालय में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई . अध्यक्षता लखन भुईया ने किया . भाकपा-माले कार्यकर्ताओं ने पार्टी का झंडा झुका कर लाल सलामी दी . श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए भाकपा-माले पोलित ब्यूरो सदस्य हलधर महतो ने कहा कि झारखंड के पूर्व सीएम सह राज्यसभा सदस्य दिशोम गुरु शिबू सोरेन झारखंड अलग राज्य आंदोलन 1970 के पुनर्जागरण के दौर का नायक रहे . स्व . एके राय, शिबू सोरेन व विनोद बिहारी महतो ये झारखंड के त्रिमूर्ति है . इनका मार्गदर्शन आज भी हमारे जीवन के लिए प्रेरणा स्रोत है . दिशोम गुरु शिबू सोरेन वह व्यक्ति है जिन्होंने मार्क्स के विचार को जमीनी स्तर पर लागू किया . सामूहिक खेती, जोतने वाले को जमीन व जो बोएगा वही काटेगा इन सभी नीतियों को उन्होंने जमीन पर उतारा . उनका शोषण मुक्त समाज बनाने का संघर्ष जारी है और जारी रहेगा . मौके पर देवनंदन महतो, जमुआटांड पंचायत के मुखिया निरंजन गोप, सुनील महतो, ठाकुर महतो, रॉबिन महतो, दिलीप महतो, मानिक महतो, कपूर पंडित, अर्जुन पंडित, बिहारी कुंभकार, मिंटू पंडित, महेंद्र पंडित, शिबू पंडित, अर्जुन प्रजापति, अजीत कुमार दास, आरएस सिंह, प्रो . आकाशदीप महतो, सृष्टिधार महतो, मानिक महतो, लकी बेसरा सहित अन्य मौजूद थे .

शिबू सोरेन को दी गई श्रद्धांजलि

गोविंदपुर । श्री हरदेवराम पुस्तकालय छठ तालाब गोविंदपुर में मंगलवार को शोकसभा आयोजित कर मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की गई . इसमें नागरिक समिति और विकास फोरम के सदस्यों ने भाग लिया .वक्ताओं ने दिशोम गुरु के गुणों पर प्रकाश डाला और झारखंड अलग राज्य बनाने में उनके आंदोलन की चर्चा की .अध्यक्षता विकास फोरम के अध्यक्ष बासुदेव गोस्वामी एवं संचालन नागरिक समिति के संयुक्त सचिव अनूप कुमार साव ने किया . श्रद्धांजलि देने वालों में नागरिक समिति अध्यक्ष नंदलाल अग्रवाल, एसएन लाल त्यागी, नवल किशोर सिंह चौधरी, सुरेश कुमार चौधरी, आदि शामिल थे । प्रखंड प्रमुख निर्मला सिंह, पूर्व उप प्रमुख डीएन सिंह, समाजसेवी श्याम शर्मा ने भी संवेदना जताई है . झामुमो अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष मुखिया अजीमुद्दीन अंसारी, उपाध्यक्ष पूर्व मुखिया मोबिन अंसारी ने आदि ने भी संवेदना प्रकट की है .

स्वामी विवेकानंद स्कूल में शिबू सोरेन को दी गई श्रद्धांजलि

चिरकुंडा। स्वामी विवेकानंद स्कूल चिरकुंडा में झारखंड के महान नेता एवं समाजसेवी पूर्व मुख्यमंत्री,दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए एक भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया . कार्यक्रम की शुरुआत स्वामी विवेकानंद विद्यालय के निदेशक विवेक कुमार सिंह, प्राचार्य संजीव कुमार साव, उप प्राचार्य स्वागता बनर्जी एवं शिक्षकों द्वारा दीप प्रज्वलन और शिबू सोरेन के चित्र पर माल्यार्पण करके की गई . सभी ने 2 मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की . कार्यक्रम में स्वामी विवेकानंद स्कूल के निदेशक विवेक कुमार सिंह ने स्वर्गीय शिबू सोरेन के देश एवं झारखंड राज्य के लिए किए गए अमूल्य योगदान की चर्चा की . उनके प्रेरणादायक जीवन से सीख लेकर समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने का संदेश दिया . इसके पश्चात विद्यालय के प्राचार्य संजीव कुमार साव ने शिव सोरेन की जीवन के उपलब्धियां की संक्षिप्त रूप से बखान किया तथा झारखंड राज्य के प्रति किए गए उनके कार्यों को याद किया . इसके बाद इस श्रद्धांजलि सभा में विद्यालय के शिक्षक एहतेशाम खान, एंड्रयू सर एवं शिक्षिका प्रेमा विश्वकर्मा, निशात परवीन ने अपने संक्षिप्त भाषण से उनके जीवन की उपलब्धियों को याद किया .

Before the Executive Magistrate, Bokaro

AFFIDAVIT

I **Bebi devi** wife of Suresh kumar vishwakarma, resident of 63, VTC: Ehendra, P.O.Ehendra, P.S.Nawadih, district- Bokaro, do hreby solemnly affirm madeclare on oath as unu er-

1. that my actual and correct name as per my Adhar card Bebi devi wife of Suresh kumar Vishwakarma, bearing Adhar card no.6350 2100 3717, but my name has been mentioned in my Bank account as **Babi devi** wife of Suresh kumar vishwakarma, bearing account no. **488510100003760** B.0.1.Ehendra Branch.
2. that I want to mentioned my name Bebi devi wife of Suresh kumar vishwakarma in place of Babi devi wife of Suresh kumar vishwakarma in my Bank account.
3. that I am swearing this affidavit to submit it before the competent authority for needful.

Affidavit No. 710 Dt. 29.07.25

ब्रीफ खबरें

बाइक-स्कूटी की टक्कर में दो लोग घायल

गावां (गिरिडीह)। गावां थाना क्षेत्र के गदर पावर ग्रिड के पास मंगलवार को एक बाइक और स्कूटी की आमने-सामने की टक्कर में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों की पहचान नाजनीन प्रवीण (पिता मो. मोईनुद्दीन) और कारू तुरी (पिता तोती तुरी) के रूप में हुई है. दोनों को तुरंत गावां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां डॉ. काजिम खान ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया. बताया गया है कि नाजनीन प्रवीण माल्डा से अपने घर कहुवाई जा रही थीं, जबकि कारू तुरी खरसान से गावां की ओर आ रहे थे. इसी दौरान दोनों की गाड़ियों में टक्कर हो गई.

गावां से रवाना हुआ डाक बम का जत्था

गावां (गिरिडीह)। सावन के इस पावन महीने में गावां प्रखंड के हरला गांव से डाक बम का एक जत्था मंगलवार को बाबाधाम (देवघर) के लिए रवाना हुआ. देवघर के लिए रवाना होने से पहले, श्रद्धालुओं ने गावां के काली मंडा में माथा टेका और माँ दुर्गा से आशीर्वाद लिया. भक्तों ने बताया कि वे सुलतानगंज स्थित गंगा नदी में स्नान करके पवित्र गंगाजल लेंगे. इसके बाद, वे पैदल 107 किलोमीटर की यात्रा 24 घंटे में पूरी करके बाबा वैद्यनाथ पर जलाभिषेक करेंगे.

बोकारो में शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

बोकारो। सेक्टर बारह स्थित सरकारी आवासीय कॉलोनी के सामुदायिक भवन में पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को विनम्र श्रद्धांजलि दी गई. इस अवसर पर वहां मौजूद सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की. इस सभा में सेवानिवृत्त डीआईजी जितेंद्र कुमार सिंह, सेवानिवृत्त अतिरिक्त जिलाधिकारी पांडेय सतीश चंद्र सिन्हा, सेवानिवृत्त सिविल सर्जन डॉ. प्रमोद कुमार, सेवानिवृत्त क्षेत्रीय निदेशक पशुपालन डॉ. एस. बी. जारूहार, जीजीएसटीसीएस के निदेशक डॉ. प्रियदर्शी जारूहार सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे.

युवा कांग्रेस ने शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

डुमरी (गिरिडीह)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यसभा सांसद और झारखंड आंदोलन के जनक शिबू सोरेन के निधन पर युवा कांग्रेस ने डुमरी के अनुमंडल परिसर में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया. युवा कांग्रेस और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शिबू सोरेन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी. इसके बाद, सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा. इस मौके पर युवा कांग्रेस के जिला महासचिव गुड्डु मलिक, कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष नागेश्वर मंडल, उपाध्यक्ष भुवनेश्वर दास और अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे.

शिबू सोरेन के निधन पर जताया शोक

बोकारो। झारखंड के जननायक और झारखंड आंदोलन के पुरोधा शिबू सोरेन के निधन पर गुरु गोविंद सिंह एजुकेशनल सोसाइटी टेक्निकल कैंपस ने गहरा शोक व्यक्त किया है. संस्थान के अध्यक्ष तरसेम सिंह, सचिव सुरेंद्र पाल सिंह और निदेशक डॉ. प्रियदर्शी जरूहार ने शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका जीवन संघर्ष, सादगी और जनसेवा को समर्पित था. उन्होंने झारखंड की पहचान और अधिकारों की लड़ाई में ऐतिहासिक योगदान दिया. पदाधिकारियों ने कहा कि उनका जाना न केवल झारखंड बल्कि पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है. सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की .

स्कूल में शिबू सोरेन को दी गई श्रद्धांजलि

राजाभीठा (गोड्डा)। झारखंड आंदोलन के जनक और झामुमो के संस्थापक शिबू सोरेन को तिलका मांझी इंग्लिश मीडियम स्कूल, भदरिया में श्रद्धांजलि दी गई. इस अवसर पर स्कूल परिसर में एक शोक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें कई गणमान्य लोग उपस्थित थे. झामुमो के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष आलोक पंडित, आदिम जनजाति के जिलाध्यक्ष शोभाकांत मालतो, राजाभीठा थाना के एसआई जैकब हांसदा और सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश मुर्मू सहित कई अन्य लोगों ने शिबू सोरेन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी. विद्यालय के शिक्षक पारस कुमार, दीपक कुमार और छात्र-छात्राओं ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए.

बोकारो के सेक्टर 1सी, क्वार्टर नंबर 14 बना

शिबू सोरेन के संघर्ष की विरासत का गवाह

रजत नाथ

बोकारो। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पंचतत्व में विलीन होने के बाद, बोकारो के सेक्टर 1सी, क्वार्टर नंबर 14 में उनकी विरासत और संघर्ष की यादें आज भी ज़िंदा है. यह क्वार्टर उनके राजनीतिक सफर का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जहां से उन्होंने विधायक, सांसद, मुख्यमंत्री और केंद्रीय कोयला मंत्री तक का सफर तय किया.

झारखंड आंदोलन की रणनीति का केंद्र था यह कार्यालय : झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ता चंद्रशेखर (बम) पिछले चार दशकों से भी ज़्यादा समय से शिबू सोरेन के साथ रहे हैं और आज भी इसी कार्यालय में रहते हैं. शिबू सोरेन के प्रति उनकी आस्था इस बात से जाहिर होती है कि उन्होंने अपने सीने पर झामुमो का चुनाव चिन्ह और शिबू सोरेन व दुर्गा सोरेन का नाम गुदवाया हुआ है. चंद्रशेखर ने बताया कि झारखंड आंदोलन की रणनीति यहीं बनती थी. शिबू सोरेन का परिवार 1990 से इस क्वार्टर में रह रहा था. इससे पहले, वे सेक्टर 2, 4 और 6 में भी रह चुके थे. आज भी इस कार्यालय में शिबू सोरेन द्वारा इस्तेमाल की गई कुर्सी और मेज जैसी चीज़ें मौजूद हैं. चंद्रशेखर ने भावुक होकर उनके कोयला मंत्रित्व काल में इस्तेमाल की गई एम्बेसडर कार (जेएच 10 एल/5205) को भी दिखाया. उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन एक जननायक थे और उनकी आत्मा हमेशा यहां वास करती रहेगी.

वन विहार से कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार : साध्वी झा

शुभम संदेश। बोकारो

संकल्प सृजन, बोकारो की महिला कार्यकर्ताओं ने भोजूडीह स्थित भैरवधाम में एक दिवसीय वन विहार कार्यक्रम का आयोजन किया. इस कार्यक्रम में संस्था की महासचिव साध्वी झा मुख्य रूप से उपस्थित रहीं. कार्यक्रम की शुरुआत दामोदर नदी और भैरवधाम परिसर के मंदिरों में पूजा-अर्चना के साथ हुई. स्थानीय पुजारी ने कार्यकर्ताओं को इस स्थान के महाभारत काल से जुड़े इतिहास के बारे में बताया. इसके बाद, संस्था की महिला कार्यकर्ताओं ने आस-पास की बस्ती में जाकर बालिका और महिला शिक्षा की स्थिति का आकलन किया. साध्वी झा ने 82 महिला कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए संस्था के सामाजिक कार्यों से अवगत कराया और उन्हें इस तरह के कामों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया. उन्होंने कहा कि ऐसे वन विहार कार्यक्रम कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार करते हैं और उन्हें 'रिचार्ज' करते हैं. कार्यक्रम के बाद सभी ने सामूहिक भोज का आनंद लिया. 82 महिला कार्यकर्ताएं अपने घरों से भोजन लेकर आई थीं, जिसकी व्यवस्था 'पुल लंच' की तरह की गई थी. कार्यक्रम के अंत में सभी महिलाओं को हरी चूड़ियां, मेहंदी और अन्य सुहाग के प्रतीक भेंट किए गए. इस कार्यक्रम में बोकारो और चास के विभिन्न हिस्सों से महिलाएं शामिल हुईं.

आकाशीय बिजली गिरने से महिला की मौत, पिता-पुत्र बाल-बाल बचे

शुभम संदेश। साहिबगंज

उधवा अंचल के चतराडीह गांव में सोमवार शाम खेत से काम करके लौट रही एक महिला रेखा देवी की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई. उनके पति और बेटा इस घटना में बाल-बाल बच गए.

वापस लौटते समय हुआ हादसा : परिजनों ने बताया कि राजेश रजवार (42) अपनी पत्नी रेखा देवी (38) और बेटे शंकर रजवार (16) के साथ शाम करीब 4 बजे खेत में काम करने गए थे. काम खत्म करके जब वे वापस घर लौट रहे थे, तभी अचानक तेज बारिश और गर्जना शुरू हो गई. इसी दौरान उन पर आकाशीय बिजली गिरी, जिससे पति-पत्नी दोनों बेहोश होकर खेत में गिर गए. बेटे शंकर ने पास के लोगों को बुलाया, जो दोनों को घर ले आए. कुछ देर बाद राजेश को होश आ गया, लेकिन रेखा देवी को होश नहीं आया. परिजन उन्हें राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल ले जा रहे थे, तभी उधवा चौक के पास उन्होंने दम तोड़ दिया. घटना की जानकारी मिलते ही तीनपहाड़ थाने के एएसआई ललन रजवार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया. मृतक महिला अपने पीछे पति, एक बेटा और तीन बेटियों को छोड़ गई हैं. घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है.

मवेशी को बचाने तालाब में डूबे शख्स की मौत

तिसरी (गिरिडीह)। तिसरी थाना क्षेत्र के बलियारी गांव में एक व्यक्ति की तालाब में डूबने से मौत हो गई. वह अपने मवेशी को बचाने के लिए तालाब में उतरा था. यह घटना सोमवार की दोपहर को हुई, जब मंगरू मुर्मू (अविवाहित) अपने मवेशियों को चरा रहा था. इसी दौरान एक मवेशी तालाब में चला गया. मंगरू उसे बचाने के लिए पानी में उतर गया. मवेशी तो सुरक्षित बाहर निकल आया, लेकिन मंगरू गहरे पानी में डूब गया. शाम तक जब मंगरू घर नहीं लौटा, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की. तालाब के किनारे मंगरू का छाता, लाठी और कपड़े देखकर उन्हें घटना का अंदाज़ा हुआ. ग्रामीणों ने रस्सी और जाल डालकर उसकी खोज की, लेकिन वह नहीं मिला.

तैराकों की मदद से निकाला गया शव : मंगलवार को घटना की जानकारी मिलने पर तिसरी के थाना प्रभारी रंजय कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे. उन्होंने स्थानीय तैराकों की मदद से मंगरू का शव तालाब से बाहर निकलवाया. शव मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था. मंगरू अविवाहित था और उसके भाई-भतीजे ही उसकी देखभाल करते थे. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है.

बाइक-टैंकर की टक्कर में युवक की मौत

डुमरी (गिरिडीह)। निमियाघाट थाना क्षेत्र के प्रतापपुर के पास जीटी रोड पर मंगलवार को एक बाइक और गैस टैंकर की टक्कर में बाइक सवार युवक की मौत हो गई. यह हादसा उस समय हुआ जब कोडरमा के मरकच्चो स्थित योगीटांड़ का निवासी राहुल कुमार (22) बाइक से धनबाद जा रहा था. प्रतापपुर के पास, उसकी बाइक ने उसी दिशा में जा रहे एक गैस टैंकर को पीछे से टक्कर मार दी. दुर्घटना में राहुल गंभीर रूप से घायल हो गया. पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से उसे पास के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई. घटना की जानकारी मिलने पर मृतक के परिजन थाने पहुंचे, जिनका रो-रोकर बुरा हाल था. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह भेज दिया.

न्यूज अपडेट

गिरिडीह कॉलेज के छात्र ने की आत्महत्या

गिरिडीह (शुभम संदेश)। गिरिडीह कॉलेज के बी.ए. सेमेस्टर के छात्र प्रेम प्रमोद मुर्मू ने एक पेड़ से लटककर आत्महत्या कर ली. वह कॉलेज के आदिवासी छात्रावास में रहकर पढ़ाई करता था. यह घटना कॉलेज से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर शंकरचक रेलब्रिज के पास हुई. घटना की जानकारी मिलने पर मुफ्फसिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. मृतक छात्र के पेंट की जेब से उसका मोबाइल फ़ोन बरामद हुआ, जिसमें एक दोस्त को भेजा गया संदेश मिला. इस संदेश में छात्र ने लिखा था कि वह अब इस दुनिया में नहीं रहेगा, लेकिन पुनर्जन्म लेकर वापस आएगा. पुलिस फिलहाल इसे आत्महत्या मान रही है, लेकिन हत्या के एंगल से भी जांच की जा रही है. प्रेम प्रमोद मुर्मू बिहार के जमुई जिले के चकाई का रहने वाला था.

नवोदय विद्यालय में शिक्षक की हार्ट अटैक से मौत

गांडेय (शुभम संदेश)। गांडेय स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में मंगलवार को एक शिक्षक मो. जावेद (41) की हार्ट अटैक से मौत हो गई. उनकी अचानक हुई मौत से पूरे विद्यालय परिवार में शोक की लहर दौड़ गई. जानकारी के अनुसार मंगलवार को विद्यालय में शिक्षकों के लिए 'कर्मयोगी' थीम पर एक ट्रेनिंग चल रही थी. इसी दौरान मो. जावेद ने असहज महसूस किया और अचानक कुर्सी से गिर पड़े. अन्य शिक्षक उन्हें तुरंत सीएचसी ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें सदर अस्पताल गिरिडीह रेफर कर दिया गया. अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. विद्यालय के प्राचार्य अनंत कुमार झा ने कहा कि मो. जावेद की मौत अचानक हुई, जिससे विद्यालय का माहौल शोकाकुल है. विद्यालय के शिक्षकों और समाजसेवी मो. वसीम अख्तर की मदद से परिजन शव को उनके पैतृक गांव बिहार के दरभंगा ले गए.

मनोकामनासिद्धि देववृक्ष कल्पतरु महोत्सव का शुभारंभ

बोकारो (शुभम संदेश)। तीन दिवसीय 'मनोकामनासिद्धि देववृक्ष कल्पतरु महोत्सव' की शुरुआत श्रावण शुक्ल एकादशी, 5 अगस्त को हो गई. यह महोत्सव बोकारो के पर्यावरण-मित्र चौक स्थित पर्यावरण-मित्र वाटिका में मनाया जा रहा है. महोत्सव का शुभारंभ सुबह 7 बजे देववृक्ष कल्पतरु के मूल भाग में भगवान विष्णु की विधिवत पूजा के साथ हुआ. यह पूजा स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान के सदस्यों द्वारा देश और बोकारोवासियों के कल्याण की कामना के साथ की गई. संस्थान के उपाध्यक्ष और विद्वान कर्मकांडी पंडित अखिलेश ओझा ने वैदिक मंत्रों के साथ पूजा कराई. इस पूजा में शामिल होने वाले पुरुषों के लिए धोती पहनना अनिवार्य था.

जेएलकेएम ने कांवड़ियों के लिए लगाया सेवा शिविर

धनवार (शुभम संदेश)। श्रावणी मेले के अवसर पर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने बोल-बम के कांवड़ियों के लिए एक निःशुल्क सेवा शिविर का आयोजन किया है. मंगलवार को मोर्चा के केंद्रीय महासचिव और धनवार विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी राजदेश रतन खुद इस शिविर में पहुंचे और उन्होंने भी कांवड़ियों की सेवा की. राजदेश रतन ने कहा कि श्रावण मास में भगवान भोलेनाथ के भक्तों की सेवा करना एक पुण्य का काम है. उन्होंने यह भी कहा कि जेएलकेएम का यह प्रयास आगे भी जारी रहेगा.

विधायक के प्रयास से चौरा गांव में लगा नया ट्रांसफार्मर

बोकारो (शुभम संदेश)। विधायक श्वेता सिंह के निर्देश पर उनके प्रतिनिधि फसी उर रहमान ने बोकारो विधानसभा के नारायणपुर पंचायत के चौरा गांव में एक नया विद्युत ट्रांसफार्मर स्थापित करवाया है. यह कदम गांव की पिछले 10 सालों से चली आ रही बिजली की समस्या को दूर करने के लिए उठाया गया है. विधायक ने बताया कि चौरा गांव के लोग लंबे समय से बिजली की ख़राब व्यवस्था, जैसे लो वोल्टेज, अर्थिंग और लाइन ट्रिपिंग से परेशान थे. उन्होंने कहा कि शिकायत मिलने पर मामले को तुरंत संज्ञान में लिया गया और समय पर इसका समाधान किया गया है. श्वेता सिंह ने आगे कहा कि पूरे विधानसभा क्षेत्र में बिजली व्यवस्था को मजबूत करना उनका परम लक्ष्य है और इस दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है.

शिक्षक संघ ने शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

कसमार (शुभम संदेश)। झारखंड प्लस टू शिक्षक संघ, बोकारो की जिला कार्यकारिणी समिति ने मंगलवार को एक ऑनलाइन शोक सभा आयोजित कर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया. गूगल मीट के माध्यम से हुई इस बैठक में सभी सदस्यों ने शिबू सोरेन के प्रभावशाली व्यक्तित्व, त्याग और समर्पण को याद किया. संघ के सचिव डॉ. अवनीश कुमार झा ने शिबू सोरेन को श्रद्धापूर्ण श्रद्धांजलि देते हुए उनके विशिष्ट मानवीय गुणों को याद किया. संरक्षक डॉ. अजय कुमार पाठक ने उनके निधन को देश के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया और उनके आदर्शों को अपनाने की जरूरत पर ज़ोर दिया. संघ के अध्यक्ष पंकज कुमार सिंह ने शिबू सोरेन को आधुनिक भारत के महान नेताओं में से एक बताया और उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया.

सांसद ढुलू महतो का कुमार अमित ने जताया आभार

बोकारो (शुभम संदेश)। सांसद ढुलू महतो ने केंद्रीय इस्पात मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी से मिलकर बोकारो की जनभावनाओं से उन्हें अवगत कराया, जिसके लिए कुमार अमित ने सांसद के प्रति आभार व्यक्त किया है. मंगलवार को सांसद ढुलू महतो ने इस्पात मंत्री के सामने बोकारो के विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं, जिनमें बोकारो स्टील प्लांट का प्रस्तावित विस्तारीकरण का काम जल्द से जल्द शुरू करने, बोकारो जनरल अस्पताल को सुपरस्पेशलिटी अस्पताल में बदलने, विस्थापित अप्रेंटिस संघ के प्रशिक्षित युवाओं को नौकरी देने समेत अन्य मांग मांग शामिल है. कुमार अमित ने कहा कि ये मांगें बोकारो की जनता की भावनाएं हैं. इनके पूरा होने से विस्थापित और स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी और बोकारो के विकास का मार्ग खुलेगा. उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सांसद ढुलू महतो बोकारो के विकास के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं और यहां की जनता उनके साथ खड़ी है.

राजमहल परियोजना में शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

ललमटिया (शुभम संदेश)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री 'दिशोम गुरु' शिबू सोरेन के निधन पर ईसीएल की राजमहल परियोजना के ओसीपी कार्यालय में एक शोक सभा का आयोजन किया गया. इस सभा में बड़ी संख्या में ईसीएल के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे, जिन्होंने शिबू सोरेन को भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा. श्रद्धांजलि सभा में प्रवीण पंडित ने कहा कि शिबू सोरेन केवल झारखंड नहीं, बल्कि पूरे हिंदुस्तान के नेता थे. उनकी छवि एक जननायक की थी, जिन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में दबे-कुचले लोगों की आवाज बनने का काम किया.

विधायक ने मुख्य सचिव को लिखा पत्र

शुभम संदेश। डुमरी

डुमरी विधायक जयराम महतो ने मुख्य सचिव को पत्र प्रेषित कर पंचायत प्रतिनिधियों से संबंधित 8 सूत्री मांगों पर सार्थक पहल करने को कहा है. पत्र में लिखा है कि झारखंड प्रदेश मुखिया संघ के प्रदेश अध्यक्ष सोमा उरांव एवं प्रदेश उपाध्यक्ष सुबोध कुमार यादव द्वारा 8 सूत्री मांग पत्र प्राप्त हुआ है जो जमीनी समस्याओं एवं उनके समाधान के लिए राज्य सरकार द्वारा तत्काल गंभीरता से विचार करते हुए त्वरित निर्णय लिया जाय. पत्र में जिन मांगों का उल्लेख किया है. उसमें 15वें वित्त आयोग एवं राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत पंचायतों को जो निधि उपलब्ध कराई जानी है, वह तात्कालिक रूप से जारी की जाए, जिससे ग्राम विकास कार्यों को गति मिल सके, सभी पंचायत जनप्रतिनिधियों के लिए 30,00,000 (तीस लाख रुपये) तक का बीमा कवर प्रदान किया जाए ताकि दुर्घटना अथवा अन्य आकस्मिक दुर्घटनाओं में उनके परिवार को सहायता मिल सके. त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों को केरल राज्य की तर्ज पर मासिक मानदेय सुनिश्चित किया जाए, बिना जांच के किसी भी पंचायत जनप्रतिनिधि की वित्तीय शक्तियां जब्त न की जाय, त्रिस्तरीय पंचायत जनप्रतिनिधियों को संविधान के 73वें संशोधन के अनुरूप 14 विभाग एवं 29 विषयों में पूर्ण अधिकार दिया जाए, ताकि स्थानीय स्वशासन प्रणाली को सशक्त किया जा सके . डीएमएफटी फंड का उपयोग पंचायती राज व्यवस्था के अनुरूप एवं ग्राम स्तर की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पारदर्शिता के साथ किया जाए, वर्तमान सामाजिक स्थिति एवं कई स्थानों पर मुखियाओं को मिल रही धमकियों को देखते हुए मुखियाओं की सुरक्षा हेतु एक निजी बॉडीगार्ड या वैकल्पिक रूप से हथियार का लाइसेंस प्रदान किया जाए, सांसद एवं विधायक मद के तर्ज पर राज्य वित्त आयोग के द्वारा त्रिस्तरीय जनप्रतिनिधियों को भी निजी मद से उपलब्ध करवाया जाय.

गोड्डा में नकाबपोश चोरों का आतंक सीसीटीवी में कैद हुई तस्वीरें

शुभम संदेश। गोड्डा

शहर के प्रोफेसर कॉलोनी में नकाबपोश चोरों का आतंक बढ़ गया है. हाल ही में आधे दर्जन चोरों की सीसीटीवी फुटेज सामने आई है, जिसमें वे चोरी की कोशिश करते हुए दिखाई दे रहे हैं. इस घटना के बाद से मोहल्ले के लोग डर के साये में जी रहे हैं.

शिक्षिका के घर चोरी का असफल प्रयास : बीती रात, इसी मोहल्ले में एक शिक्षिका पूनम कुमारी के घर में चोरी का असफल प्रयास किया गया. पूनम कुमारी ने बताया कि रात करीब ढाई बजे उन्हें घर के निचले हिस्से में कुछ टूटने की आवाज सुनाई दी. जब उन्होंने छत से नीचे देखा, तो दो चोर चेहरा ढके हुए खड़े थे. उनके शोर मचाने पर दोनों चोर दीवार फांदकर भाग गए. सुबह देखा गया कि चोरों ने खिड़की पर लगी जाली उखाड़ दी थी और ग्रिल तोड़ने की तैयारी में थे. समय पर नींद खुलने से चोरी होने से बच गई.

लगातार हो रही हैं चोरियां : दो दिन पहले भी पास के नहर चौक पर एक किराने की दुकान में सेंधमारी कर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था, जिसके बाद नगर पुलिस ने एक चोर को गिरफ्तार किया था. लगातार बारिश होने के कारण सड़कें खाली रहती हैं, जिसका फायदा उठाकर चोर इन घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं. पुलिस से लोगों ने सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है.

सीबीएसई क्लस्टर-3 टेबल टेनिस में पटना गिरिडीह और पूर्वी सिंहभूम की टीमें विजयी

शुभम संदेश। बोकारो

दिल्ली पब्लिक स्कूल, बोकारो में चल रहे तीन-दिवसीय सीबीएसई क्लस्टर-3 टेबल टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दिन सोमवार को खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया. इस दौरान छह वर्गों के टीम मैच पूरे हुए, जिनमें पटना की टीमों का दबदबा देखने को मिला. अंडर-14 बालिका वर्ग में लोयोला हाई स्कूल, पटना ने संत माइकल हाई स्कूल, पटना को 3-2 से हराया. अंडर-14 बालक वर्ग में लिटेरा वैली स्कूल, पटना ने संत माइकल हाई स्कूल, पटना को 3-0 से हराया. अंडर-17 बालक वर्ग में लोयोला हाई स्कूल, पटना ने लिटेरा वैली स्कूल, पटना को 3-0 से हराया. अंडर-17 बालिका वर्ग में जुस्को स्कूल, कदमा, पूर्वी सिंहभूम विजेता रही. डीपीएस बोकारो की टीम दूसरे स्थान पर रही. अंडर-19 बालिका वर्ग में लोयोला हाई स्कूल, पटना ने बीएनएस डीएवी पब्लिक स्कूल, गिरिडीह को 3-1 से हराया. अंडर-19 बालक वर्ग में बीएनएस डीएवी पब्लिक स्कूल, गिरिडीह ने लोयोला हाई स्कूल, पटना को 3-2 से हराकर खिताब जीता.

डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने सभी विजेता टीमों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की.

'हर घर तिरंगा' अभियान के लिए कार्यशाला

गिरिडीह (शुभम संदेश)। भारतीय जनता पार्टी, गिरिडीह ने 'हर घर तिरंगा' अभियान की तैयारी शुरू कर दी है. मंगलवार को पार्टी कार्यालय में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए. कार्यशाला में कार्यकर्ताओं को अभियान के बारे में जानकारी देते हुए जिलाध्यक्ष महादेव दुबे ने बताया कि यह अभियान मंडल स्तर से शुरू होगा. भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज ने कहा कि तिरंगा देश की जनता की आस्था का प्रतीक है और भाजपा इस अभियान के जरिए लोगों में देशभक्ति की भावना जगाना चाहती है. इस अभियान की शुरुआत 10 अगस्त से होगी, जिसमें लोगों के बीच राष्ट्रीय ध्वज वितरित किए जाएंगे. बैठक में संजीव सिंह गुड्डु, संजीत सिंह पप्पू, रंजीत राय और संगीता सेठ सहित कई नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे.

14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाएगी भाजपा

भाजपा की संयुक्त कार्यशाला में तिरंगा यात्रा और आगामी कार्यक्रमों की तैयारी

शुभम संदेश। धनबाद

जिला कार्यालय में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी धनबाद महानगर और ग्रामीण जिला की संयुक्त कार्यशाला आयोजित हुई. इस कार्यशाला में 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत जिले के सभी मंडलों में भव्य तिरंगा यात्रा आयोजित करने और आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों पर चर्चा की गई. बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष श्रवण राय और ग्रामीण जिला अध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर ने संयुक्त रूप से की, जबकि संचालन जिला महामंत्री मानस प्रसून ने किया. बैठक की शुरुआत में झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई. भारत की आजादी के 79वें वर्ष को मनाने और स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानों को याद करने के लिए भाजपा ने 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत धनबाद जिले के सभी मंडलों में भव्य तिरंगा यात्रा आयोजित करने का निर्णय लिया. यह अभियान आजादी के अमृत महोत्सव का हिस्सा है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर वर्ष 2022 में शुरू किया गया था. कार्यशाला में 10 अगस्त को महापुरुषों की प्रतिमाओं और उनके स्थलों की साफ-सफाई तथा 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' मनाने का निर्णय लिया गया. इन कार्यक्रमों की तैयारियों के लिए 6, 7

और 8 अगस्त को मंडल स्तरीय कार्यशालाएँ और बैठकें निर्धारित की गईं. प्रत्येक मंडल के लिए दो-दो प्रभारियों की नियुक्ति पर भी विचार-विमर्श हुआ. मुख्य अतिथि, झारखंड के पूर्व मंत्री अमर बाउरी ने कहा कि तिरंगा हमारी पहचान है. स्वतंत्रता संग्राम में शहीदों ने गुलामी की जंजीरें तोड़ने के लिए अपार कष्ट सहे. 'हर घर तिरंगा' अभियान न केवल एकता का प्रतीक है, बल्कि देशभक्ति की भावना को जागृत करने वाला जन-जागरण भी है. भाजपा ग्रामीण जिला के प्रभारी शैलेंद्र सिंह ने कहा कि तिरंगा यात्रा जैसे कार्यक्रम भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करते हैं. यह स्वतंत्रता, समरसता और एकता के मूल्यों को स्थापित करने में सहायक है. महानगर अध्यक्ष श्रवण राय ने कहा कि तिरंगा यात्रा का उद्देश्य स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करना और युवा पीढ़ी में राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रेरित करना है. धनबाद के सभी मंडलों में ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा आयोजित की जाएगी. ग्रामीण जिला अध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता सभी मंडलों में राष्ट्रभक्ति, लोकतंत्र और भारतीय एकता के प्रतीक के रूप में तिरंगा यात्रा का आयोजन करेंगे. कार्यशाला में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजकुमार अग्रवाल, विकास महतो, धनेश्वर महतो, मनोज मिश्रा, निताई रजवार, विष्णु त्रिपाठी, रामप्रसाद महतो, फुल जोशी, धुर्व हरि, धरणीधर मंडल, योगेंद्र यादव, प्रियंका देवी, शेखर सिंह, राजेश चौधरी, जिला मंत्री सह मीडिया संयोजक पंकज सिन्हा, प्रकाश बावरी, अभिमन्यु कुमार, आशीष मुखर्जी, संजय महतो, नित्यानंद मंडल, रामजीत भुइयाँ, पोरेश दास, मनीष साव, समीर साहू, शिवांश कुमार, जिला मीडिया सह-प्रभारी पंकज कुमार, मंडल अध्यक्ष राजाराम दत्ता, किशोर मंडल, अरविंद सिंह, सूरज पासवान, संजय कुशवाहा, कृष्णा राउत, रंजय सिंह, अवधेश शाह, बच्चा गिरी, बृहस्पति पासवान, विरांची सिंह, विश्वजीत मुखर्जी, कालेश्वर शाह, सुजीत चंद्र, सुजीत चौधरी, तिलक मंडल, गोपाल भारती, मनमोहन सिंह, कपूर रवानी सहित बड़ी संख्या में जिला पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे.

रविदास समाज ने दी दिशोम गुरु को श्रद्धांजलि

शुभम संदेश। धनबाद

रविदास समाज संघर्ष समिति ने मंगलवार को दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर नगर निगम पार्क में शोक सभा आयोजित कर दो मिनट का मौन धारण किया और गुरुजी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की. शोक सभा की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष मंटू दास ने की, जबकि संचालन सचिव बबलू दास ने किया. समिति के संस्थापक दिलीप राम ने कहा कि गुरुजी का इस समय जाना झारखंड की राजनीति के लिए एक बड़ी क्षति है. उन्होंने हमेशा जल, जंगल और जमीन की लड़ाई का नेतृत्व किया. वर्तमान में जब कॉरपोरेट द्वारा झारखंड पर हमले तेज हो रहे हैं, ऐसे समय में उनका चले जाना झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है. वे गरीब, उपेक्षित और मेहनतकश वर्गों की मजबूत आवाज थे. उन्होंने आदिवासी कल्याण और सामाजिक न्याय की लड़ाई में ऐतिहासिक कार्य किए. उनके संघर्षों को हमेशा याद रखा जाएगा. रविदास समाज संघर्ष समिति की ओर से अंतिम जोहार. शोक सभा में मुख्य रूप से दिलीप दास, राजू दास, गणेश दास, कैलाश दास, राजेश दास, दिनेश दास, मनोहर दास, तरुण कुमार दास, संतोष दास सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे.

काम करने कर्नाटक जा रहे बच्चों को बचाया

धनबाद (शुभम संदेश)। चाइल्ड लाइन धनबाद से प्राप्त सूचना के आधार पर, गाड़ी संख्या 17323 के जनरल कोच और बी-1 कोच में कुछ बच्चों को काम कराने के लिए ले जाने की जानकारी मिली. इस सूचना के सत्यापन के लिए प्रभारी निरीक्षक, रेलवे सुरक्षा बल (रेसुबल)/पोस्ट धनबाद के निर्देश पर एक संयुक्त टीम गठित की गई, जिसमें रेसुबल, सीआईबी/धनबाद, चाइल्ड लाइन धनबाद, और जीआरपी/धनबाद के अधिकारी व कर्मचारी शामिल थे. टीम ने प्लेटफॉर्म नंबर 06 पर लगभग चार बजे पहुंचकर गाड़ी की जांच की. जिसमें जनरल कोच से तीन बच्चों को यात्रा करते पाया गया. जांच के दौरान गाड़ी कतरास के लिए रवाना हो गई. कतरास स्टेशन पर जांच जारी रखने पर जनरल कोच में एक और बच्चा अकेले बैठा मिला. इस प्रकार, कुल चार बच्चों को बरामद किया गया. बच्चों ने बताया कि वे काम करने के लिए कर्नाटक जा रहे थे. इसके बाद, चाइल्ड लाइन धनबाद ने बच्चों को अग्रिम कार्रवाई के लिए अपने साथ ले लिया.

मधुबन और मोहनपुर मौजा की 49 एकड़ जमीन पर परियोजना चालू करने का मामला

बिना वार्ता परियोजना चालू करने के विरोध में ग्रामीणों ने खोला मोर्चा

शुभम संदेश। मधुबन

बीसीसीएल के बरोरा एरिया 1 के प्रबंधन द्वारा ओपन कास्ट परियोजना चालू करने को लेकर मधुबन मौजा 87 के 43.32 एकड़ व मोहनपुर मौजा 88 के 5.53 एकड़ जमीन लीज के लिए बाघमारा सीओ के द्वारा भूमि राजस्व विभाग राज्य सरकार को ग्रामीणों की बिना जानकारी या ग्रामीणों के साथ बैठक किए बिना ही अनुमोदन के लिए भेजे गए प्रस्ताव को लेकर ग्रामीणों ने प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. ग्रामीणों ने मधुबन पंचायत सचिवालय में मुखिया कमलेश्वर उर्फ बिरजू महतो की अध्यक्षता में बैठक कर एकजूटता दिखाई. बैठक के पूर्व ग्रामीणों ने प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन कर नाराजगी व्यक्त किया. ग्रामीणों ने ओसीपी का विरोध करते हुए कहा कि आउटसोर्सिंग होने से पूरा मधुबन व मोहनपुर मौजा का अस्तित्व ही मिट जाएगा. जिसको लेकर ग्रामीणों की एक टीम झारखंड के राज्यपाल, मुख्यमंत्री ,भूराजस्व मंत्री, धनबाद उपायुक्त, अंचलाधिकारी बाघमारा से मिलकर क्षेत्र की वस्तुस्थिति से अवगत करायेंगे. बीसीसीएल प्रबंधन द्वारा मधुबन व मोहनपुर मौजा के जमीन की लीज लेने की भेजी गई प्रस्ताव को भी निरस्त करने की मांग करेगा. यहाँ की जल,जंगल जमीन की सुरक्षा व माई माटी की रक्षा की गुहार लगायेंगे. बैठक में ग्रामीणों ने बीसीसीएल प्रबंधन द्वारा बिना बैठक किए जमीन नहीं देने, जमीन अधिकरण के लिए सर्वे नहीं करने देने, ओपन कास्ट नहीं करने देने, मधुबन मौजा में ग्रामीणों के अधिकार में ग़ैराबद जमीन का पट्टा की मांग आदि पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया. बैठक में बांसजोड़ा के भगलू महतो, दिनु महतो व मधुबन के लक्ष्मीकांत महतो के जमीन पर आउटसोर्सिंग इन्दू कंपनी के द्वारा ग्रामीणों को बिना वार्ता व जानकारी दिए बिना ही रोड निर्माण का कार्य किया जा रहा है. जिसको लेकर ग्रामीण घोर निंदा करते हुए इंदु कंपनी पर कानूनी करवाई की मांग की है. मौके पर गोपाल महतो, डेगलाल महतो, राजेश महतो, भूदेव महतो, बंशी महतो, भूषण महतो, सुजीत रविदास, भवानी ठाकुर, शक्ति महतो, स्वरूपानंद महतो, भरत महतो, काली दशौन्दी, स्वरुप मिश्रा, परसु राम महतो, आदि ग्रामीण उपस्थित थे.

ठेठाटांड में ट्रांसफार्मर जला, लोग परेशान

टुंडी (शुभम संदेश)। ठेठाटांड़ गांव में 100 केवी का बिजली टांस्फार्मर पिछले एक सप्ताह पहले जल जाने से ग्रामीण उपभोक्ता काफी परेशान हैं. गांव के उपभोक्ता रुपेश पाण्डेय ने बताया कि टांस्फार्मर जल जाने पर इस बरसात के मौसम में बच्चों की पढ़ाई पर बुरा असर पड़ रहा है. वहीं सांप बिच्छू के डर से महिलाएं बाहर नहीं निकलती है. इधर गांव के सुमन पाण्डेय ने बताया कि गांव के लोगों के मोबाइल फोन अब बंद हो जा रहे हैं. गांव की एक हजार से अधिक की आबादी बुरी तरह प्रभावित है. बिजली विभाग को सूचना दे देदी गई है, विभाग अभी टाल मटोल कर रहा है. टुंडी प्रखंड भाजपा के वरिष्ठ नेता गोपाल पाण्डेय ने जल्द ख़राब टांस्फार्मर बदलने की मांग की है.

सदर अस्पताल में महिला का हिस्टेक्टोमी का सफल ऑपरेशन

ऑपरेशन के बाद महिला की स्थिति बिलकुल सामान्य

शुभम संदेश। धनबाद

सदर अस्पताल में आज एक 45 वर्षीय महिला, विंध्यवासिनी देवी, का हिस्टेरेक्टोमी (गांठ सहित गर्भाशय निकालना) ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया. ऑपरेशन के बाद महिला की स्थिति बिलकुल सामान्य है. दरअसल, महिला के गर्भाशय में एक गांठ बन गई थी. धीरे धीरे यह काफी बड़ी हो गई थी. इसके कारण माहवारी के समय महिला को अत्याधिक रक्तश्राव होता था. अत्याधिक रक्तश्राव होने के कारण महिला को रक्त की कमी भी हो गयी थी. मोतीनगर, कार्मिक नगर में रहने वाली महिला ने सदर अस्पताल का रुख करते हुए स्त्री रोग विशेषज्ञ सह सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार से संपर्क किया. डॉ संजीव ने महिला की जाँच कर ऑपरेशन कराने की सलाह दी. उन्होंने महिला से कहा कि सदर अस्पताल में उनका ऑपरेशन हो जायेगा. इसके बाद मरीज के खून की कमी को दूर करने के उपरांत विंध्यवासिनी देवी का ऑपरेशन किया गया. ऑपरेशन के दौरान डॉ संजीव कुमार को निश्चेतक डॉ स्वेता गुंजन तथा सहायक मधुसूदन मरांडी व रेखा महतो ने सहयोग किया.डॉ संजीव कुमार ने बताया कि उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के प्रयास से सदर अस्पताल अब पहले से काफी अपग्रेड हो चुका है यहां विभिन्न तरह के नए आधुनिक उपकरण लगाए गए हैं. जिसके कारण यहां आने वाले मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है. जिले के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिदिन औसतन 650 से अधिक मरीज इस अस्पताल में आते हैं.

आसनसोल

जिलिंगसेरेंग का आदिवासी समाज आज भी स्वास्थ्य और आंगनबाड़ी सुविधाओं से वंचित

शुभम संदेश। पुरुलिया

पुरुलिया में अयोध्या पहाड़ियों की तलहटी में बसा एक सुदूर आदिवासी गाँव, जिलिंगसेरेंग, एक बार फिर सुर्खियों में है. पाठशाला की पहल पर वायरल हुई इस गाँव की एक गृहिणी मालती मुर्मू ने अब ग्रामीणों के साथ मिलकर स्वास्थ्य सेवाओं और आंगनबाड़ी जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित लोगों के बारे में अपनी चिंताएँ व्यक्त की हैं. गाँव निवासी मालती मुर्मू, गुरुमणि मुर्मू, घासीराम मुर्मू, अकाल पहाड़िया और बांका मुर्मु ने बताया कि इस गाँव में लगभग 90 आदिवासी परिवार रहते हैं. अनुमानित जनसंख्या 440 की है. हालाँकि यहाँ एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय है, लेकिन पक्की सड़कें या आंगनबाड़ी केंद्र नहीं हैं. परिणामस्वरूप, गर्भवती महिलाएँ और बच्चे पौष्टिक भोजन और पर्याप्त देखभाल से वंचित हैं. सबसे चिंताजनक बात यह है कि सबसे नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र, तेलियावासा, गाँव से 9-10 किलोमीटर दूर है और कोरेंग उप-स्वास्थ्य केंद्र भी 9 किलोमीटर दूर है. रात में एम्बुलेंस आना भी मुश्किल है. जंगली जानवरों का भी खतरा बना रहता है. नतीजा आधी रात को बीमारी या प्रसव पीड़ा के कारण मरीज़ों को बेहद ख़तरा रहता है. ग्रामीणों की शिकायत है कि आज़ादी के इतने सालों बाद भी, हमारे गाँव में स्वास्थ्य और पोषण सेवाओं की पूरी तरह उपेक्षा की जाती है. चुनाव से पहले नेता और मंत्री भले ही वादे करते हों, लेकिन हकीकत में कुछ नहीं होता.उनकी माँग है कि प्रशासन जल्द ही आँगनबाड़ी और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए स्थायी उपाय करे. हालाँकि इस समस्या से कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है.हालाँकि बाघमुंडी के सीडीपीओ सौकत भट्टाचार्य का कहना है कि यह समस्या सिर्फ़ जिलिंगसेरेन में ही नहीं, बल्कि क्षेत्र के कई अन्य गाँवों में भी है. हमने वरीय अधिकारियों को इस बारे में सूचित किया है. मंजूरी मिलते ही समस्या का समाधान हो जाएगा. इस संबंध में पुरुलिया जिला परिषद की सभाधिपति निवेदिता महतो क्षेत्र के स्वास्थ्य विभाग से स्वास्थ्य सेवा के मुद्दे पर बात करेंगी.उन्होंने अन्य समस्याओं पर भी गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया है.

चोरी के मामले में फारेंसिक टीम ने की जांच

सालानपुर (शुभम संदेश)। रूपनारायणपुर के शांतश्री पल्ली इलाके में सेवानिवृत्त कमांडेंट सतीश चंद्र शर्मा के घर हुई बड़ी चोरी की घटना में जांच में पुलिस जुटी हुई है. घटना 21 जुलाई को उस समय घटी जब शर्मा परिवार अमरनाथ यात्रा पर गया हुआ था. चोरों ने बंद घर का ताला तोड़कर करीब 10 भरी सोने के आभूषण और 1.80 लाख नकद चुरा लिए थे. 27 जुलाई को जब वे लौटे, तो घर का टूटा ताला और बिखरा सामान देख स्तब्ध रह गए. पुलिस को सूचना मिलते ही रूपनारायणपुर फाड़ी ने तत्काल जांच शुरू की. अब तक कोलकाता की सीआईडी टीम और फॉरेंसिक विशेषज्ञ मंगलवार को घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए और वीडियो रिकॉर्डिंग की. सीसीटीवी फुटेज की जांच और संदिग्धों से पूछताछ जारी है. हालांकि अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, पर पुलिस की सक्रियता से स्थानीय लोगों में सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ा है. लोगों ने पुलिस गश्त बढ़ाने और इलाकों में पर्याप्त स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की है.

सुवेंदु अधिकारी पर हमले के विरोध में भाजपा का विरोध प्रदर्शन

शुभम संदेश। नियामतपुर

पश्चिम बंगाल में एक बार फिर राजनीतिक हिंसा सामने आई है. कूच बिहार में एक सभा में शामिल होने जा रहे नेता प्रतिपक्ष और भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी के काफिले पर कथित तौर पर टीएमसी कार्यकर्ताओं ने हमला कर दिया. घटना के विरोध में मंगलवार को नियामतपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया और ममता सरकार के खिलाफ नारेबाजी की. घटना के अनुसार, सुवेंदु अधिकारी के काफिले को कूच बिहार में रास्ते में रोक दिया गया. टीएमसी समर्थकों ने उन्हें काले झंडे दिखाए, गाड़ियों के शीशे तोड़े और कथित तौर पर जान से मारने की धमकी भी दी. हैरान करने वाली बात यह रही कि यह पूरी घटना पुलिस की मौजूदगी में हुई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई. इस घटना के विरोध में नियामतपुर में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन का नेतृत्व टिंकू वर्मा, अमर प्रसाद, सुनील भर, संजू घोष, मनमोहन राय, सत्यजीत दास सहित कई नेताओं ने किया. प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और विपक्षी नेताओं को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है. पुलिस प्रशासन तृणमूल कांग्रेस के इशारे पर काम कर रहा है और अपराधियों को संरक्षण मिल रहा है. भाजपा नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि दोषियों के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो राज्यव्यापी आंदोलन करेंगे.

बदहाल सड़क पर माकपा ने मछली छोड़कर किया प्रदर्शन

शुभम संदेश। पुरुलिया

काशीपुर के लाडा मोड़ पर मंगलवार को माकपा की काशीपुर दक्षिण एरिया कमेटी ने जर्जर सड़क की मरम्मत की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया. कार्यकर्ताओं ने सड़क पर जमा गंदे पानी में मछलियां छोड़कर विरोध जताया और रास्ता जाम किया. प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि तालाजुड़ी मोड़ से बांकुड़ा-काशीपुर रोड को जोड़ने वाली मुख्य सड़क जो सोनाथली, हदलदा, उपड़रा होते हुए हुड़ा में राज्य राजमार्ग से मिलती है काफी समय से बेहद खराब स्थिति में है. गड्ढों से भरी इस सड़क पर बारिश में कीचड़ और पानी भर जाता है, जिससे रोज़ाना राहगीरों और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है. माकपा नेताओं ने तत्काल सड़क मरम्मत की मांग की और चेतावनी दी कि अगर जल्द काम शुरू नहीं हुआ, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा. स्थानीय लोगों ने भी राजनीतिक दिखावे पर नाराज़गी जताते हुए स्थायी समाधान की मांग की है. बता दें कि इस सड़क पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का बोर्ड काफी समय से लगा हुआ है. तृणमूल कांग्रेस और भाजपा—दोनों ही दलों के नेताओं ने यहां सड़क निर्माण का फीता काटने की रस्म निभाई है. स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले पूर्व विधायक ने नारियल फोड़ा था, फिर कुछ दिन बाद वर्तमान विधायक नारियल लेकर पहुंच गए. पर हकीकत यह है कि सड़क पर आज तक काम शुरू नहीं हुआ.

गुरु तेगबहादुर की 350वीं शहादत पर जागृति यात्रा, तैयारी में सिख समाज

शुभम संदेश। बर्नपुर

सिखों के नौंवे गुरु, गुरु तेग बहादुर और उनके तीन शिष्यों की 350वीं शहादत को समर्पित विशेष जागृति यात्रा 31 अगस्त रविवार को गुरु के बाग पटना से शुरू होगी. यह यात्रा उन सभी स्थानों से गुजरेगी जहां से गुरु तेग बहादुर धर्म प्रचार के लिए गुजरे थे. इसकी तैयारी गुरु गोबिंद सिंह जी के जन्म स्थल तख्त श्री हरमंदिर जी पटना साहिब प्रबंधन कमेटी सहित अन्य गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा शुरू कर दी गई है. बर्नपुर के ध्रुव डंगाल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा भी इस यात्रा को सफल बनाने के लिए तैयारी की जा रही है. इसे लेकर मंगलवार को ध्रुव डंगाल स्थित बाबा दीप सिंह गुरुद्वारा में ध्रुव डंगाल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से

प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया. पत्रकारों को संबोधित करते हुए ध्रुव डंगाल प्रबंधक के अध्यक्ष हरपाल सिंह जोहल ने कहा कि एसपीजीसी, दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, श्री हरमंदिर साहिब प्रबंधक कमेटी पटना सहित दुनिया के सभी सिख संगत द्वारा गुरु तेग बहादुर जी के 350 वें शहादत दिवस को मनाने के लिए तैयारी शुरू कर दी गई है. विशेषकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आग्रह पर इस शहादत दिवस को यादगार बनाने के लिए तख्त श्री हरमंदिर साहिब पटना को आग्रह किया गया है. वर्ष 2017 में गुरु गोविंद सिंह जी के जन्म शताब्दी की तर्ज पर गुरु तेग बहादुर जी के शहादत दिवस को मनाने के लिए जागृति यात्रा गुरु के बाग पटना से शुरू होगी. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 31 अगस्त की दोपहर रवाना करेंगे. जिसके बाद यह यात्रा राजगीर, कोडरमा, धनबाद, निरसा से आसनसोल पहुंचेगी. इसके बाद यह जागृति यात्रा खड़गपुर होकर विभिन्न इलाके से गुजरकर उत्तरप्रदेश के विभिन्न इलाके से दिल्ली के शीशगंज पहुंचेगी. इस यात्रा को सफल बनाने के लिए विभिन्न राज्य की कमेटियों का गठन किया गया. प्रेसवार्ता में उपाध्यक्ष गुरदीप सिंह, महासचिव सुखविंदर सिंह, कोषाध्यक्ष परमजीत सिंह, अवतार सिंह, गुरदीप सिंह सैनी, हरदीप सिंह, महेंद्र सिंह शेरगिल, सतपाल सिंह आदि मौजूद थे.

बराकर वार्ड 67 में आमादेर पाड़ा आमादेर समाधान कैंप

शुभम संदेश। बराकर

प्रत्येक तीन बूथों को लेकर आमादेर पाड़ा आमादेर समाधान जन जनकल्याण कारी योजना शिविर का आयोजन मंगलवार को कुल्टी में किया गया. बराकर के वार्ड 67 के दो बूथ 204 ओर 205 के बराकर स्टेशन रोड, कल्याणेश्वरी रोड, लखियाबाद को लेकर बराकर कल्याणेश्वरी रोड स्थित महावीर धर्मशाला में कैंप का आयोजन किया गया. इस कैंप में आसनसोल नगर निगम के इंजीनियर कुमार साहेब के नेतृत्व में टीम में शामिल हुए. शिविर में एक दर्जन से ज्यादा कर्मी मौजूद थे. इस शिविर में द्वारे सरकार, राशन कार्ड, स्वास्थ्य साथी कार्ड, लख्खी भंडार, सहित पाड़ा में किसी प्रकार की कोई समस्या हो तो सुझाव ओर शिकायत कंप्लेन ड्रॉप बॉक्स रखा गया. पदाधिकारियों ने बताया कि इसमें लिखित शिकायत कर सकते है. इस योजना में बूथ के आम मतदाता अपने मोहल्ले में मुख्य समस्या जैसे सड़क, बिजली, पानी, नल, ड्रेन, स्ट्रीट लाइट, साफ सफाई सहित समस्याओं को लेकर सुझाव दे सकते है. इस योजना में प्रत्येक बूथ में सरकार दस लाख तक आवंटन करेगी, वही इस कैंप में स्थानीय पार्षद टूम्पा चौधरी मुख्य रूप से शामिल रही. उन्होंने लोगों से अपने अपने मोहल्ले की मुख्य समस्या को चिन्हित कर समाधान करने के लिए कहा गया. जहां सभी के द्वारा दिए गए सुझाव को लिखित तौर पर अधिकारियों को लिखित दिया. समस्याओं का समाधान नब्बे दिनों के भीतर सरकार द्वारा पूरा किया जाएगा. कैंप में कुल्टी ब्लॉक तृणमूल के अध्यक्ष कंचन राय, पूर्व पार्षद पप्पू सिंग, पार्षद प्रतिनिधि अभिषेक सिंह, वार्ड अध्यक्ष मुन्ना बारीक, दीनानाथ दास, सुब्रतो घोष, हैप्पी सिंग, अब्दुल बारीक मुख्य रूप से उपस्थित थे.

रक्षाबंधन पर अपने नाखूनों को दें न्यू लुक

रक्षाबंधन के मौके पर अगर अपने नाखूनों को न्यू लुक देना चाहती हैं तो इस आर्टिकल की मदद से आप ऐसा कर सकती हैं। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ नेल आर्ट डिजाइन दिखा रहे हैं जो नाखूनों को न्यू लुक देने के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं। वहीं इस तरह से नेल आर्ट डिजाइन आप आपने आउटफिट के हिसाब से बनवा सकती हैं और इस तरह के नेल आर्ट डिजाइन आपके नाखूनों को स्टाइलिश और न्यू लुक भी देंगे।

लीव्स डिज़ाइन नेल आर्ट

इस तरह का नेल आर्ट आप अपने नाखूनों पर बनवा सकती हैं। यह नेल डिजाईन आपके नाखूनों को न्यू लुक देंगे साथ ही अपने नाखून काफू खूबसूरत भी नजर आएंगे। इस तरह का नेल आर्ट डिजाइन आप दो से तीन नेल पोलिश की मदद से बनवा सकती है।

ओम्ब्रे पिंक क्लाउड डिजाइन नेल आर्ट

इस तरह का ओम्ब्रे पिंक क्लाउड डिजाइन नेल आर्ट भी आपके नाखूनों को न्यू लुक देगा। इस नेल आर्ट में पिंक नेल पोलिश साथ ही वाइट कलर की नेल पोलिश लगाई गई है जो आप घर पर बना सकती हैं।

ग्लिटर नेल आर्ट

इस तरह का ग्लिटर नेल आर्ट भी नाखूनों पर बनाया जा सकता है। अगर आप डार्क कलर का आउटफिट पहन रही हैं तो आप इस तरह का नेल आर्ट डिजाइन आपके आउटफिट के साथ परफेक्ट मैच करेगा। इस नेल आर्ट को आप 2 नेल पोलिश साथ ही ग्लिटर की मदद से बना सकती हैं।

ग्लिटर स्ट्रिप्स नेल आर्ट

यह नेल आर्ट भी आप अपने आउटफिट के हिसाब से बनवा सकती हैं। यह नेल आर्ट डिजाइन लाइट कलर के आउटफिट के साथ स्टाइल करने के लिए बेस्ट है और इस तरह के नेल आर्ट को आप 2 नेल पोलिश की मदद से बना सकती हैं।

क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल में रखें इन जरूरी बातों का ध्यान

आजकल हर बैंक बहुत आसानी से क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराता है। क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल अगर ठीक तरीके से किया जाए तो इससे ना सिर्फ आपको मुश्किल वक्त से उबरने में मदद मिलती है, साथ ही आपको अपनी वित्तीय जरूरतों के लिए किसी और पर निर्भर होने की जरूरत भी नहीं पड़ती। अगर आप पहली बार क्रेडिट कार्ड लेने जा रही हैं तो इसके इस्तेमाल को लेकर आप एक्साइटेड होंगी।

क्रेडिट कार्ड का यूज करते हुए आपको कई तरह के एक्साइटिंग ऑफर मिलते हैं। आप जितना खर्च करती हैं, उतनी ही तरह के लाभ आप पा सकती हैं। लेकिन क्रेडिट कार्ड जितनी सहूलियत देता है, बेहिसाब खर्च होने पर उतना ही नुकसानदेह भी साबित हो सकता है। अगर आप इसके इस्तेमाल में लापरवाह हुए तो फायदे के बजाय आपको इससे बहुत ज्यादा नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसीलिए आपको इसका इस्तेमाल करते हुए काफी होशियारी से काम लेना होगा। आइए जानें कि आप अपना पहला क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करते हुए किन बातों का ध्यान रखें-

क्रेडिट कार्ड पर लगने वाली फीस की करें तुलना

सभी क्रेडिट कार्ड पर अलग तरह से फीस और इंट्रस्ट रेट लगते हैं और इन पर बेनिफिट भी अलग होते हैं। जिस क्रेडिट कार्ड पर सबसे कम फीस वसूली जा रही हो, सबसे कम इंट्रस्ट देना पड़ता हो और ऐसे बेनिफिट्स मिलें, जिससे आपकी जरूरतें पूरी हो जाएं, वही आपके लिए बेस्ट है। हो सकता है कि अलग-अलग क्रेडिट कार्ड में इस तरह की सुविधाएं मिल रही हों, ऐसे में आप इन कार्ड्स से मिलने वाले ऑफर और उन पर लगने वाली फीस का कंपेरिजन कर लें तो अपने लिए सही विकल्प चुन सकती हैं।

क्रेडिट कार्ड है एक बड़ी जिम्मेदारी

क्रेडिट कार्ड आसानी से मिल जाता है। जरूरत पड़ने पर आप क्रेडिट कार्ड से पैसे भी उधार ले सकते हैं, लेकिन एक्सपेंडिचर लिमिट खत्म होने या फिर एक निश्चित अवधि के बाद आपको खर्च की गई रकम को वापस करना होता है। अगर इसमें देरी होती है या फिर आप उधार लिए पैसे देने में फेल होती हैं, तो इस पर इंट्रस्ट की दरें काफी ज्यादा होती हैं। इसीलिए क्रेडिट कार्ड से खर्च बहुत ज्यादा जरूरी चीजों पर ही करें और यह सुनिश्चित करें कि तय समय में कार्ड की ईएमआई चुका दी जाए।

बिलिंग साइकिल से पहले चुकाएं बकाया राशि

अगर आप क्रेडिट कार्ड पर लगने वाले भारी-भरकम लेट चार्जेज से बची रहना चाहती हैं तो आपके लिए बेहतर यही रहेगा कि आप बिलिंग साइकिल की तारीख से पहले ही अपनी बकाया राशि चुका दें। मसलन अगर आपकी बिलिंग साइकिल महीने की 7 तारीख को होती है तो आप 6 तारीख तक अपनी खर्च की हुई रकम वापस कार्ड के खाते में जमा कर दें।

बुद्धिमानी से इस्तेमाल करें इस्तेमाल

आप सोच रही होंगी कि क्रेडिट कार्ड को सिर्फ इमरजेंसी में ही इस्तेमाल किया जाए तो बेहतर रहेगा। लेकिन अगर आप कार्ड को नियमित रूप से नहीं इस्तेमाल करेंगी, तो उस पर भी चार्ज लग सकते हैं। ऐसे में आप उससे छोटे-छोटे खर्च करें, जिन्हें आसानी से चुकाया जा सके। इससे आपको अतिरिक्त चार्ज नहीं देने पड़ेंगे।

एक क्रेडिट कार्ड रखने में है समझदारी

जब आप क्रेडिट कार्ड के लिए अप्लाई करेंगी तो आपके पास कई बैंकों से ऑफर आ सकते हैं। लेकिन इसका अर्थ ये नहीं कि आप वो सभी ऑफर स्वीकार कर लें। पहली बार कार्ड लेते हुए एक कार्ड को बुद्धिमानी से इस्तेमाल करने में समझदारी है। अपनी जरूरत के हिसाब से सही क्रेडिट कार्ड लें। ध्यान रखें कि जितने ज्यादा क्रेडिट कार्ड आपके पास होंगे, आप पर कर्ज उतना ही ज्यादा बढ़ता जाएगा।

लो क्रेडिट लिमिट वाला कार्ड चुनें

क्रेडिट कार्ड से खर्च करते हुए नए-नए ऑफर्स का लाभ उठाने में काफी मजा आता है, लेकिन इसी मजे के चक्कर में कई बार खर्च आवश्यकता से ज्यादा हो जाता है। कई बार इस पैसे को बैंक को चुकाना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में क्रेडिट लिमिट आपकी मदद कर सकती है। अगर आपकी क्रेडिट लिमिट कम है तो आप उस लिमिट से ज्यादा खर्च नहीं करेंगी और उस राशि को समय रहते चुकाने में भी कामयाब होंगी।

इन 5 जगह पर क्रेडिट कार्ड से करें भुगतान, होगा फायदा

आज के समय में सब कुछ डिजिटल हो गया है। अब ना आपको बैंक में जाने की जरूरत है ना ही हमेशा पर्स उठाकर चलने की। डिजिटल पेमेंट करने के कई फायदे भी होते हैं। कुछ जगह पर क्रेडिट कार्ड से भुगतान करने पर आपको कैशबैक जैसे कई लाभ मिलते हैं। हम आज आपको ऐसी 5 जगहों के बारे में बताएंगे जहां क्रेडिट कार्ड से भुगतान करने पर आपको फायदा मिलेगा।

ऑनलाइन शॉपिंग करते वक्त

ऑनलाइन शॉपिंग करते वक्त क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करने से कई फायदे मिलते हैं। दरअसल आजकल हर प्लेटफार्म पर कार्ड से भुगतान करने पर कुछ प्रतिशत ऑफ मिलता है। वहीं अगर कैश भुगतान करें तो किसी तरह का ऑफ नहीं मिलता। इसके अलावा बहुत बार क्रेडिट कार्ड से भुगतान करने पर कैशबैक भी मिलता है। ऐसे में अगर आप भी कुछ ऑनलाइन ऑर्डर कर रहे हैं तो क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करें ताकि आप कुछ परसेंट ऑफ और कैशबैक का फायदा उठा सकें।

इलेक्ट्रॉनिक्स सामान खरीदने के लिए

इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदते वक्त क्रेडिट कार्ड से भुगतान करने पर हमें एक्स्ट्रा प्वाइंट्स मिलते हैं जो क्रेडिट कार्ड लिमिट बढ़ाने में बहुत मदद करते हैं। बहुत से शोरूम में कार्ड से भुगतान करने पर 5 से 10 प्रतिशत तक का ऑफ भी मिलता है जो आपके टोटल बिल में कटौती कर सकता है। इतना ही नहीं बहुत बार क्रेडिट कार्ड से ट्रांजैक्शन करने पर एक्सटेंडेड वारंटी भी मिलती है।

ट्रैवल के भुगतान के लिए करें इस्तेमाल

टैक्सी से लेकर एयर टिकट की बुकिंग के लिए भी क्रेडिट कार्ड यूज करना फायदेमंद रहता है। अगर आपके कार्ड के टोटल प्वाइंट ज्यादा है तो आपकी टिकट की कीमत में भी कटौती हो सकती है। एयर टिकट ही नहीं टैक्सी आदि के भुगतान के वक्त भी क्रेडिट कार्ड से भुगतान करने पर कुछ परसेंट ऑफ मिलता है। बहुत बार ओला और उबर जैसी कंपनी भी अपने यात्रियों को ऑनलाइन भुगतान करने पर 50 प्रतिशत तक का ऑफ देती है।

मॉल से शॉपिंग करते वक्त

मॉल में अक्सर अलग-अलग क्रेडिट कार्ड के लिए कोई ना कोई ऑफर चल रहा होता है। कई बार ऐसे भी ऑफर होते हैं कि 5000 का सामान खरीदकर कार्ड से भुगतान करने पर 2000 रुपए की कटौती हो जाती है। ऐसे ऑफर का फायदा उठाने के लिए आप भी मॉल में भुगतान करते वक्त कार्ड का इस्तेमाल कर सकते हैं।

होटल में करें भुगतान

मॉल की तरह होटल में भी कार्ड से भुगतान करने पर ऑफ मिलता है। बहुत बार क्रेडिट कार्ड से भुगतान करने पर कैशबैक प्वाइंट भी मिलते हैं। आजकल ज्यादा कैश लेकर चलना सुरक्षित नहीं हैं। साथ ही क्रेडिट कार्ड से भुगतान करने पर कुछ फायदे भी मिलते हैं। इन फायदों को उठाने के लिए आप भी क्रेडिट कार्ड से भुगतान कर सकते हैं।

बारिश की वजह से दीवारों और सीढ़ियों पर जम गई है गहरी काई? झटपट हटाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

बारिश के मौसम में दीवारों और सीढ़ियों पर काई जम जाती है, जिसे जड़ से हटाना काफी मुश्किल होता है। ये दरअसल, घर की सुंदरता को खराब करता है और यह फिसलन की वजह से दुर्घटना का कारण भी बन सकती है। ऐसे में, नजरअंदाज करने के बजाय कुछ असरदार और आसान तरीकों से आप इसे झटपट हटा सकते हैं।

बारिश का मौसम दिखने में जितना सुहावना होता है, उतना ही अपने साथ कई परेशानियां भी लेकर आता है। इन्हीं में से एक बड़ी समस्या है- दीवारों, सीढ़ियों और छत की फर्श पर गहरी काई का जमना। यह फिसलन भरी काई बच्चे, बड़े और बूढ़े हर किसी के लिए मुसिबत होते हैं। यह न सिर्फ आपके घर की सुंदरता को प्रभावित करती है, बल्कि इस पर पैर पड़ने से गंभीर चोट लगने का खतरा भी बना रहता है। अगर आप भी बारिश की वजह से इस जिद्दी काई से परेशान हैं और इसे हटाने का कोई आसान व कारगर तरीका ढूंढ रही हैं, तो अब आपको और परेशान होने की जरूरत नहीं है। यहां हम आपको ऐसे तीन असरदार घरेलू उपाय बताने जा रहे हैं, जिनकी मदद से आप इस काई को मिनटों में साफ कर सकती हैं। ये तरीके सस्ते और बेहद प्रभावी भी हैं। इनके इस्तेमाल से आपकी दीवारों और फर्श को कोई नुकसान भी नहीं होगा। इस आर्टिकल में दिए गए 3 असरदार तरीकों को अपनाकर आप इसे आसानी से और झटपट हटा सकते हैं।

सख्त ब्रश और खुरचने वाले औजार

एक सख्त ब्रश या खुरचने वाले औजार से रगड़कर काई को हटाने की कोशिश करें। अगर फिर भी ये नहीं हट रहे हैं, तो इन जगहों पर नमक और पानी का घोल डालें और इसे मोटे पेपर से रब करें। आप चाहें तो इसे अच्छी तरह से खुरचने के लिए बालू का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। यह रखेपन से जल्दी छूटेगा और आपकी बालकनी, सीढ़ियां और दीवारें भी काई से मुक्त हो जाएंगे। काई हटाने के बाद, भविष्य में इसे फिर से जमने से रोकने के लिए उस जगह को पूरी तरह सूखने दें। अगर संभव हो तो उस जगह पर पानी जमा न होने दें और सूरज की रोशनी पड़ने दें।

ब्लीच और पानी का घोल

काई हटाने का यह सबसे प्रभावी और सस्ता तरीका है। ब्लीच में मौजूद रसायन काई और फफूंदी को जड़ से खत्म कर देते हैं। एक बाल्टी में 1 भाग ब्लीच और 3 भाग पानी मिलाएं। इस घोल को सीधे काई वाली जगह पर स्प्रे करें या ब्रश की मदद से लगाएं। इसे 10-15 मिनट तक लगा रहने दें। एक सख्त ब्रश से रगड़कर साफ करें और फिर पानी से धो लें। ब्लीच का इस्तेमाल करते समय दस्ताने जरूर पहनें।

बेकिंग सोडा, सिरका और पानी का घोल

अगर आप ब्लीच का इस्तेमाल नहीं करना चाहते, तो सिरका एक प्राकृतिक और सुरक्षित विकल्प है। सिरके में मौजूद एसिड काई को ढीला कर देता है। एक स्प्रे बोतल में बराबर मात्रा में बेकिंग सोडा, सफेद सिरका और पानी मिलाएं। घोल को काई वाली सतह पर अच्छी तरह से स्प्रे करें। इसे 30 मिनट से 1 घंटे तक लगा रहने दें। फिर एक सख्त ब्रश से रगड़कर साफ करें और पानी से धो लें।

मंथन

अलविदा जननायक आपको अंतिम जोहार

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक और राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर जब राजधानी रांची से उनके पैतृक गांव नेमरा ले जाया गया, तो वह केवल एक नेता की शवयात्रा नहीं थी-वह एक युग, एक आंदोलन और एक आदिवासी चेतना की अंतिम यात्रा थी. इस यात्रा में उमड़े जनसैलाब ने यह स्पष्ट कर दिया कि दिशोम गुरु केवल एक राजनेता नहीं थे, वे झारखंड की आत्मा थे, जिन्होंने जीवनपर्यंत जल, जंगल और ज़मीन के लिए संघर्ष किया. रांची से रामगढ़ तक की सड़कें भावुक श्रद्धांजलियों और 'वीर शिबू अमर रहें' के नारों से गूंज उठीं. मार्ग में पड़ने वाले गांवों, कस्बों और चौराहों पर लोग स्वतःस्फूर्त तरीके से एकत्र हुए. नमन करने वालों की आंखें नम थीं, हाथ जुड़े हुए थे, और मन गुरुजी के प्रति कृतज्ञता से भरा हुआ. यह दृश्य केवल एक व्यक्ति के लिए नहीं था, यह उस विचार और संघर्ष के लिए था, जिसने झारखंड को उसकी पहचान दिलाई. रांची स्थित मोरहाबादी आवास से जब अंतिम यात्रा निकली, तो हजारों लोग दर्शन को उमड़ पड़े. झारखंड विधानसभा में उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए राज्यपाल संतोष गंगवार, विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो, केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, आप नेता संजय सिंह समेत देशभर के प्रमुख राजनीतिक हस्तियां मौजूद रहीं. यह उपस्थिति इस बात का प्रमाण थी कि दिशोम गुरु का कद केवल झारखंड तक सीमित नहीं था, उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर भी आदिवासी राजनीति और अधिकारों को स्वर दिया. गुरुजी के अंतिम संस्कार की रस्में उनके पुत्र और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने नेमरा गांव में पूरी कीं. यह दृश्य भावनाओं से भरा हुआ था. एक बेटे का पिता के प्रति कर्तव्य निर्वहन और एक मुख्यमंत्री का अपने मार्गदर्शक को अंतिम सम्मान-यह संयोग विरल है. इस अवसर पर अनेक दलों के नेताओं का एक मंच पर एकत्र होना यह भी दर्शाता है कि शिबू सोरेन की राजनीति द्वेष की नहीं, समावेश की थी. दिशोम गुरु के जाने के साथ एक लंबा राजनीतिक अध्याय समाप्त हो गया, जो आदिवासी चेतना, जन आंदोलनों और क्षेत्रीय पहचान के संघर्ष से उपजा था. उन्होंने महाजनी प्रथा के खिलाफ लड़ाई लड़ी, शराबबंदी का आंदोलन किया, और अंततः झारखंड राज्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. उनका जीवन उन लाखों आदिवासियों की कथा है जो सदियों से उपेक्षित रहे, पर जिनकी आवाज़ को उन्होंने संसद और विधानसभाओं तक पहुंचाया. स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी द्वारा उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न देने की जो मांग की गई है, वह केवल राजनीतिक औपचारिकता नहीं है, यह उस संघर्ष की स्वीकृति है जिसे दशकों तक शिबू सोरेन ने नेतृत्व दिया. भारत रत्न यदि किसी ऐसे व्यक्ति को मिले, जिसने बिना किसी व्यक्तिगत लाभ की अपेक्षा किए समाज के अंतिम व्यक्ति तक अधिकार की रोशनी पहुंचाई, तो वह सम्मान भी पूर्ण होगा और अर्थपूर्ण भी. दिशोम गुरु के निधन पर झारखंड ही नहीं, देश भर में शोक की लहर दौड़ गई. लेकिन उनके जीवन का सार यही है कि मृत्यु के बाद भी वे लोगों के हृदय में जीवित हैं. अंतिम यात्रा में शामिल हर व्यक्ति का चेहरा गवाही दे रहा था कि यह यात्रा केवल शरीर की नहीं थी-यह विचारों, संघर्षों और उस चेतना की विदाई थी जिसने झारखंड को झारखंड बनाया. आज जब झारखंड, आदिवासी समाज और देश उन्हें अंतिम विदाई दे रहा है, तब यह स्मरण आवश्यक है कि गुरुजी ने जो आंदोलन खड़ा किया, वह केवल भूगोल का नहीं था, वह स्वाभिमान का आंदोलन था. ऐसा कम ही होता है कि जो सपना देखा जाए, वो पूरा ही हो, लेकिन गुरुजी ने अलग राज्य का सपना पूरा कर दिखाया. यह हमारी जिम्मेदारी है कि उनके दिखाए मार्ग पर चलकर झारखंड को न्याय, समानता और समरसता की उस दिशा में ले जाएं, जिसका स्वप्न उन्होंने देखा था. **दिशोम गुरु अमर रहें...**

हमारी लड़ाई 'दिकुओं' से नहीं 'शोषकों' से है

हरिवंश

दिशोम गुरु शिबू सोरेन का 38 साल पहले लिया गया एक इंटरव्यू

उस दौर में शिबू सोरेन झारखंड आंदोलन की अगुआई कर रहे थे. गांव-गांव में गुरुजी के नाम से लोकप्रिय. राजनीतिक ही नहीं, सामाजिक बदलाव की लड़ाई भी लड़ रहे थे.

'दिशोम गुरु' शिबू सोरेन नहीं रहे. स्मृति उभरी. उनसे पहली मुलाकात की. दिसंबर का महीना.वर्ष, 1987. कोलकाता में 'रविवार' (आनंद बाजार पत्रिका समूह) में काम करता था. कोलकाता से उनसे बातचीत करने ही झारखंड (तब, अविभाजित बिहार का हिस्सा) आया था. शिबू सोरेन झारखंड आंदोलन की अगुवाई कर रहे थे. गांव-गांव में गुरुजी के नाम से लोकप्रिय. सिर्फ राजनीतिक नहीं, सामाजिक बदलाव की लड़ाई भी लड़ रहे थे. आदिवासियों, झारखंडियों को शराब छोड़ने और शिक्षा से जुड़ने की प्रेरणा दे रहे थे. उनसे एक गांव में मुलाकात हुई. लंबी बातचीत हुई.

तब शिबू सोरेन के आंदोलन का ही हवाला देकर 'दिकू' शब्द को लेकर भी भ्रम फैला था. उन्होंने बातचीत में बहुत ही स्पष्ट शब्दों में सब बताया था. अब, उनके न रहने पर, उनकी स्मृतियों को समर्पित करते हुए फिर से उस इंटरव्यू ('रविवार', 05 दिसंबर 1987) का एक अंश साझा कर रहा हूं. यह इंटरव्यू हाल ही में प्रकाशन संस्थान (नई दिल्ली) से प्रकाशित 'समय के सवाल' सीरीज के दूसरे खंड की किताब 'झारखंडः सम्पन्न धरती-उदास बसंत' में संकलित-प्रकाशित है.

शिबू सोरेन आदिवासियों के दूसरे 'मरांग गोमके' हैं. 1967-69 में बनियों के खिलाफ उनका धान काटो आंदोलन गिरिडीह, हजारीबाग और धनबाद अंचल में काफी सफल रहा. उस वक्त उन्होंने जन-अदालतों का गठन किया और नारा दिया, 'जमीन का फैसला जमीन में होगा, कोर्ट-कचहरी में नहीं.' उन दिनों शिबू सोरेन के नेतृत्व में चलनेवाले आंदोलन का यह आलम था कि रात के डेढ़-दो बजे भी नगाड़े की आवाज पर हजारों आदिवासी पलक झपकते एकजुट हो जाते थे. फिर एके राय, विनोद बिहारी महतो और शिबू सोरेन के सामूहिक नेतृत्व में झारखंड मुक्ति मोरचा की जड़ें काफी फैलीं और मजबूत हुईं. अब एक बार फिर शिबू सोरेन पुराने तेवर के साथ झारखंड की लड़ाई में कूदने के लिए तैयार और इसके लिए वह गांव-गांव घूम भी रहे. एक आदिवासी गांव में उनसे हुई बातचीत का ब्योरा.

सवाल : आपपर आरोप है कि झामुमो के अंदर आप कांग्रेस की राजनीति करते हैं?

जवाब: यह आरोप उन लोगों ने लगाया है, जो मेरा चरित्र हनन करना चाहते हैं. यह कुछ भ्रष्ट कांग्रेसियों, दूसरे दलों के ओछे नेताओं और नौकरशाहों की साजिश का परिणाम है. छोटानागपुर में जयपाल सिंह के बाद सबसे सशक्त आंदोलन मेरे नेतृत्व में चला और चल रहा है. इससे जिस स्वार्थी तबके को खतरा है, वह मुझे बदनाम करने पर तुला है और यह उसी द्वारा किया गया कुप्रचार है.

सवाल : झामुमो और आजसू के बीच क्या संबंध हैं?

जवाब : आजसू का गठन हम लोगों ने ही किया था. हमारा उद्देश्य था कि विद्यार्थियों का राजनीतिक प्रशिक्षण हो, ताकि भविष्य में ये लोग सक्षम नेतृत्व दे सकें. महिला, मजदूर, बुद्धिजीवी आदि हर वर्ग में हमने अपना संगठन बनाया है.

सवाल : क्या आजसू आपकी कल्पनानुसार चल रहा है?

जवाब: इसमें बाद में कुछ अवांछित तत्त्व घुस आये, ऐसे लोगों का क्रियाकलाप संदिग्ध था. ये हमारे संगठन व समिति से बगैर परामर्श किये काम करने लगे थे.

सवाल : झारखंड की लड़ाई आप कैसे लड़ना चाहते हैं? 'दिकू' किसे मानते हैं?

जवाब : झारखंड की लड़ाई संविधान के तहत, प्रजातांत्रिक तरीके से ही हम लड़ना चाहते हैं. हम चाहते हैं कि हमारे लिए अलग राज्य बने, जहां हमारी बात पर गौर हो, समस्याएं सुनी जायें. पिछले वर्ष के अनुभवों को देखते हुए हमारी आशा खत्म हो गयी है. अब बिना अलग राज्य का गठन हुए हमारा शोषण खत्म नहीं हो सकता. हमारी मांग '50 के दशक में आरंभ हुई. इसके बाद भाषा, संस्कृति और जातीयता के नाम पर अनेक नये राज्यों का गठन हुआ है. मसलन पंजाब, हरियाणा, गोवा, मिजोरम आदि. लेकिन हमारी मांग पूरी नहीं हुई. उलटे हमारे जंगल और भाई-बंधु शोषण के केंद्र बन गये. लकड़ी ढोने के लिए जंगलों तक सड़क बनी, लकड़ी ढोने और जंगल को तहस-नहस करने के बाद सड़क खत्म हो गयी. अब सरकार को ऐसी सड़कों से कोई लेना-देना नहीं है. जंगल का फॉरेस्ट गार्ड कहता है कि जंगल हमारा है. आदिवासी कहते हैं, इस पर हमारा हजारों वर्षों से आधिपत्य है. पुलिस, ठेकेदारों और जंगल अधिकारियों से मिली हुई है. इसलिए संघर्ष स्वाभाविक है. 'दिकू' हम उसे कहते हैं जिसके अंदर दिक्-दिक् (तंग करने) करने की प्रवृत्ति हो. दिक् करनेवाला हमारा आदमी भी हो सकता है. दिकू-गैर आदिवासी नहीं है. हजारों गैर आदिवासियों का झारखंड के प्रति समर्पण है. जब शोषकों के खिलाफ हमला होता है, तो कुछ लोग कुप्रचार करते हैं कि दिकुओं को भगाया जा रहा है, ताकि आन्दोलन के चरित्र उद्देश्य के बारे में लोगों का ध्यान मोड़ा जा सके.

सवाल : आजसू के छात्रों ने आदिवासी विधायकों-सांसदों से त्यागपत्र देने की मांग की है? आप लोग क्या कर रहे हैं? क्या आपकी लड़ाई हिंसक भी हो सकती है?

जवाब: हमने पार्टी में पुनर्विचार किया था कि आखिर विधायक या सांसद बन जाने से क्या फायदे होते हैं? मेरे मन में यह बात आती थी कि जब कोई कारगर काम नहीं हो रहा है, तो हमें त्यागपत्र देना चाहिए. अफसर भ्रष्ट हैं. कोई बात सुनने को तैयार नहीं. लेकिन ऐसी बातों का निर्णय पार्टी की केंद्रीय समिति ही करेगी. आजसू के लोगों ने इस संबंध में अपने ढंग से अपना सिक्का जमाने के लिए यह 'काल' दिया है. कुछ ऐसे विधायक हैं, जो आजसू के द्वारा इस मांग को बढ़ावा दे रहे हैं, लेकिन वे खुद त्यागपत्र नहीं दे रहे हैं. आजसू के पीछे सही लोग नहीं हैं.सांस्कृतिक रूप से, पैदा होते ही हम तीर-धनुष उठा लेते हैं. तीर-धनुष के बल जंगलों की सफाई कर हमने जमीन हासिल की. जंगली जानवरों ने तब हम पर हमला किया. आज जंगल पर दूसरे लोग काबिज हो गये हैं. ठेकेदार और सरकारी अफसर हम पर जो अमानुषिक अत्याचार करते हैं, उसका विरोध हम तीर-धनुष से करते हैं. बम, पिस्तौल या सेना हमारे पास नहीं है. हम झारखंड में हिंसात्मक माहौल नहीं बनने देना चाहते, लेकिन इस बात को सरकार नहीं समझ पा रही है.

(हरिवंश जी, राज्यसभा के उप सभापति हैं. वह वरिष्ठ संपादक रहे हैं. उनके फेसबुक वॉल से यह लेख साभार लिया गया है.

आज का इतिहास

1862 : मद्रास उच्च न्यायालय की स्थापना.

1906 : स्वतंत्रता सेनानी चितरंजन दास और अन्य कांग्रेस नेताओं ने 'वंदेमातरम' समाचार पत्र का प्रकाशन शुरू किया.

1960: क्यूबा ने देश की तमाम संपत्ति का राष्ट्रीयकरण किया.

1962 : जमैका को स्वतंत्रता मिली.

1964 : अमेरिका के नेवेदा में विश्व के सबसे प्राचीन वृक्ष प्रोमेथस को काटा गया.

1986: भारत के प्रथम टेस्ट ट्यूब बेबी का जन्म.

1996: नासा ने मंगल पर जीवन की उम्मीद जताई.

2007 : हंगरी के वैज्ञानिकों ने लगभग 80 लाख साल पुराने देवदार के वृक्ष का जीवाश्म प्राप्त करने का दावा किया.

2010 : जम्मू और कश्मीर में अचानक आई बाढ़ से कम से कम 255 लोग मारे गए.

2011 : थाईलैंड में प्यूइआ थाई दल की यिंगलुक शिनवात्रा शुरिवार देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं.

ज्ञानी बाबा ने दी सिकंदर को महान सीख, हुआ नतमस्तक

चिंतन

सिकंदर ने ग्रीस, इजिप्ट समेत उत्तर भारत तक अपना साम्राज्य स्थापित कर लिया.सालों से युद्ध करती सिकंदर की सेना बहुत थक चुकी थी और अब वो अपने वापस लौटना चाहती थी. सिकंदर को सैनिकों की इच्छा का सम्मान करना पड़ा और उसने भी भारत से लौटने का मन बना लिया. पर जाने से पहले वह किसी ज्ञानी को साथ ले जाना चाहता था. लोगों से पूछने पर उसे एक बाबा के बारे में पता चला. सिकंदर वहां पहुंचा. बाबा नंगे पेड़ के नीचे ध्यान लगा कर बैठे थे. कुछ देर बाद बाबा ध्यान से बाहर निकले और उनके आंखें खोलते ही सैनिक सिकंदर महान के नारे लगाने लगे. बाबा मुस्कुरा रहे थे. सिकंदर उनके सामने आया और बोला, मैं आपको अपने देश ले जाना चाहता हूं. चलिए हमारे साथ. बाबा बोले, मैं तो यहीं ठीक हूं. तुम्हे जहां जाना है जाओ.

मामूली से संत का यह जवाब सुनकर सिकंदर के सैनिक भड़क उठे. सिंकदर ने सैनिकों को शांत करते हुए बाबा से कहा, मैं ना सुनने का आदी नहीं हूं , आपको चलना ही होगा. बाबा बोले, यह मेरा जीवन है और मैं ही इसका फैसला कर सकता हूं कि मुझे कहां जाना है और कहां नहीं.यह सुन सिकंदर गुस्से से लाल हो गया उसने अपनी तलवार बाबा के गले से सटा दी, मेरे साथ चलोगे या मौत को गले लगाओगे? बाबा शांत थे, मैं तो कहीं नहीं जा रहा, तुम मुझे मारना चाहते हो तो मार दो, पर अब अपने नाम के साथ महान शब्द न लगाना. तुम तो मेरे गुलाम के भी गुलाम हो. तुम्हारा मतलब क्या है? सिकंदर क्रोधित होते हुए बोला. बाबा बोले, क्रोध मेरा गुलाम है, मैं जब तक नहीं चाहता क्रोध नहीं आता, लेकिन तुम क्रोध के गुलाम हो, तुमने बहुत से योद्धाओं को हराया,पर क्रोध से नहीं जीत पाए, तो बताओ हुए न तुम मेरे गुलाम के गुलाम.

सिकंदर बाबा की बातें सुनकर स्तब्ध रह गया. वह उनके सामने नतमस्तक हो गया और अपने सैनिकों के साथ वापस लौट गया.

मित्रों, महात्रिया रा कहते हैं, हम जितनी बार गुस्सा होते हैं, उतनी बार हमारे शरीर में एसिड बनता है. एसिड जिस बर्तन में होता है उसे नष्ट कर देता है. गुस्से का सबसे बड़ा शिकार खुद गुस्सा करने वाला ही होता है. आइए इस प्रेरणादायक कहानी से सीख लेते हुए हम अपने गुस्से को काबू में करने का प्रयास करें.

X इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #AamchaDEVABHAU
2. #vivoT4RonFlipkart
3. #KashmirGrowthStory
4. #MahaCM4LadkiBahin
5. #UdayIndiaVirginLandSummit
6. charlie puth
7. Sant RampalJi YT Channel
8. hobi
9. आदिल सैफी
10. पवित्र गीता

बहुरंग

जज्बे और बलिदान की कहानी लाएंगे फरहान अख्तर इंतजार खत्म, '120 बहादुर' का टीजर रिलीज

पोस्टर के जबरदस्त स्वागत के महज एक दिन बाद ही, '120 बहादुर' के निर्माताओं ने आखिरकार वह टीज़र पेश कर दिया है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे. ये टीज़र भव्यता, भावनाओं और जोशीली देशभक्ति से भरपूर है. इसमें फरहान अख्तर को मेजर शैतान सिंह भाटी की दमदार भूमिका में देखा जा सकता है. टीज़र की पहली झलक से ही साफ हो जाता है कि यह फिल्म हिम्मत, जज़्बा और बलिदान की एक गाथा है, एक ऐसी वॉर एपिक जो दर्शकों के दिलों में उतरने वाली है. 1962 के रेजांग ला युद्ध की सच्ची बहादुरी पर आधारित इस फिल्म की कहानी में, टीज़र दिखाता है कि कैसे 120 भारतीय जवान हज़ारों दुश्मनों के सामने डटे रहे और इतिहास रच दिया. हर सीन के बीच गूंजती है एक दमदार आवाज़, हम पीछे नहीं हटेंगे जो न सिर्फ़ उनकी जिद और जज़्बे को दिखाती है, बल्कि फिल्म की आत्मा बनकर उभरती है. यह टीज़र ना केवल युद्ध की वीरता दर्शाता है, बल्कि देशभक्ति की उस आग को भी जगाता है, जो हर भारतीय के दिल में है. मेकर्स ने टीज़र को अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, फरहान अख्तर की दमदार वापसी! टीज़र में फरहान को एक गंभीर, संयमित और भावनात्मक अंदाज़ में दिखाया गया है, जो अब तक के उनके सबसे अलग किरदारों में से एक है. मेजर शैतान सिंह के रूप में उनका अभिनय पहले ही अपनी प्रामाणिकता और शांत प्रभाव के लिए लोगों की तारीफें बटोर रहा है. लद्दाख, राजस्थान और मुंबई की लोकेशनों पर फिल्माई गई '120 बहादुर' अब तक की सबसे भव्य युद्ध गाथाओं में से एक बनकर सामने आ रही है. यह फिल्म रेजांग ला की लड़ाई को पूरी सच्चाई और सम्मान के साथ परदे पर उतारती है. जमी हुई सफेद बर्फ, युद्ध की खामोश लेकिन गूंजती ज़मीन, और हर फ्रेम में छिपी गहराई, यह फिल्म सिर्फ एक कहानी नहीं, बल्कि एक एपिक अनुभव बनने जा रही है. राजनीश घोष के निर्देशन में बनी यह फिल्म रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर (एक्सेल एंटरटेनमेंट) और अमित चंद्रा (ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज) के बैनर तले तैयार की गई है. फिल्म '120 बहादुर' 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी.

बॉक्स ऑफिस पर 'सैयारा' का कुल कलेक्शन 302.25 करोड़

इन दिनों सिनेमाघरों में कई फिल्में रिलीज हो रही हैं, लेकिन हाल ही में आई कुछ फिल्मों को दर्शकों से खास प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई है. वहीं, मोहित सूरी की निर्देशित फिल्म 'सैयारा' बॉक्स ऑफिस पर लगातार धमाल मचा रही है. रिलीज के तीसरे हफ्ते में भी फिल्म की पकड़ मजबूत बनी हुई है. भारत में 'सैयारा' अब तक 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है, जो इस साल की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक मानी जा रही है.

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, 'सैयारा' ने अपनी रिलीज के 18वें दिन, यानी तीसरे सोमवार को करीब 2.50 करोड़ रुपये की कमाई की. इसके साथ ही फिल्म का भारत में कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 302.25 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. केवल देश में ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी 'सैयारा' शानदार प्रदर्शन कर रही है. अब तक फिल्म ने दुनियाभर में 460.15 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार कर लिया है. फिलहाल के ट्रेंड्स को देखते हुए यही कहा जा सकता है कि 'सैयारा' की रफ्तार थमती नहीं दिख रही. 'सैयारा' की कहानी वाणी बत्रा (अनीत पड्डा) और कृष कपूर (अहान पांडे) के इमोशनल सफर को बयां करती है. वाणी एक ऐसी लड़की है, जिसने प्यार में गहरी चोट खाई है, वहीं कृष अपने टूटे हुए ख्वाबों को फिर से संजोने की जद्दोजहद में है.

फिल्म इन दोनों किरदारों की भावनाओं और रिश्तों की उलझनों को खूबसूरती से सामने लाती है. सिनेमाघरों में जबरदस्त सफलता के बाद अब 'सैयारा' का डिजिटल प्रीमियर नेटफ्लिक्स पर होने जा रहा है. खास बात यह है कि यह नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने वाली यशराज फिल्म्स की पहली थियेट्रिकल रिलीज होगी.

जेनेलिया के बर्थडे पर रितेश देशमुख का इमोशनल पोस्ट वायरल

बॉलीवुड अभिनेत्री जेनेलिया डिसूजा ने हाल ही में अपना 38वां जन्मदिन मनाया. इस खास मौके पर उनके पति और अभिनेता रितेश देशमुख ने अपने प्यार का इज़हार करते हुए एक खूबसूरत पोस्ट शेयर की. रितेश ने अपने इंस्टाग्राम पर जेनेलिया के साथ कई प्यारी तस्वीरें पोस्ट कीं, जो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं. इन तस्वीरों के साथ उन्होंने एक भावनात्मक संदेश भी लिखा, जिसमें जेनेलिया को उन्होंने अपना जीवन, प्रेरणा और सबसे करीबी दोस्त बताया. रितेश ने लिखा, जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं मेरी प्यारी पत्नी. तुम्हारा ये खास दिन मुझे हर बार ये एहसास दिलाता है कि मैं कितना सौभाग्यशाली हूं जो तुम मेरी जिंदगी में हो. तुम न सिर्फ मुझे मुस्कुराने की वजह देती हो, बल्कि हमारे बच्चों की एक बेहतरीन मां, अपने माता-पिता की आदर्श बेटी और मेरी सबसे सच्ची दोस्त भी हो. तुम्हारी अच्छाइयों की कोई गिनती नहीं, तुम हर किसी को दिल खोलकर प्यार और वक्त देती हो. हमारे परिवार की असली ताकत तुम ही हो. तुम मुझे छेड़ती हो, मुझ पर हंसती हो, दोस्तों के बीच मेरे मजेदार किस्से सुनाकर मुझे शर्मिंदा कर देती हो, और मुझे यह सब बेहद पसंद है. तुम हमेशा मेरे साथ खड़ी रहती हो, मुझे प्रोत्साहित करती हो और हर मुश्किल में मेरा सबसे बड़ा सहारा बनती हो. तुम हमारे घर की रूह हो. इस साल तुम्हें वो सब मिले, खुशी, प्यार और थोड़ा सुकून, जिसके तुम सच में हकदार हो. रितेश ने अपने संदेश में आगे लिखा, तुम मुझे हर दिन एक बेहतर इंसान बनने की प्रेरणा देती हो. मुझे खुद पर गर्व होता है कि तुम मेरी जिंदगी का हिस्सा हो. मैं तुमसे बेहिसाब प्यार करता हूं और अपना पूरा जीवन इसी प्यार को तुम्हें महसूस कराने में बिताना चाहता हूं. हैप्पी बर्थडे, मेरी जान. गौरतलब है कि रितेश और जेनेलिया ने 3 फरवरी 2012 को मराठी परंपराओं के अनुसार शादी रचाई थी. इस प्यारे जोड़े के दो बेटे हैं, रियान और राहिल देशमुख.

मेष : जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी. शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा. कामकाज की अधिकता रहेगी. व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. अर्थपक्ष मजबूत रहेगा. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. शुभांक-7-8-9

वृष : कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. अवरुद्घ कार्य संपन्न हो जाएंगे. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी. यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. आनन्ददायक वातावरण बनेगा. शुभांक-2-7-9

मिथुन : कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. होश में रहकर कार्य करें. कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे. स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा. कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है. शुभांक-3-7-9

कर्क : राजकीय कार्यों से लाभ. पैतृक सम्पत्ति से लाभ. कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें. शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे. कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी. शुभांक-4-8-9

सिंह : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी. शत्रुभय, ङ्क्षचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे. भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा. कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे. सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा. शुभांक-3-6-8

कन्या : मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा. कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे. सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी. शुभांक-4-5-9

तुला : नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे. यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा. मेहमानों का आगमन होगा. शुभांक-3-7-9

वृश्चिक : पुरानी गलती का पश्चाताप होगा. पैतृक सम्पत्ति से लाभ. मेहमानों का आगमन होगा. विद्यार्थियों को लाभ. दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. राजकीय कार्यों से लाभ. धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें. शुभांक-2-7-8

धनु : आय के अच्छे योग बनेंगे. संतान की उन्नति के योग हैं. स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा. आत्मङ्क्षचतन करें. पुराने मित्र से मिलन होगा. स्वविवेक से कार्य करें. शत्रुपक्ष से सावधान रहें. भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा. आत्मविश्वास बढ़ेगा. अर्थपक्ष मजबूत रहेगा. इच्छित कार्य सफल होंगे. शुभांक-3-6-9

मकर : 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी. मेहमानों का आगमन होगा. परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा. कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा. मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें. शुभांक-4-6-8

कुंभ : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. शुभ कार्यों में व्यय होगा. जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिलेगा. मान-सम्मान बढ़ेगा. शुभांक-1-3-7

मीन : लाभ में आशातीत वृद्घि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं. विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. स्वास्थ्य मध्यम होगा. व्यापार में स्थिति नरम रहेगी. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. भविष्य की योजनाएं फलीभूत होंगी. शुभांक-1-5-9

गाबा, ओवल से केपटाउन तक, पिछले 15 सालों में 7 अद्भुत टेस्ट सीरीज व भारत की जीत

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए खेली गई पांच मैच की सीरीज 2-2 से बराबर रही जिससे कड़े मुकाबले वाली सीरीज की लंबी सूची में एक और चमकदार पन्ना जुड़ गया. ऐसा पहली बार नहीं हुआ जबकि कोई टेस्ट सीरीज रोमांच के चरम पर समाप्त हुई. पिछले डेढ़ दशक में हुए कुछ यादगार मुकाबलों को देखिए.

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, 2020-21 : संभवत : यह खेल के इतिहास की सर्वश्रेष्ठ सीरीज में से एक थी, जिसमें भारत ने अपने कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने और कुछ कड़ी चुनौतियों से पार पाकर ऑस्ट्रेलिया पर 2-1 से जीत दर्ज की. एडिलेड में 36 रन के अपने न्यूनतम स्कोर पर आउट होने से लेकर गाबा में

तीन विकेट की जीत तक, कार्यवाहक कप्तान अजिंक्य रहाणे के नेतृत्व में भारत ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को उसकी धरती पर ही धूल चटा दी.

भारत बनाम श्रीलंका, 2015 : इस सीरीज से ही नए कप्तान विराट कोहली के नेतृत्व में अगले दशक के लिए टेस्ट क्रिकेट में भारत के दमदार प्रदर्शन की शुरुआत की. गॉल में श्रीलंका ने भारत को 63 रन से हरा दिया. लेकिन भारत ने कोलंबो में अगले दो मैचों (पी सारा ओवल और एसएससी) में कोहली के कभी हार न मानने वाले रवैये को अपनाया तथा 278 और 117 रन से जीत हासिल करके सीरीज 2-1 से अपने नाम कर दी.

भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका 2010-11 : यह आखिरी टेस्ट सीरीज थी जिसमें सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण की मशहूर तिकड़ी ने अपना प्रभाव छोड़ा था. सेंचुरियन में पारी और 25 रन से मिली करारी हार के बाद भारत ने डरबन टेस्ट में जोरदार वापसी करते हुए 85 रन से जीत हासिल की, जहां लक्ष्मण ने डेल स्टेन और मोर्ने मोर्केल की आक्रामक जोड़ी के सामने 96 रन की पारी खेली थी. केपटाउन में अंतिम टेस्ट में भारत को मैच बचाने के लिए पूरे पांचवें दिन बल्लेबाजी करनी थी और वह गौतम गंभीर (184 गेंदों पर 68 रन), द्रविड़ (112 गेंदों पर 31 रन), तेंदुलकर (91 गेंदों पर नाबाद 14 रन) और लक्ष्मण (67 गेंदों पर नाबाद 32 रन) की बदौलत ऐसा करने में सफल रहा.

भारत बनाम इंग्लैंड, 2011-12 : अहमदाबाद में इंग्लैंड को नौ विकेट से हराने के बाद भारत चार मैचों की सीरीज में अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा था लेकिन केविन पीटरसन के शतक से प्रेरित होकर एलिस्टर कुक के नेतृत्व में इंग्लैंड ने मुंबई में भारत को 10 विकेट से हराया और फिर ईडन गार्डंस में सात विकेट से जीत हासिल की. नागपुर में इंग्लैंड ने चौथा टेस्ट आसानी से ड्रॉ कराकर सीरीज 2-1 से जीत ली. जो रूट ने उस टेस्ट में पदार्पण किया था.

ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका, 2016-17 : यह दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों के बीच की जंग थी. दक्षिण अफ्रीका के पास कगिसो रबाडा और वर्नोन फ़िलैंडर थे, जबकि ऑस्ट्रेलिया के पास मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड जैसे गेंदबाज थे. दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने इस मुकाबले में बाजी मारी क्योंकि उन्होंने पर्थ और होबार्ट में अपनी टीम को जीत दिलाई जबकि ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में दिन-रात्रि टेस्ट मैच जीता था. यह 2008 के बाद ऑस्ट्रेलिया की घरेलू सीरीज में पहली हार थी.

न्यूजीलैंड बनाम पाकिस्तान 2017-18 : जैसे ही न्यूजीलैंड ने अबू धाबी में कदम रखा, पाकिस्तान की अपने मजबूत स्पिन आक्रमण के कारण 3-0 से जीत की भविष्यवाणी की जाने लगी. लेकिन कीवी टीम ने पहला टेस्ट चार रन के मामूली अंतर से जीत लिया, जबकि पाकिस्तान ने दुबई में पारी और 16 रन से जीत हासिल की. लेकिन अबू धाबी में, कीवी टीम ने ऑफ स्पिनर विलियम सोमरविले के सात विकेटों की बदौलत 123 रन से जीत हासिल की और सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली.

भारत बनाम इंग्लैंड 2021-22 : यह सीरीज कोविड-19 महामारी के कारण खाली स्टेडियमों में खेली गई थी. नॉटिंघम में ड्रॉ के बाद लॉर्ड्स में भारत ने 151 रन से जीत हासिल की लेकिन इंग्लैंड ने लीड्स में पारी और 76 रन से जीत हासिल करके हिसाब बराबर कर दिया था. भारत ने ओवल में चौथा टेस्ट 157 रन से जीता था, लेकिन सितंबर 2021 में मेहमान टीम के सदस्यों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने के कारण दौरे को स्थगित कर दिया गया था. उस समय भारत पांच मैचों की सीरीज में 2-1 से आगे चल रहा था, लेकिन इंग्लैंड ने जुलाई 2022 में बर्मिंघम में खेले गए पांचवें टेस्ट में 378 रन से जीत हासिल करके सीरीज को बराबर कर दिया था.

टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीय बने सिराज, बुमराह की बराबरी की

एजेंसियां। लंदन

भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में दमदार प्रदर्शन किया जिसकी बदौलत भारतीय टीम सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराने में सफल रही. जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में इस मुकाबले में सिराज ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई. उन्होंने पांचवें टेस्ट मैच के अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन किया और भारत को रोमांचक जीत दिलाने में सफल रहे.

अंतिम दिन जीत के लिए लेने थे चार विकेट : भारत ने अपनी दूसरी पारी में 396 रन बनाए और 373 रन की कुल बढ़त हासिल की और 374 रन का लक्ष्य रखा. जवाब में इंग्लैंड की दूसरी पारी 367 रन पर समाप्त हुई. जो रूट की 105 रन और हैरी ब्रुक की 111 रन की पारी भी इंग्लैंड को हारने से नहीं बचा सकी. इंग्लैंड को पांचवें दिन जीत के लिए 35 रन की जरूरत थी और भारत को चार विकेट चाहिए थे. सिराज ने सोमवार को तीन विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने एक विकेट लिया. सिराज ने पारी में

पांच विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा को चार विकेट मिले. जैसे ही सिराज ने आखिरी विकेट के रूप में एटकिंसन को यॉर्कर पर क्लीन बोल्ड किया, भारतीय फैंस और खिलाड़ियों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा. सिराज दौड़ पड़े और भारतीय खिलाड़ी उन्हें गले लगाने के लिए दौड़ पड़े. भारत अगर सीरीज ड्रॉ कराने में सफल रहा तो इसमें सिराज का योगदान बड़ा था. भारत के स्टार तेज गेंदबाज बुमराह कार्यभार प्रबंध के कारण इस सीरीज में सिर्फ तीन मैच ही खेले. जिन दो मैचों में बुमराह नहीं खेले उसमें सिराज ने अपने दम दिखाया. सिराज ने अपने दमदार प्रदर्शन से कुछ रिकॉर्ड भी अपने नाम किया. सिराज ने पांच मैचों की इस सीरीज में कुल 23 विकेट लिए जो उनका एक टेस्ट सीरीज में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है. सिराज ने इंग्लैंड में सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाजों के मामले में बुमराह की बराबरी कर ली है. बुमराह ने 2021-22 में इंग्लैंड के खिलाफ 23 विकेट लिए थे. इस सूची में तीसरे स्थान पर भुवनेश्वर कुमार हैं जिन्होंने 2014 में इंग्लैंड दौरे पर 19 विकेट चटकाए थे.

इंग्लैंड में सर्वाधिक बार झटके चार या इससे अधिक विकेट

सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा दौरे पर सात बार पारी में चार या इससे अधिक विकेट लिए. भारतीय गेंदबाजों में यह सर्वाधिक बार है जब किसी गेंदबाज ने ऐसा किया है. सिराज ने इस मामले में बुमराह को पीछे छोड़ा. बुमराह ने पांच बार इंग्लैंड में किसी पारी में चार या इससे अधिक विकेट लिए हैं. वहीं, इस सूची में तीसरे स्थान पर ईशांत शर्मा हैं जो चार बार ऐसा कर चुके हैं, जबकि कपिल देव और मोहम्मद शमी ने तीन-तीन बार ऐसा किया है. इतना ही नहीं, सिराज इंग्लैंड में भारत के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बन गए हैं. उन्होंने इस मामले में कपिल देव को पीछे छोड़ दिया है. सिराज के इंग्लैंड में 46 विकेट हो गए हैं, जबकि कपिल ने इंग्लैंड में 43 विकेट लिए हैं. सिराज से आगे इस सूची में अब ईशांत शर्मा और बुमराह आगे हैं. बुमराह और ईशांत ने इंग्लैंड में 51 विकेट लिए हैं.

बुमराह के बिना जीतना सीख चुकी टीम इंडिया इस साल के रिकॉर्ड सोचने पर मजबूर कर देंगे!

एजेंसियां। नयी दिल्ली

जसप्रीत बुमराह भारतीय ही नहीं बल्कि इस समय दुनिया के सबसे बेहतरीन गेंदबाज हैं. टेस्ट हो या फिर वनडे या टी20, बुमराह का जवाब बल्लेबाजों के पास कम ही होता है. उनके खिलाफ रन बनाने से ज्यादा बल्लेबाज बचने की कोशिश करते हैं. बुमराह के पास सटीक यॉर्कर है. उनकी धीमी गति की गेंद को जज करना आसान नहीं है. उनकी गेंद टप्पा खाने के बाद बाकी गेंदबाजों के मुकाबले तेज जाती है. यही वजह है कि कोई भी परिस्थिति हो बुमराह भारी पड़ ही जाते हैं. उन्हें सबसे बड़े मैच विनर के रूप में देखा जाता है.

2025 में कहानी अलग हो चुकी : जसप्रीत बुमराह के लिए साल 2025 का रिकॉर्ड कुछ खास नहीं है. उन्होंने इस साल भारत के लिए सिर्फ चार मुकाबले खेले हैं. इसमें टीम को तीन हार मिली जबकि एक मैच ड्रॉ रहा. साल की शुरुआत में भारत सिडनी में ऑस्ट्रेलिया से हारा था.

बुमराह उस मैच में कप्तान भी थे। हालांकि चोट की वजह से वह दूसरी पारी में बॉलिंग नहीं कर पाए. फिर इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में उन्होंने तीन मैच खेले. भारत को दो में हार मिली

जबकि एक मैच ड्रॉ रहा.

बुमराह के बिना सिर्फ एक हार : भारतीय टीम ने जसप्रीत बुमराह के बिना इस साल 15 मुकाबले खेले हैं. इसमें 5 टी20 इंटरनेशनल, दो टेस्ट और 8 वनडे शामिल हैं. इन 15 मैचों में भारत को 14 जीत मिली है. इसमें चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब भी शामिल हैं. दुबई में न्यूजीलैंड को हराकर भारतीय टीम ने 12 साल बाद आईसीसी का कोई वनडे टूर्नामेंट जीता. भारत को बुमराह के बिना एकमात्र हार इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट में खेले गए टी20 इंटरनेशनल मैच में मिली थी.

ओवरऑल रिकॉर्ड काफी दमदार : जसप्रीत बुमराह ने अभी तक भारत के लिए 89 वनडे खेले हैं. इसमें टीम को 63 जीत और सिर्फ 25 हार मिली है. टी20 इंटरनेशनल की बात करें तो उनके प्लेइंग इलेवन में रहते हुए भारत 70 में से सिर्फ 13 मैच हार जबकि 52 जीता. क्रिकेट में बुमराह ने अभी तक 48 मुकाबले खेले हैं. इसमें भारतीय टीम को 20 जीत जबकि 23 हार मिली.

शुभमन गिल की अगुआई में भारत की डब्ल्यूटीसी के नए चक्र में अच्छी शुरुआत

एजेंसियां। लंदन

शुभमन गिल की अगुआई में भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवां टेस्ट मैच छह रनों से जीतकर सीरीज 2-2 से बराबर कर दी. विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के नए चक्र 2025-27 में भारत की यह पहली सीरीज थी. इतना ही नहीं, भारत इस दौरे पर गिल के नेतृत्व में खेलने उतरा था जो पहली बार लाल गेंद के प्रारूप में कप्तानी कर रहे थे. भारत भले ही इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज नहीं जीत सका, लेकिन उसने रोमांचक मैच में जीत दर्ज कर मेजबान टीम के मुंह से जीत छीन ली.

अंक तालिका का हाल : पांचवें टेस्ट में मिली जीत से भारत को डब्ल्यूटीसी की अंक तालिका में फायदा पहुंचा है. ओवल टेस्ट से पहले भारत डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में चौथे स्थान पर था, लेकिन अब वह तीसरे स्थान पर आ गया है, जबकि इंग्लैंड की टीम चौथे स्थान पर खिसक गई है. भारत के फिलहाल पांच मैचों में दो जीत, दो हार और एक ड्रॉ के साथ 28 अंक हैं, जबकि उसकी पीसीटी 46.67 है. भारत से आगे शीर्ष पर ऑस्ट्रेलिया और दूसरे स्थान पर श्रीलंका है. ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैच खेले हैं और तीनों जीते हैं. वहीं, श्रीलंका ने मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में फिलहाल दो मैच खेले हैं जिसमें से एक जीता है और एक ड्रॉ रहा है. इंग्लैंड की टीम पांच मैचों में दो जीती है, जबकि दो में उसे हार मिली है. वहीं, एक मैच ड्रॉ रहा है.

सिराज ने इंग्लैंड के जबड़े से छीनी जीत : मैच की बात करें तो भारत ने ओवल में खेले गए पांचवें और आखिरी टेस्ट में छह रन से जीत हासिल की है.

भारत ने 374 रन का लक्ष्य रखा था. जवाब में इंग्लिश टीम दूसरी पारी में 367 रन पर सिमट गई. इंग्लैंड को पांचवें दिन जीत के लिए 35 रन की जरूरत थी और भारत को चार विकेट चाहिए थे. सिराज ने आज तीन विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने एक विकेट लिया. सिराज ने पारी में पांच विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा को चार विकेट मिले. आकाश दीप ने एक विकेट लिया. इसी के साथ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुई. शुभमन गिल की अगुआई में एक युवा टीम का ऐतिहासिक प्रदर्शन है. किसी क्रिकेट पंडित ने भारत को इस दौरे से पहले पसंदीदा नहीं बताया था. हालांकि, गिल की युवा टीम ने सभी आलोचकों का मुंह बंद कर सीरीज को 2-2 से ड्रॉ कराया. भारत ने पहली पारी में 224 रन बनाए थे. जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 247 रन पर समाप्त हुई थी और इंग्लिश टीम ने 23 रन की बढ़त हासिल की थी. भारत ने अपनी दूसरी पारी में 396 रन बनाए और 373 रन की कुल बढ़त हासिल की और 374 रन का लक्ष्य रखा. जवाब में इंग्लैंड की दूसरी पारी 367 रन पर समाप्त हुई. जो रूट की 105 रन और हैरी ब्रुक की 111 रन की पारी भी इंग्लैंड को हारने से नहीं बचा सकी. जैसे ही सिराज ने आखिरी विकेट के रूप में एटकिंसन को यॉर्कर पर क्लीन बोल्ड किया, भारतीय फैंस और खिलाड़ियों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा.

सचिन ने भारतीय टीम के प्रदर्शन को दिए 10 में से 10 नंबर, गांगुली-कोहली ने भी जताई खुशी

एजेंसियां। लंदन

भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और विराट कोहली जैसे दिग्गज खिलाड़ियों ने भारतीय टीम के प्रदर्शन को सराहा है. भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवां मैच जीतकर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई. भारत ने इंग्लैंड के सामने जीत के लिए 374 रन का लक्ष्य रखा था. जवाब में इंग्लिश टीम दूसरी पारी में 367 रन पर सिमट गई. इंग्लैंड को पांचवें दिन जीत के लिए 35 रन की जरूरत थी और भारत को चार विकेट चाहिए थे. सिराज ने तीन विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने एक विकेट लिया. सिराज ने पारी में पांच विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा को चार विकेट मिले। आकाश दीप ने एक विकेट लिया. भारत इस मैच में एक समय खराब स्थिति में दिख रहा था और ऐसा लग रहा था कि इंग्लैंड की टीम यह सीरीज आसानी से अपने नाम कर लेगी. लेकिन सिराज की अगुआई में गेंदबाजों ने दमदार प्रदर्शन किया जिससे पासा पूरी तरह भारत के पक्ष में पलट गया. भारत ने इसके साथ ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के नए चक्र की अच्छी शुरुआत की है और वह अंक तालिका में तीसरे स्थान पर आ गया है.

गांगुली ने सिराज को सराहा : सचिन ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, 'टेस्ट क्रिकेट. रोंगटें खड़े करने वाला. सीरीज 2-2। प्रदर्शन 10 में से 10। भारतीय क्रिकेट के महानायकों. क्या शानदार जीत. पूर्व भारतीय कप्तान गांगुली ने लिखा, टीम इंडिया की शानदार जीत. टेस्ट क्रिकेट, अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रारूप. टीम के सभी सदस्यों और कोचों को बधाई. सिराज दुनिया के किसी भी हिस्से में अपनी टीम को निराश नहीं करते. मैच देखकर मजा आया. शानदार प्रदर्शन प्रसिद्ध, आकाशदीप, जायसवाल, जडेजा, वॉशिंगटन, पंत. इस युवा टीम की प्रदर्शन में काफी निरंतरता थी.

कोहली बोले- सिराज के लिए बेहद खुश हूं : इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट प्रारूप से संन्यास लेने वाले भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने लिखा, 'टीम इंडिया की शानदार जीत. सिराज और प्रसिद्ध के दृढ़ संकल्प और दृढ़ता ने हमें यह अभूतपूर्व जीत दिलाई. सिराज का विशेष उल्लेख, जिन्होंने टीम के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया. उनके लिए बेहद खुश हूं.' भारत के पूर्व कप्तान और पूर्व कोच अनिल कुंबले ने लिखा, शानदार खेल भारत. क्या सीरीज थी. दोनों टीमों का शानदार प्रदर्शन. मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध का शानदार प्रदर्शन. शुभमन गिल और टीम को बधाई.

भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टीम की तारीफ करते हुए लिखा, 'क्या शानदार प्रदर्शन. इस टीम को इस तरह से जुझारू प्रदर्शन करते और अंत तक लड़ते देखकर अच्छा लगा.' अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने लिखा, 'टेस्ट क्रिकेट इससे बेहतर नहीं हो सकता. तनावपूर्ण अंत, दबाव के पल और जुझारूपन. शानदार प्रदर्शन.' पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने सिराज की तारीफ करते हुए लिखा, 'शेर का दिल और लोहे का शरीर. मोहम्मद सिराज.' पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने लिखा, सिराज और प्रसिद्ध का शानदार प्रदर्शन.

बैंच पर बैठे रह गए ये 3 दिग्गज, नहीं मिला इंग्लैंड दौरे में एक भी टेस्ट खेलने का मौका

लंदन । भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी को 2-2 से ड्रॉ पर खत्म किया. मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की घातक गेंदबाजी और शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया ने आखिरी टेस्ट 6 रन से जीता और सीरीज को बराबरी पर खत्म किया, लेकिन इस पूरी सीरीज में भारतीय स्क्वॉड के कुछ ऐसे चेहरे भी थे जो लगातार टीम के साथ रहे, नेट्स में पसीना बहाया, लेकिन प्लेइंग इलेवन में एक भी मौका नहीं मिला.

अभिमन्यु ईश्वरन, हर बार निराशा : अभिमन्यु ईश्वरन सालों से इंडिया 'ए' के साथ दौरे कर रहे हैं. उन्होंने घरेलू क्रिकेट में रनों का अंबार लगाया है और इंडिया ए के कप्तान के रूप में विदेशों में शानदार प्रदर्शन भी किया है. 2022 में उन्हें पहली बार टीम इंडिया की टेस्ट स्क्वॉड में शामिल किया गया था, लेकिन अब तक उनके डेब्यू का इंतजार जारी है. इंग्लैंड दौरे पर भी वह बतौर रिजर्व ओपनर टीम में थे, मगर यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल के अच्छे फॉर्म ने उनके लिए टीम में कोई जगह नहीं छोड़ी. **कुलदीप को भी नहीं मिली जगह :** जडेजा और वाशिंगटन सुंदर की स्पिन जोड़ी ने पूरा सीरीज में गेंदबाजी की. लेकिन कुलदीप यादव जैसे अनुभवी चाइनामैन स्पिनर को एक भी मैच में मौका नही मिला.

डब्ल्यूडब्ल्यूई पहले जॉन सीना को पीटा, अब इस महिला पहलवान का खेल किया खराब

ब्रॉक लेसनर क्या करके मानेंगे? हो रही थू-थू

एजेंसियां। नयी दिल्ली

डब्ल्यूडब्ल्यूई में ब्रॉक लेसनर की वापसी से विवाद हो गया है. दो साल बाद समरस्लैम में ब्रॉक लेसनर ने वापसी की. उन्होंने जॉन सीना और कोडी रोड्स के बीच डब्ल्यूडब्ल्यूई अनडिस्प्यूटेड चैंपियनशिप मैच के अंत में आकर सीना पर एफ5 मूव से हमला किया. लेसनर की वापसी पर कई सवाल उठ रहे हैं. जेनेल ग्रांट मुकदमे में उनका नाम आने के बाद, लोग पूछ रहे हैं कि क्या कंपनी के कानूनी विभाग ने उनकी वापसी को मंजूरी दी थी. अब एक और बात सामने आई है जिससे लोग नाराज हैं. लेसनर के सेगमेंट ने रॉ में एक चैंपियन के प्रोमो को बीच में ही रोक दिया.

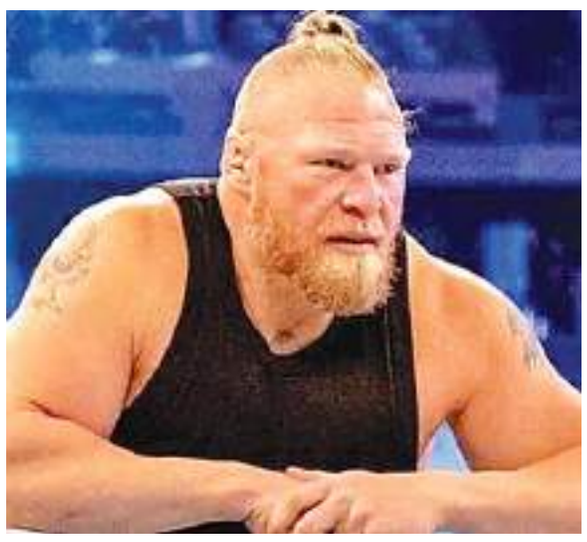

डब्ल्यूडब्ल्यूई के सामने कई बड़ी चुनौतियां

डब्ल्यूडब्ल्यूई में लेसनर की वापसी कई लोगों को पसंद नहीं आई. कुछ लोगों का मानना है कि कंपनी को जेनेल ग्रांट मुकदमे में उनका नाम आने के बाद उन्हें वापस नहीं लाना चाहिए था. दूसरों का मानना है कि लेसनर का सेगमेंट नाओमी के प्रोमो से ज्यादा महत्वपूर्ण था. इसलिए उसे काटना सही था. यह देखना बाकी है कि डब्ल्यूडब्ल्यूई लेसनर की वापसी को कैसे संभालेगा. यह भी देखना होगा कि क्या नाओमी को भविष्य में और मौके मिलेंगे.

ब्रॉक लेसनर के कारण दूसरे को हुआ नुकसान

रॉ में ब्रॉक लेसनर के सेगमेंट ने नाओमी के प्रोमो को काट दिया. नाओमी को मेन शो में जगह नहीं मिली. उनका प्रोमो कमर्शियल ब्रेक के दौरान काटा गया. विमेंस वर्ल्ड चैंपियन के साथ और भी बुरा बर्ताव हुआ. प्रोमो को बीच में ही रोक दिया गया। नाओमी ब्रुकलिन में अपने अनुभव के बारे में बता रही थीं. वह बता रही थीं कि कैसे वह क्लैश एट पेरिस में स्टेफनी वेकर को हराएंगी. लेकिन, जैसे ही वह डिटेल्स में जाने वाली थीं, प्रोमो को काट दिया गया. स्क्रीन पर ब्रॉक लेसनर दिखने लगे.

शुभमन बोले- हर कप्तान का सपना सिराज जैसा गेंदबाज

ब्रुक ने कहा- डीएसपी के लिए शानदार सीरीज और नतीजा

एजेंसियां। लंदन

भारतीय कप्तान शुभमन गिल का मानना है कि मोहम्मद सिराज जैसी क्षमता और कौशल वाला गेंदबाज हर कप्तान का सपना होता है. गिल ने साथ ही 2-2 की बराबरी को इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की सीरीज में दिखाए गए क्रिकेट के स्तर को शानदार करार दिया. एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 में 754 रन और चार शतक के साथ भारत के लिए सीरीज के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे गिल ने सिराज की जमकर तारीफ की. गिल ने मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान माइकल एथर्टन से कहा, 'सिराज किसी भी कप्तान का सपना है. उन्होंने हर गेंद और हर स्पैल में अपना सब कुछ झोंक दिया. 2-2 की बराबरी एक उचित प्रतिबिंब है. यह दर्शाता है कि दोनों टीम कितने जोश से भरी थीं और उन्होंने कितना अच्छा खेला.' भारतीय कप्तान ने तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की भी तारीफ की जिन्होंने मैच में आठ विकेट लिए. वह हालांकि थोड़े

महंगे साबित हुए. गिल ने कहा, 'जब आपके पास सिराज और प्रसिद्ध जैसे गेंदबाज हों तो कप्तानी आसान लगती है. मुझे लगता है कि पांचवें दिन हमने जिस तरह से प्रतिक्रिया दी वह शानदार थी. हमें पूरा विश्वास था, रविवार को भी हमें पता था कि वे दबाव में हैं.'

इस सीरीज में एक बल्लेबाज के रूप में अपनी परिपक्वता के बारे में गिल ने स्वीकार किया कि यह संतोषजनक था. गिल ने कहा, 'मेरी बल्लेबाजी संतोषजनक रही. मेरा लक्ष्य इस सीरीज में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बनना था और वहां तक पहुंचना बहुत संतोषजनक है. यह हमेशा तकनीकी और मानसिक रूप से चीजों को सुलझाने का मामला होता है, ये आपस में जुड़े हुए हैं.' छह हफ्तों की सीरीज से मिली सीख के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'हम कभी हार नहीं मानते.' वहीं, इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रुक को भी प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया. उन्होंने बताया कि सोमवार को अंतिम दिन उन्होंने अपनी टीम के लिए एक आसान जीत की कल्पना की थी, लेकिन सिराज की साहसिक गेंदबाजी ने मेजबान टीम की उम्मीदों पर पानी फेर दिया.

गुरुजी की एक झलक पाने के लिए 45 किमी सड़कों पर खड़े रहे लोग

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की शव यात्रा में मंगलवार को काफी भीड़ देखने को मिली. लोग अपने चहेते नेता का अंतिम झलक पाने के लिए 45 किमी तक सड़कों पर घंटों खड़े रहे. जिस रास्ते से भी शव वाहन गुजरा वहां लोग हाथ जोड़ कर खड़े नजर आए. जैसे ही रामगढ़ जिले में शव वाहन प्रवेश किया, लोग उनके दर्शन के लिए पीछे-पीछे भागने लगे. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का भावुक चेहरा देख हर किसी का कलेजा फट गया. जिस पिता के साए में हेमंत सोरेन ने ना सिर्फ राजनीति सीखी, बल्कि झारखंड को एक अलग पायदान पर लेकर गए, उनके सिर से पिता का साया उठा, तो लोग भी खुद को भावुक होने से रोक नहीं पाए.पिछले छह दशकों से शिबू सोरेन का अलग-अलग रूप रामगढ़ जिला लोगों ने देखा है. नेमरा गांव से निकल कर झारखंड की राजनीति को अलग पहचान दिलाने वाले शिबू सोरेन सबके दिलों में बहुत जल्द ही जगह बना चुके थे. गांव में रहने वाले आदिवासियों के लिए उन्होंने बहुत कुछ किया. शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में पहुंचे नेताओं ने कहा कि झारखंड की फिजा में शिबू सोरेन हमेशा सूरज की तरह चमकते रहेंगे. अथक संघर्ष और तप से उन्होंने अपनी यह जगह बनाई थी.

दिशोम गुरू के निधन पर बैजनाथ प्रसाद स्नेही कॉलेज, डोमचांच में शोक सभा का आयोजन किया गया

झारखंड की माटी ने सबसे बड़ा सपूत खो दिया: हिमांशु

शुभम संदेश। डोमचांच (कोडरमा)

दिशोम गुरू शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन पर मंगलवार को बैजनाथ प्रसाद स्नेही कॉलेज ऑफ एजुकेशन, डोमचांच में शोक सभा का आयोजन किया गया. आयोजित शोक सभा में महाविद्यालय के सचिव हिमांशु कुमार एवं प्राचार्य डॉ. भूपेंद्र ठाकुर समेत महाविद्यालय के शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं सभी प्रशिक्षणार्थियों ने दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत शिबू सोरेन की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की. इस शोक सभा में महाविद्यालय के सचिव हिमांशु कुमार ने दिशोम गुरू को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि झारखंड की माटी ने अपना सबसे बड़ा सपूत खो दिया है. 81 वर्ष की उम्र में उनका निधन झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश की राजनीति के लिए एक युग का अंत है. वे झारखंड की अस्मिता, सम्मान और पहचान के लिए अंतिम सास तक लड़ते रहे, उन्होंने आदिवासियों के जल, जंगल और जमीन की लड़ाई को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाया. गुरूजी का कोडरमा से भी था गहरा नाता. उनके निधन से कोडरमा जिले में भी शोक की लहर दौड़ गई है.

कोडरमा के लोगों के लिए वे सिर्फ एक नेता नहीं, बल्कि संघर्ष और बदलाव के प्रतिक थे. आज जब दिशोम गुरू हमारे बीच में नहीं है, अब उनकी स्मृतियां, उनका संघर्ष और उनकी सोच हमेशा झारखण्डवासियों को प्रेरणा देंगी. वे सदा प्रेरणा बन कर झारखण्ड के कण - कण में हमेशा रहेंगे. शोक सभा में मुख्य रूप से महाविधालय के प्राचार्य, डॉ. भूपेंद्र ठाकुर, प्रो. डॉ. विनोद कुमार अवस्थी, डॉ. मनोज विश्वकर्मा, प्रो. हरीश कुमार नीरज सहित छात्र पियूष कुमार, अरविन्द कुमार, सौरभ शेखर एवं डी. एल. एड. के सभी प्रशिक्षणार्थी भी मौजूद थे.

शिबू सोरेन के निधन पर स्कूल में शोक सभा आयोजित : प्रतापपुर (चतरा)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के निधन पर मंगलवार को चतरा जिले के प्रतापपुर प्रखंड स्थित एक्सीलेंस पब्लिक स्कूल, रहरिया में एक शोक सभा का आयोजन किया गया. इस सभा में स्कूल प्रबंधन, शिक्षक और विद्यार्थियों ने दुख व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की. इस अवसर पर स्कूल के निदेशक मोजम्मिल हुसैन ने शिबू सोरेन के जीवन और उनके योगदान पर प्रकाश डाला.

उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन का निधन झारखंड के लिए एक अपूरणीय क्षति है. उन्होंने अपना पूरा जीवन राज्य के गरीबों, आदिवासियों और वंचितों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया. उनकी जनसेवा और संघर्ष की गाथा हमेशा लोगों को प्रेरित करती रहेगी. शोक सभा में स्कूल के सभी शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद थे. सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की.

शिबू सोरेन के निधन की खबर से पूरे स्कूल परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है. इस दौरान मौजूद सभी लोगों ने उनके दिखाए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया. स्कूल ने इस दुख की घड़ी में शिबू सोरेन के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है.

गुरुजी का गरीबों के लिए समर्पित रहाः शेफाली गुप्ता : हजारीबाग। झारखंड आंदोलन के प्रणेता, आदिवासी अस्मिता के प्रतीक एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर पूरे राज्य में शोक की लहर है. झामुमो के संस्थापक रहे शिबू सोरेन के निधन पर भाजपा नेत्री, ओम आरोहणाम संस्था की संस्थापिका एवं दिशा संगठन की सदस्य शेफाली गुप्ता ने गहरा शोक व्यक्त किया. शेफाली गुप्ता ने कहा कि यह झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है.

उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु का जीवन न्याय, संघर्ष और समाज के वंचित तबकों के उत्थान के लिए समर्पित रहा. उनकी सादगी, ईमानदारी और जनसेवा की भावना आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती रहेगी. उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा अपने पिता की सेवा और देखभाल को भी सराहनीय बताया. शेफाली गुप्ता ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति और परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की.

पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरू शिबू सोरेन झारखंड की आत्मा थे : निलेश ज्ञासेन

चतरा। झारखंड आंदोलन के प्रणेता राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरू शिबु सोरेन के निधन पर झामुमो कार्यकर्ताओं द्वारा शोक सभा का आयोजन किया गया. साथ ही उनके तस्वीर पर श्रद्धांजलि दिया. उपस्थित लोगो ने शिबु सोरेन के जीवन व उनके संघर्षो को याद किया. जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष निलेश ज्ञासेन ने किया. इस दौरान दो मिनट का मौन रख कर उनके आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया.जिलाध्यक्ष ने कहा कि शिबू सोरेन सिर्फ एक नेता नहीं, बल्कि झारखंड की आत्मा थे. उनका जाना राज्य की राजनीति व समाज के लिए अपूरणीय क्षति है. गुरुजी झारखंड की अस्मिता की पहचान और आदिवासियों के संघर्ष का कहानी थे. नगर अध्यक्ष बिट्टू कुमार ने कहा कि शिबू सोरेन जी आदिवासियों के अधिकारों की लड़ाई का प्रतीक थे. मौके पर जिला उपाध्यक्ष असलम अंसारी, अमरदीप साव, केंद्रीय समिति सदस्य सरोज देवी, वंदना सिंह, नगर सचिव मोनू सिंदुरिया, चतरा सदर प्रखंड अध्यक्ष उपेंद्र राम समेत काफी संख्या में कार्यकर्ता शामिल थे.

गुरुजी के निधन पर बुद्धिजीवी मंच ने की शोक सभा

रामगढ़। बुद्धिजीवी मंच, बरकाकाना क्षेत्र द्वारा झारखंड निर्माता दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. यह कार्यक्रम नया नगर बरकाकाना स्थित सीसीएल कोऑपरेटिव मार्केट प्रांगण में आयोजित हुआ, जहां उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर एक मिनट का मौन रखा गया.सभा की अध्यक्षता मंच के अध्यक्ष प्रदीप करमाली और संचालन सचिव डॉ. शाहनवाज खान ने किया. करमाली ने कहा कि शिबू सोरेन झारखंड की राजनीति में आदिवासी-मूलवासी अधिकारों के सशक्त प्रहरी थे. उन्होंने इन वर्गों को संगठित कर उनका मान-सम्मान बढ़ाया. डॉ. शाहनवाज ने कहा कि झारखंड को अलग राज्य का दर्जा दिलाने में शिबू सोरेन की भूमिका गांधी जी की आजादी की लड़ाई जैसी थी. इस अवसर पर कई बुद्धिजीवी, समाजसेवी, राजनीतिक दलों के नेता व नागरिक उपस्थित थे. प्रमुख लोगों में अवधेश गुप्ता, सुशील कुमार, मो. सलीम, गिरी शंकर महतो, फरीदा खातून, रविंद्र मुंडा, वरुण कुमार, मदन रविदास सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे.

दिशोम गुरु को झामुमो जिला कमेटी ने दी श्रद्धांजलि

हजारीबाग। झारखंड आंदोलन के शिल्पी, झामुमो संस्थापक और जन-आंदोलन के पुरोधा दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर झामुमो हजारीबाग जिला कमिटी की ओर से गहरी श्रद्धांजलि अर्पित की गई. जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया के नेतृत्व में कमिटी के सदस्य रांची पहुंचे और पार्थिव शरीर का अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए. दिशोम गुरु का अंतिम संस्कार रामगढ़ के नेमरा गांव में राजकीय सम्मान के साथ संपन्न हुआ. इस अवसर पर झामुमो के वरिष्ठ पदाधिकारी, महिला, युवा, अल्पसंख्यक मोर्चा, किसान मोर्चा व बुद्धिजीवी मंच के प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे. संजीव बेदिया ने कहा कि दिशोम गुरु केवल एक नेता नहीं, बल्कि झारखंड की आत्मा थे. उन्होंने हमें संघर्ष और आत्मसम्मान का रास्ता दिखाया. जिला प्रवक्ता कुणाल यादव ने उन्हें झारखंड की माटी की खुशबू बताते हुए कहा कि हम उनके अधूरे सपनों को पूरा करेंगे. जिला कमिटी ने उनके परिवार व राज्यवासियों के प्रति संवेदना व्यक्त की और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की.

तेजस्वी शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि देने नेमरा पहुंचे

रामगढ़। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं राजद नेता तेजस्वी यादव मंगलवार को रजरप्पा प्रोजेक्ट स्थित वीआईपी गेस्ट हाउस पहुंचे. वे झारखंड के वरिष्ठ नेता शिबू सोरेन के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करने गोला के नेमरा जाने के क्रम में यहां रुके थे. रजरप्पा पहुंचने पर जीएम कल्याणजी प्रसाद ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया. गेस्ट हाउस में कुछ समय ठहरने के दौरान तेजस्वी यादव ने राजद कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की. उन्होंने वहीं दोपहर का भोजन किया और फिर शोक संतप्त परिवार से मिलने के लिए नेमरा रवाना हो गए.

झारखंड के सपूत दिशोम गुरु की स्मृति में पौधरोपण

चौपारण। झारखंड आंदोलन के पुरोधा, जननेता एवं झारखंड के सपूत दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से पूरे प्रदेश में शोक की लहर है. उनके सम्मान में हरियाली दूत दिनेश के नेतृत्व में 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई. साथ ही, उनकी स्मृति को चिरस्थायी बनाने हेतु एक फलदार आम का पौधा लगाया गया. इस अवसर पर संतोष कुमार रजक, बासुदेव कुमार, कामेश्वर साव और अशोक साव उपस्थित थे.

चोरी गया टेंपो बरामद, पुलिस कर रही है जांच

चतरा। बीते दिन चोरी हुए टेम्पो को पुलिस ने बरामद कर लिया है. पुलिस ने बाबाघाट मैदान के पीछे जंगल से बरामद किया. टेम्पो मालिक संतोष कुमार शहर के किशुनपुर मोहल्ला का रहने वाला है. बीते दो अगस्त को उनके घर से टेम्पो चोरी हुआ था. जिसके बाद उन्होंने सदर थाना में आवदेन दिया है. पुलिस ने मंगलवार को टेम्पो को बरामद कर लिया है.

फरार आरोपी के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

चतरा/टंडवा। मंगलवार को पुलिस ने कोर्ट से निर्गत आदेश पर की कार्रवाई, टंडवा थाना क्षेत्र अंतर्गत राहम पंचायत के मासीलौंग गांव के आर्म्स एक्ट के मामले में फरार चल रहे तुलसी गंझू पिता स्वर्गीय देवी गंझू के घर पर टंडवा थाना इंस्पेक्टर के नेतृत्व में सबइंस्पेक्टर रामजी सिंह ने चतरा न्यायालय के द्वारा निर्गत आदेश पर इश्तेहार को आरोपी के घर पर ढोल-नगाड़े बजाते हुए मुख्य घर के दरवाजे के दीवार पर इश्तेहार चिपकाया गया.

77 साल बाद भी घरौंजा पंचायत में नहीं बन सकी पक्की सड़क

अब भी विकास से कोसों दूर

करमाटांड़ गांव

अर्चित सेठ। जयनगर/कोडरमा

आज़ादी के 77 साल बाद भी झारखंड के कोडरमा जिले के जयनगर प्रखंड अंतर्गत घरौंजा पंचायत का करमाटांड़ गांव आज भी पक्की सड़क जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित है. इस गांव में पंचायत सचिवालय और एक सरकारी विद्यालय तो है, लेकिन आज तक गांव तक पक्की सड़क नहीं बन सकी है.

परिणामस्वरूप, ग्रामीणों को कीचड़ और गड्ढों वाले रास्ते से होकर ही मुख्य बाजार, अस्पताल और स्कूल जाना पड़ता है. बरसात के मौसम में गांव की स्थिति और भी बदतर हो जाती है. सड़क पर गड्ढे पानी से भर जाते हैं और रास्ते दलदल में तब्दील हो जाते हैं. ग्रामीणों के अनुसार, बीमारों को अस्पताल पहुंचाना सबसे बड़ी चुनौती बन जाता है. कई बार लोग गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को कंधे पर उठाकर अस्पताल तक ले जाने क विवश होते हैं. गांव के सरकारी विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को स्कूल आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. विशेषकर बरसात के दिनों में कीचड़ और फिसलन से गिरने का खतरा बना रहता है. हाल ही में एक महिला सड़क पर फिसलकर गंभीर रूप से घायल हो गई, उनका हाथ टूट गया. बच्चों के माता-पिता का कहना है कि कई बार उनके बच्चे भी चोटिल हो चुके हैं.

14 अक्टूबर 2024 को स्थानीय विधायक अमित कुमार यादव ने गांव तक पक्की सड़क निर्माण का शिलान्यास किया था. उस समय ग्रामीणों में काफी उम्मीद जगी थी, लेकिन दस महीने बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है. इस कारण ग्रामीणों में गहरा रोष है. गांव के बुजुर्गों और युवाओं का कहना है कि चुनाव आते ही नेता वादों की झड़ी लगा देते हैं, गांव में आकर शिलान्यास करते हैं, लेकिन बाद में कोई सुध नहीं लेता. ग्रामीणों का कहना है कि वे अब नेताओं के झूठे वादों से तंग आ चुके हैं. स्थानीय निवासी राजू यादव, राजेश यादव, तुलसी यादव, सुखदेव पंडित, दशरथ पंडित, नारायण यादव, टुकनी देवी (वार्ड सदस्य), मालती देवी, चंचला देवी, अनीता देवी और पुष्पा देवी सहित अन्य ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे.

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और राज्य सरकार से मांग की है कि गांव को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए जल्द पक्की सड़क बनाई जाए. करमाटांड़ गांव की यह स्थिति यह बताती है कि देश की आज़ादी के 77 साल बाद भी कुछ गांव बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं. अब देखना है कि प्रशासन और सरकार इस दिशा में कितनी जल्दी और गंभीरता से कदम उठाते हैं

आस्था पेटो पंचायत के बुढ़िया माता मंदिर में हो रहा है अखंड हरि कीर्तन

कीर्तन से अच्छी वर्षा की कामना पूरी होती है

शुभम संदेश। केरेडारी

केरेडारी प्रखंड क्षेत्र के पेटो पंचायत के बुढ़िया माता मंदिर प्रांगण में अखंड हरि कीर्तन का आयोजन किया गया है. अखंड हरि कीर्तन ग्रामीणों ने आपसी सहयोग और एक जुटता के प्रतीक मानकर 24 घंटा तक के लिए अखंड हरि कीर्तन आरम्भ किया है. यह कार्यक्रम मंगलवार को बुढ़िया माता मंदिर में आचार्य दिनेश कुमार मिश्र ने विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार, पूजा अर्चना कर शुरुआत कराया है. पंचायत क्षेत्र के विभिन्न टोला गांव के ग्रामीण पुरुष महिला की कीर्तन मंडली टीम भाग लेंगे.

इस दौरान लगातार हरे रामा, हरे कृष्णा की ध्वनि नई नई राग में कई सुरों में कीर्तन किया जा रहा है. अखंड कीर्तन की पूर्णाहुति बुधवार को 3 बजे हो जाएगी. पूर्णाहुति के बाद इंद्र महाराज की पूजा, हवन किया जायेगा तथा पूजा के बाद महाप्रसाद पूरे गांव ग्राम में वितरण किया जाएगा. मुख्य पुजारी अशेश्वर यादव धर्म पत्नी शांति देवी ने बताया कि हरि कीर्तन होने से गांव में शांति प्रदान होती है. अच्छे वर्षा की कामना पूर्ति होती है. पूर्वजों से अखंड हरि कीर्तन करने की परम्परा है. इससे सुख शांति समृद्धि ग्रामवासियों को प्राप्त होती है. बुढ़िया माता मंदिर श्रद्धालुओं के लिए विशेष स्थान माना जाता है. माता की गर्भ गृह आदिकाल से निमित है. यहां भक्तों की मनोकामना पूर्ण होती है. ग्रामवासियों एवं हजारीबाग, चतरा, रांची, छत्तीसगढ़ तक के श्रद्धालु बुढ़िया माता की मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं. हरि कीर्तन में मुखिया कौशल्या देवी, पूर्व मुखिया राजकिशोर यादव, नारायण यादव, सरजू महतो, वासुदेव रजक, कालेश्वर साव, राजेश साव, मेघराज राणा, वासुदेव राणा, अनिल रजक, महावीर रजक, कृष्णा रजक, कमल राणा, जगेश्वर यादव, भोला साव, आशीष साव, प्रीतम साव, टिकेश्वर साव, उमेश साव, प्रकाश साव, राजेश ठाकुर, चितरंजन साव, सुनील साव, शंकर शाहा, शत्रुध्न साहू, मनोहर साव, राजू यादव, पदुम यादव सहित सैकड़ों ग्रामीण श्रद्धालु उपस्थित थे.

घर की दीवार गिराने का ग्रामीणों पर लगा आरोप

चतरा। हंटरगंज थाना क्षेत्र के गेंजना पंचायत अंतर्गत सोनपुरबिघा गांव निवासी अनुराग यादव ने पांच लोगों पर घर के दीवार को गिराने का आरोप लगाया है. पीड़ित ने हंटरगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया है. जिसमे अनुराग ने बताया है की गांव के ही केशर यादव, रामलाल यादव, राहुल यादव, बाबूनी यादव और गुड्डू यादव के द्वारा हरवे हथियार से लैश होकर घर गिरा दिया और जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए. उन्होंने बताया कि जमीन विवाद का मामला न्यायालय मे लंबित हैं. इसके 2 माह पूर्व 20/05/2025 को भी मारपीट किया गया था और अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा दहशत फैलाने का काम किया गया था. इस घटना से गांव में तनाव बना हुआ है. हालांकि इस मामले में दूसरे पक्ष राहुल यादव ने आरोप को निराधार बताते हुए बताया कि मुझे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है.

एक नजर

किशोर ने कमरे में फंदे से झूलकर दी जान

झूमरीतिलैया (कोडरमा)। तिलैया थाना क्षेत्र के गुमो वार्ड नंबर 19 में एक 16 वर्षीय युवक ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर लिया. मृतक की पहचान जीतेन्द्र वर्मा, पिता कुंदन वर्मा के रूप में की गई है. मामले की जानकारी देते हुए मृतक के पिता ने बताया कि मंगलवार सुबह 7 बजे वे अपने काम पर निकल गए.उस समय जीतेन्द्र अपने कमरे में सोया हुआ था. वहीं उसकी मां छत पर खाना बना रही थी, जबकि उनके दो अन्य पुत्र जो जीतेन्द्र से छोटे हैं, वे घर के बाहर खेल रहे थे. कुछ देर बाद जब जीतेन्द्र की मां छत से नीचे आकर उसके कमरे में गई तो देखा कि वह कमरे में फंदे से झूल रहा था, इसकी सूचना (मृतक) के पिता को मिली, जिसके बाद आनन-फानन में घर पहुंचा और आसपड़ोस के लोगों के सहयोग से उसको फंदे से नीचे उतारकर सदर अस्पताल ले गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना की सूचना मिलते ही तिलैया पुलिस सदर अस्पताल पहुंचकर शव को अंत्यपरीक्षण हेतु कराते हुए मामले की जांच कर रही है.

बच्चेडीह पंचायत से कांवर पदयात्रा निकाला गया

मरकच्चो (कोडरमा)। सावन माह के अंतिम सप्ताह के मौके पर बच्चेडीह पंचायत से कांवर पदयात्रा निकाला गया, जिसमे पूरा बच्चेडीह पंचायत के श्रद्धालुओं ने शिव की आराधना में डूबा रहा इस दौरान शिव के जयकारों से पूरा इलाका गूंजायमान होता रहा. वहीँ डीजे पर प्रस्तुत भजनों पर पुरुष, महिला, बच्चे झूमती नजर आए पूरे रास्ते हर हर महादेव, ओम नमः शिवाय के नारे से झूम रहे थे. पदयात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया. सुबह से ही श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए यात्रा में निकलना प्रारंभ कर दिए उत्तर वाहिनी नदी मसमोहन से लगभग 7 किलोमीटर पैदल चलकर नवलशाही स्थित भगवान शिव पर जलाभिषेक किया. मौके पर मुखिया बीना देवी, पूर्व मुखिया अर्जुन साहू, समाजसेवी किशोर यादव, मनोज यादव,वीरेंद्र यादव, दुली साव,बासुदेव राणा, अरुण यादव आदि सैकड़ो संख्या में श्रद्धालु शामिल थे.

एनटीपीसी अध्यक्ष से मिले सांसद मनीष जायसवाल

हजारीबाग। हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने मंगलवार को नई दिल्ली में एनटीपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक गुरदीप सिंह से मुलाकात की. उन्होंने हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में एनटीपीसी की परियोजनाओं से प्रभावित गाँवों की समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की और विस्थापितों के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की. सांसद जायसवाल ने कहा कि क्षेत्र में कोयला और ऊर्जा परियोजनाओं के चलते हजारों परिवार वर्षों से विस्थापित हैं, लेकिन उन्हें आज तक न्याय नहीं मिला है. उन्होंने सीसीएल की तर्ज पर एनटीपीसी में भी विस्थापितों को स्थायी रोजगार देने की मांग की. उनका कहना था कि रोजगार में समानता होनी चाहिए. उन्होंने पुराने मुआवजा दरों को अव्यवहारिक बताते हुए प्रति एकड़ मुआवजा राशि को 20 लाख से बढ़ाकर 40 लाख रुपए करने की अपील की.

टेलर - कार की टक्कर, पुलिस जवान की मौत

कोडरमा। जिले के चंदवारा थाना क्षेत्र अंतर्गत जामुखड़ी में एनएच 20 पर एक सड़क दुर्घटना हो गई. जिसमें कार सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई. जबकि मृतक की पत्नी को गंभीर चोटें आईं हैं. वहीं कार में सवार दो अन्य लोग मामूली रूप से जख्मी हुए हैं. मृतक की पहचान पदमा (हजारीबाग) निवासी 50 वर्षीय जयकिशोर राम के रूप में हुई है. मृतक की पत्नी अनिता देवी ने बताया कि वे लोग पदमा से अपने कार से झुमरीतिलैया के सीडी कॉलोनी में एक परिचित के यहां आ रहे थे. इसी बीच बरही घाटी पार करने के पश्चात जामुखाड़ी में पीछे से आ रही एक ओवर स्पीड टेलर ने ओवरटेक करने के चक्कर में इनके कार में टक्कर मार दी.

आठ जिलों में बिरसा पीएम फसल बीमा योजना लागू

हजारीबाग। झारखंड सरकार ने खरीफ 2025 सीजन के लिए एचडीएफसी इर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (बी-पीएमएफबीवाई) लागू करने की जिम्मेदारी सौंपी है. यह योजना राज्य के आठ जिलों—पूर्वी सिंहभूम, गढ़वा, कोडरमा, लोहरदगा, पलामू, रामगढ़, साहेबगंज और पश्चिमी सिंहभूम—में ऋणी और गैर-ऋणी किसानों के लिए लागू की गई है. फसल क्षति का आकलन करने के लिए अधिसूचित फसलों पर फसल कटाई प्रयोग (सीसीई) किए जाएंगे. यदि सीसीई में पैदावार निर्धारित मानकों से कम पाई जाती है, तो उसे फसल नुकसान माना जाएगा और किसानों को बीमा क्लेम प्रदान किया जाएगा. किसान इस योजना का लाभ उठाने के लिए कृषि विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध वैध अवधि व दिशा-निर्देशों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं.

कोडरमा में महिला से सोने के चेन की छिनतई

कोडरमा। कोडरमा थाना क्षेत्र अंतर्गत कोलटेक्स गली में दो बाइक सवार युवक एक महिला के गले के सोने का चैन छीन कर फरार हो गया. मिली जानकारी के अनुसार महिला उक्त गली से गुजर रही थी. इसी बीच दो युवक बाइक से आया और उसके गले की चेन छीन कर फरार हो गये. घटना की सूचना पुलिस को मिलने के बाद कोडरमा थाना प्रभारी विकास कुमार पासवान घटनास्थल पहुंचकर सीसीटीवी व अन्य मामलों की जानकारी ली.

झुमरीतिलैया में सड़ी-गली अवस्था में मिला शव

झुमरीतिलैया। तिलैया थाना क्षेत्र के गुमो वार्ड संख्या 17 में एक अज्ञात अधेड़ व्यक्ति का सड़ा-गला शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है. शव झखर महतो नामक व्यक्ति के मकान के पिछले हिस्से में एक संकीर्ण गली में फंसा हुआ पाया गया. शव करीब सप्ताह भर पुराना है और पूरी तरह से सड़ चुका है. सूचना मिलते ही झखर महतो का भतीजा मौके पर पहुंचा और पुलिस को सूचित किया. तिलैया थाना प्रभारी विनय कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की. शुरुआती जांच में आशंका है कि व्यक्ति छत से मकान में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था, इसी दौरान अनियंत्रित होकर नीचे गिर गया और संकीर्ण स्थान में फंस गया. छत की ईंट की रेलिंग भी टूटी मिली है. पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है. शव को बाहर निकालने की कोशिश की जा रही है, वहीं मौके पर भारी भीड़ जुटी हुई है

हरिनारायण सिंह के निधन पर प्रेस क्लब में शोक सभा

हजारीबाग। वरिष्ठ पत्रकार और हिंदी दैनिक के प्रधान संपादक हरिनारायण सिंह के निधन पर हजारीबाग प्रेस क्लब में शोक सभा का आयोजन किया गया. सभा की अध्यक्षता क्लब अध्यक्ष मुरारी सिंह ने की. पत्रकारों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की. अध्यक्ष मुरारी सिंह ने कहा कि हरिनारायण सिंह ने कई प्रतिष्ठित समाचार पत्रों और चैनलों में कार्य कर पत्रकारिता को नई दिशा दी. क्लब के सचिव विस्मय अलंकार ने कहा कि उनकी कमी हमेशा खलेगी. क्लब के संरक्षक कृष्णा गुप्ता ने उन्हें पत्रकारिता जगत का बेशकीमती हीरा बताया. उपाध्यक्ष दीपक सिंह ने उन्हें सभी पत्रकारों का मार्गदर्शक कहा. वरिष्ठ पत्रकार मिथलेश सिंह और अर्जुन सोनी ने उनके योगदान और व्यक्तित्व को याद करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा सत्य और निर्भीक पत्रकारिता को बढ़ावा दिया. इस मौके पर कई वरिष्ठ पत्रकार और क्लब सदस्य उपस्थित थे. सभी ने उनके निधन को पत्रकारिता जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया.

चट्टी बारियातु माइंस में ट्रांसपोर्टिंग हुआ बंद

केरेडारी। चट्टी बारियातु माइंस में ट्रांसपोर्टिंग बंद होने से हाईवा ओनरों के बीच आक्रोश गहराता जा रहा है. पूर्व मंत्री योगेंद्र साव द्वारा 1 अगस्त शाम 6 बजे से माइंस की ट्रांसपोर्टिंग गतिविधियों को रोक दिया गया है, जिससे मंगलवार को पांचवें दिन भी कोई समाधान नहीं निकल सका है. इससे पहले भी, 20 मई को साव द्वारा 2.2 किलोमीटर ट्रांसपोर्टिंग सड़क पर ईंट की दीवार खड़ी कर काम बंद कराया गया था. तब हाईवा ओनरों ने जबरन सड़क खाली कराकर ट्रांसपोर्टिंग चालू कराई थी. अबकी बार भी हाईवा मालिक इंतजार के मूड में नहीं दिख रहे हैं. हाईवा ऑनर एसोसिएशन के मुताबिक, एक 16 चक्का हाईवा की कीमत लगभग 61 लाख रुपये है, जिस पर 90 फीसदी लोन होता है और हर महीने 1.25 लाख की किस्त चुकानी होती है. ऐसे में लगातार ट्रांसपोर्टिंग बंद रहने से उनकी आर्थिक हालत खराब हो रही है और नींद हराम हो गई है. हाईवा मालिकों की एकमात्र चिंता माइंस का बंद होना है.

दिशोम गुरु को आखिरी जोहार

रांची से नेमरा तक फिजा में गूंजी वीर शिबू अमर रहें

शुभम संदेश। नेमरा

झामुमो के संस्थापक, पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन की अंतिम यात्रा अपने अंतिम पड़ाव यानी उनके पैतृक गांव नेमरा (रामगढ़) पहुंच गई. शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर के नेमरा पहुंचने से पहले गुरुजी की धर्मपत्नी रूपी सोरेन और कल्पना सोरेन गांव पहुंच गई थीं. इधर दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर को रांची से नेमरा ले जाने के दौरान को झारखंड आंदोलन के पुरोधा को अंतिम विदाई देने के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा. दिशोम गुरु के अंतिम दीदार के लिए रांची से नेमरा तक लोगों ने बेसब्री से इंतजार किया. गुरुजी के चाहने वाले सुबह से ही सड़क के किनारे मौजूद थे. जैसे-जैसे अंतिम यात्रा आगे बढ़ती गई, लोगों ने दिशोम गुरु को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की. अपने दिशोम गुरु को अंतिम विदाई देते वक्त सभी की आंखें नम थीं. रामगढ़ के गोला में गुरुजी के अंतिम दर्शन करने के लिए काफी संख्या में भीड़ उमड़ी. सभी ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की.

गुरुजी के अंतिम दर्शन के लिए नेमरा में भारी भीड़ : गुरुजी के अंतिम दर्शन के लिए उनके पैतृक गांव नेमरा में सुबह से ही हजारों की तदाद में लोग मौजूद थे. इसमें आमजन से लेकर कार्यकर्ता और अफसर भी शामिल थे.

सुरक्षा के रहे कड़े इंतजाम, कल्पना और बसंत सोरेन ने संभाली घर की कमान : दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि देने के लिए उनके पैतृक गांव नेमरा में लाखों लोग जुटे. रांची से शव वाहन लेकर निकले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जनता को अंतिम दर्शन करा रहे थे. रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड अंतर्गत नेमरा गांव में सीएम की पत्नी कल्पना सोरेन और भाई बसंत सोरेन ने तैयारियों की कमान संभाली. मंगलवार की दोपहर शिबू सोरेन की बहू कल्पना सोरेन परिजनों के साथ नेमरा गांव पहुंची. उसके बाद बसंत सोरेन घर पहुंचे.

वीवीआईपी के लिए बना हेलीपैड : दिशोम गुरु शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए पूरे देश से वीवीआईपी नेता नेमरा पहुंचे. उन लोगों को हेलीकॉप्टर के उतरने के लिए हेलीपैड लुकैयाटांड़ में बनाया गया था. इसके अलावा लगभग 7 किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए गाड़ियों की व्यवस्था की गई. सभी स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई ताकि सुरक्षा में कोई चूक ना हो.

टोटो, ऑटो, बस से पहुंचे लोग : श्रद्धांजलि देने के लिए समर्थक भी टोटो, ऑटो और बस से पहुंचे. जिला प्रशासन के द्वारा लोगों को मुख्यमंत्री के आवास तक पहुंचाने के लिए छोटे गाड़ियों की व्यवस्था की गई. रामगढ़ से लेकर दिशोम गुरु के आवास तक उन्हें अंतिम जोहार देने के लिए बैनर और पोस्टर लगाए गए थे. सुरक्षा की कमान डीसी फ़ैज़ अक अहमद मुमताज और एसपी अजय कुमार ने संभाली.

अंतिम विदाई में उमड़ा जनसैलाब

जल्द बुलाया जा सकता है झारखंड का विधानसभा का मानसून सत्र !

विश्व आदिवासी दिवस पर कार्यक्रम सीमित होगा

शुभम संदेश। रांची

झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र जल्द बुलाया जाएगा. उल्लेखनीय है कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के कारण एक अगस्त से प्रारंभ हुए झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र को दूसरे दिन चार अगस्त को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया है. सरकार के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार मानसून सत्र का अभी सत्रावसान नहीं किया गया है. सत्रावसान नहीं होने पर विधानसभा अध्यक्ष को कभी भी सत्र बुलाने का अधिकार होता है. इसलिए वह कभी भी सत्र बुला सकते हैं और कार्य मंत्रणा समिति की बैठक कर विधायी प्रक्रिया की रूपरेखा तय कर सकते हैं. सूत्रों के अनुसार गुरुजी के निधन से उत्पन्न असहज स्थिति से मुख्यमंत्री के उबरते ही, जल्द मानसून सत्र के फिर से बुलाए जाने का निर्णय लिया जाएगा. ज्यादा संभावना है कि 15 अगस्त के बाद

संभवतः 19 अगस्त से मानसून सत्र को बुलाया जा सकता है. सूत्रों के चार अगस्त (सोमवार) से सात अगस्त (गुरुवार) तक मानसून सत्र की कार्यवाही नहीं हो सकी है. इसलिए चार दिन की कार्यवाही फिर से 18 से 21 अगस्त तक हो सकती है. मानसून सत्र बुलाना सरकार के लिए अति आवश्यक बताया गया है. क्योंकि अनुपूरक बजट को सरकार पास नहीं करा सकी है. साथ ही सरकार का कोई भी विधायी कार्य नहीं हो सका है. किसी भी विधेयक को सरकार सदन से पारित नहीं करा सकी है.

इधर गुरुजी के निधन के कारण विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर 9-11 अगस्त तक प्रस्तावित आदिवासी महोत्सव को स्थगित कर दिया गया है. मोरहाबादी मैदान में खड़े किए जा रहे पंडाल और तैयारियों को स्थगित कर दिया गया है. मोरहाबादी मैदान में बन रहे पंडाल को अब खोला जा रहा है. आधिकारिक सूत्रों के अनुसार अब विश्व आदिवासी दिवस पर नौ अगस्त को दो-तीन घंटे का सीमित कार्यक्रम होगा. कोई रंगारंग कार्यक्रम नहीं होगा. दो-तीन घंटे के सीमित कार्यक्रम के माध्यम से विश्व आदिवासी दिवस की औपचारिकता पूरी की जाएगी. विश्व आदिवासी दिवस को लेकर अब होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा भी मुख्यमंत्री के थोड़ा स्थिर होते ही तय कर ली जाएगी.

जनसेवा और संघर्ष के प्रतीक थे दिशोम गुरु शिबू सोरेनः राज्यपाल

रांची। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है. उन्होंने मंगलवार को झारखंड विधानसभा परिसर में शिबू सोरोन के पार्थिव शरीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिजनों से भेंट कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की. राज्यपाल ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का जीवन जनजातीय अस्मिता, अधिकार और सामाजिक उत्थान को समर्पित रहा है. वे जनसेवा और संघर्ष के प्रतीक थे. उनके नेतृत्व में जनजातीय समाज की चेतना और सशक्तिकरण को नई दिशा मिली. राज्यपाल ने कहा कि झारखण्ड उन्हें सदैव आदर और गर्व के साथ स्मरण करेगा. राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में उनका योगदान अविस्मरणीय रहेगा.

विधानसभा में गुरुजी को दी गई अंतिम विदाई

कई राजनीतिक दलों के नेता अंतिम संस्कार में हुए शामिल

रांची । शिबू सोरेन को विधानसभा में श्रद्धांजलि अर्पित की गई. राज्यपाल, मंत्री और विभिन्न दलों के नेताओं ने गुरुजी को श्रद्दा के फूल अर्पित किए और उन्हें नमन किया. श्रद्धांजलि देने वालों में राज्यपाल संतोष गंगवार, विस अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, मंत्री इरफान अंसारी, दीपिका पांडेय, योगेंद्र प्रसाद, सुदिव्य सोनू, राधाकृष्ण किशोर और अन्य शामिल रहे. सभी विधायक भी मौजूद रहे. विस परिसर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में दो मिनट

का मौन भी रखा गया. आप के सांसद संजय सिंह और सांसद पप्पू यादव ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की. दिशोम गुरु की अंतिम यात्रा जब निकली, तो फिजां पर वीर शिबू अमर रहे का नारा गूंजने लगा. जैसे-जैसे काफिला बढ़ता गया, लोगों की भीड़ उमड़ती गई.

दिशोम गुरु के निधन पर डॉ कमल नयन सिंह बोले

गुरुजी का हजारीबाग से रहा बेहद खास रिश्ता

शुभम संदेश। हजारीबाग

झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. कमल नयन सिंह ने गुरुजी को याद करते हुए कहा, "गुरुजी का जाना मेरे लिए पिता तुल्य छाया के खो जाने जैसा है." उन्होंने बताया कि कैसे गुरुजी ने अपने जीवन के सबसे कठिन समय में भी हिम्मत नहीं हारी. जब उनके पिता की हत्या कर दी गई थी, तब उन्होंने न केवल अपने परिवार को संभाला बल्कि उस शोषणकारी व्यवस्था के खिलाफ आंदोलन भी खड़ा किया. उन्होंने सूदखोर महाजनों के खिलाफ चरणबद्ध ढंग से उलगुलान की शुरुआत की.

उन्होंने याद किया कि जब गुरुजी पर रेड वारंट था, तब वह जंगल के रास्तों से होते हुए चुपचाप हजारीबाग पहुंचते थे. यहां वह वकीलों से मिलते, अपने केस की स्थिति पर चर्चा करते. उन दिनों उनके पास ज़्यादा कुछ नहीं होता बस सत्तू और चूड़ा साथ लेकर चलते, वही खाकर दिन गुजारते. भावुक होते हुए डॉ. कमल नयन सिंह ने बताया, "2013 में जब मेरे पिता का निधन हुआ था, तब गुरुजी खुद हमारे घर आए थे. हजारीबाग जब भी आते, कभी सर्किट हाउस में नहीं रुकते, हमेशा हमारे घर ही ठहरते थे." उन्होंने बताया कि मां के हाथों का बना खाना गुरुजी को बहुत पसंद था. लौकी की सब्ज़ी और रोटी खासकर उनकी पसंदीदा थी. हर दिन एक गिलास दूध पीना उनकी दिनचर्या का हिस्सा था. सबसे भावुक क्षण तब आया जब उन्होंने कहा कि गुरुजी और उनकी मां के बीच एक खास रिश्ता था. वो घंटों बातें किया करते. अगर किसी दिन मां टीवी पर गुरुजी से जुड़ी कोई खबर सुन लेतीं और गुरुजी घर से निकलते, तो प्यार से उन्हें डांट भी देती थीं. कमल नयन सिंह ने आगे बताया कि हाल के वर्षों तक जब भी वह गुरुजी से मिलने जाते, तो गुरुजी सबसे पहले हजारीबाग की बात करते थे. वे उन वकीलों के परिवार का हालचाल भी पूछते जिनका संघर्ष के दिनों में साथ मिला था. अंत में उन्होंने बेहद भावुक होकर कहा,"आज बहुत दुख की घड़ी है. गुरुजी सिर्फ नेता नहीं थे, वह झारखंड की आत्मा थे संघर्ष, सादगी और संवेदना के प्रतीक." झारखंड की यह मिट्टी उन्हें हमेशा याद रखेगी. विनम्र श्रद्धांजलि दिशोम गुरु को."

राहुल गांधी आज चाईबासा में होंगे पेश

रांची। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मंगलवार को दिशोम गुरु के अंतिम संस्कार में शामिल कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ रांची पहुंचे. वह मंगलवार को रांची में रात्रि विश्राम करने के बाद बुधवार को गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी मामले में चाईबासा की विशेष अदालत में सशरीर हाजिर होंगे. कांग्रेस नेता राजेश ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक बयान देने के मामले में मानहानि केस का सामना कर रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी बुधवार को चाईबासा कोर्ट में हाजिर होंगे. इससे पहले मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे राहुल गांधी रांची पहुंचें और गुरुजी की अंत्येष्टि में नेमरा गए. राहुल गांधी का मंगलवार रात रांची में रुकने का कार्यक्रम भी है. इसके बाद बुधवार को हेलीकॉप्टर से वो रांची से चाईबासा जाएंगे. इसी बीच अगर मौसम में गड़बड़ी होती है कि शेड्यूल में परिवर्तन की संभावना है. वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी मंगलवार को दो बजे रांची पहुंचें. शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए मौसम खराब होने की वजह से दोनों नेता सड़क मार्ग से नेमरा गए. फिर शाम 6 बजे रांची आकर खरगे दिल्ली के लिए रवाना हो गए.

शख्सियत : दिशोम गुरु शिबू सोरेन की पाठशाला

झारखंड के कई दिग्गजों ने गुरुजी से सीखा राजनीति का पहला पाठ

शुभम संदेश। रांची

झारखंड की राजनीति में दिशोम गुरु शिबू सोरेन सिर्फ एक नेता नहीं, बल्कि एक संस्थान थे. उन्होंने न केवल झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की नींव रखी, बल्कि अनेक युवा नेताओं को राजनीति का ककहरा भी सिखाया. ऐसे कई नाम हैं जो आज झारखंड की राजनीति में दिग्गज माने जाते हैं, लेकिन उनकी राजनीतिक दीक्षा शिबू सोरेन की पाठशाला में ही हुई थी. इन नेताओं में अर्जुन मुंडा, शैलेंद्र महतो, विद्युत वरण महतो, सुनील महतो, स्टीफन मरांडी, साइमन मरांडी, हेमलाल मुर्मू और चंपाई सोरेन जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं. इन सभी नेताओं की यात्रा यह साबित करती है कि शिबू सोरेन केवल एक संगठन के नेता नहीं थे, बल्कि वे ऐसे राजनेता थे जिन्होंने झारखंड की पूरी एक पीढ़ी को तैयार किया. उनकी राजनीतिक पाठशाला से निकले ये नेता आज भी झारखंड की सत्ता और विपक्ष दोनों में अहम भूमिका निभा रहे हैं. दिशोम गुरु के योगदान को याद करते हुए यह स्वीकार करना होगा कि झारखंड की राजनीति में जो कुछ भी आज आकार ले चुका है, उसकी नींव उन्होंने ही रखी थी.

अर्जुन मुंडा : केंद्र सरकार में मंत्री रह चुके और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने भी अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत झामुमो से ही की थी. बाद में उन्होंने भाजपा में शामिल होकर तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री का पद संभाला. उनके राजनीतिक जीवन की पहली सीख उन्हें शिबू सोरेन से ही मिली थी.

विद्युत वरण महतो: सिंहभूम क्षेत्र के मजबूत नेता विद्युत वरण महतो की पहचान भी झामुमो के साथ बनी. झामुमो के साथ लंबे समय तक जुड़ाव के बाद वे 2014 में भाजपा में शामिल हो गए और जमशेदपुर से लोस सदस्य बने.

शैलेंद्र महतो: शिबू सोरेन की पहल पर शैलेंद्र महतो को झामुमो में केंद्रीय महासचिव बनाया गया. झामुमो के टिकट पर वे जमशेदपुर से लोकसभा पहुंचे और उनकी पहचान एक जुझारू नेता के रूप में बनी. हालांकि, बाद में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया, लेकिन उनकी राजनीतिक नींव झामुमो में ही पड़ी थी.

स्टीफन मरांडी: प्रोफेसर स्टीफन मरांडी संताल परगना के बड़े राजनीतिक चेहरे रहे हैं. उन्होंने झामुमो में रहकर कई बार विधानसभा चुनाव जीता और बाद में कांग्रेस और झारखंड विकास मोर्चा (जेवीएम) जैसे दलों में भी सक्रिय रहे. हालांकि, उनका राजनीतिक घर अंततः झामुमो ही रहा और वे फिर उसी दल में लौटे.

हेमलाल मुर्मू: हेमलाल मुर्मू ने भी झामुमो के मंच से अपनी राजनीतिक पहचान बनाई. वे झामुमो के टिकट पर कई बार चुनाव जीत चुके हैं. एक समय उन्होंने भाजपा की ओर रुख किया, लेकिन अंततः उन्होंने फिर झामुमो में वापसी की.

चंपाई सोरेन: चंपाई सोरेन भी झामुमो के भरोसेमंद नेताओं में गिने जाते रहे हैं. वे हेमंत सोरेन के करीबी माने जाते थे और मंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं. हाल के वर्षों में उन्होंने झामुमो छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया, लेकिन उनकी राजनीतिक पहचान झामुमो के साथ ही बनी थी. चंपाई सोरेन तो मंगलवार क गुरुजी को श्रद्धांजलि अर्पित करते समय पुरानी बातें याद कर रो पड़े.

पलामू : मशरूम चुनने गई मां, बेटी व नतिनी की नाले में डूबने से मौत

मेदिनीनगर। पलामू जिले में एक दर्दनाक हादसा हो गया है, यहां मशरूम चुनने जंगल गये एक ही परिवार के तीन लोगों की डूबने से मौत हो गई. यह घटना मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र के घोड़बंधा नाला की है, जहां मां, बेटी और नतिनी तीनों के शव तीन दिन बाद गौराहा डैम से बरामद हुईं. आशंका है कि मशरूम लेने के दौरान नाला पार करते समय तीनों पानी के तेज बहाव में बह गईं और डूबने से उनकी मौत हो गईं. मृतकों की पहचान मोहम्मदगंज के बटउआ गांव की शांति कुंवर (52 वर्ष), उनकी बेटी अंजलि कुमारी और नतिनी काजल कुमारी के रूप में हुई है. अंजलि और काजल बिहार के रोहतास जिले के काराकट थाना क्षेत्र के भरत कासवा गांव की निवासी थी.

मशरूम चुनने गई तीनों पर लौटी नहीं, तीन दिन बाद शव बरामद : घटना के संबंध में बताया जाता है कि रविवार की सुबह करीब 10 बजे शांति, अंजलि और काजल मशरूम चुनने के लिए जंगल गई थीं. जब वे देर शाम तक घर नहीं लौटीं तो परिवार के सदस्यों ने उनकी तलाश शुरू की. सोमवार को भी पूरे इलाके में खोजबीन की गई, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला. आखिरकार मंगलवार को मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र के गौराहा डैम से तीनों के शव बरामद हुए. बताया जा रहा है कि जंगल के रास्ते मे एक नाला पार करना पड़ता है. पुलिस ने आशंका जताई है कि इसी नाले को पार करते समय वे पानी के तेज बहाव में बह गईं होंगी और गौराहा डैम में जा गिरी होंगी, जहां उनकी डूबने से मौत हो गई होगी.